धनबाद, गुरुवार 18.04.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-57 पृष्ठ- 12
चैत्र शुक्ल पक्ष-10
संवत 2080

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

मिशन 2024 का घमासान : पहले चरण में 1625 प्रत्याशी मैदान में

8 केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल की किस्मत दांव पर 0 102 सीटों पर थमा प्रचार, 19 को मतदान

नई दिल्ली (ईएमएस): लोकसभा चुनाव के पहले चरण का प्रचार अभियान बुधवार की शाम थम गया। १९ अप्रैल को पहले चरण की वोटिंग होगी। देश के २१ राज्यों की १०२ लोकसभा सीटों पर कुल १६२६ प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। पहले चरण में आठ केंद्रीय मंत्री दो पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल की किस्मत दांव पर है। १९ अप्रैल को उत्तर प्रदेश की आठ, राजस्थान की १३, मध्य प्रदेश की छह, असम की पांच, बिहार की चार, महाराष्ट्र की पांच, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ़ की एक-एक, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश की दो-दो, त्रिपुरा की एक, उत्तराखंड की छह, तमिलनाडु की ३९, पश्चिम बंगाल की तीन, सिक्किम, नगालैंड, अंडमान और निकोबार, मिजोरम, पुडुचेरी, मणिपुर और लक्षद्वीप में मतदान होगा।

मध्य प्रदेश में पहले चरण की सीटों पर शाम ६ बजे चुनाव प्रचार थम गया है। मप्र में पहले फेस में जबलपुर, छिंदवाड़ा, मंडला, सीधी, शहडोल और बालाघाट में मतदान होगा। पहले चरण में कुल ८८ उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। जबलपुर से सबसे ज्यादा १९ उम्मीदवार है। जबकि शहडोल में सबसे कम १० प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं सीधी में १७, छिंदवाड़ा में १५, मंडला में १४ और बालाघाट में १३ कैंडिडेट चुनावी मैदान में है। वर्तमान में इन ६ सीटों में ५ पर भाजपा, वहीं छिंदवाड़ा में कांग्रेस का कब्जा है।

पहले चरण में कई दिग्गज मैदान में

महाराष्ट्र की नागपुर सीट से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी चुनाव मैदान में हैं। अरुणाचल पश्चिम सीट से केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। यहां है। जम्मू-कश्मीर की उधमपुर सीट से चुनाव लड़ रहे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी लाल सिंह से है। मंत्री सर्बानंद सोनोवाल चुनावी समर में उतरे हैं। उत्तर प्रदेश की हाई प्रोफाइल सीट मुजफ्फरनगर से केंद्रीय मंत्री संजीव बलियान मैदान में हैं। यहां उनका मुकाबला समाजवादी पार्टी के हरेंद्र मलिक और बसपा उम्मीदवार दारा सिंह प्रजापति से उनका मुकाबला पूर्व मुख्यमंत्री नवाब तुकी से हैं। असम की डिब्रूगढ़ लोकसभा सीट से केंद्रीय राजस्थान की अलवर सीट से केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। उनके सामने कांग्रेस के विधायक ललित यादव की चुनौती है। बीकानेर में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का मुकाबला कांग्रेस के पूर्व मंत्री गोविंद राम मेघवाल से है। तमिलनाडु की नीलगिरी लोकसभा सीट पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ए राजा के सामने केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन चुनाव लड़ रहे है।

चेन्नई दक्षिण लोकसभा क्षेत्र से पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन चुनाव में उतरी है। पश्चिम त्रिपुरा से पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब चुनाव लड़ रहे है। उनके सामने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आशीष कुमार साहा हैं।

सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा मतदान

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में १९ अप्रैल को सुबह ७ से शाम ६ बजे तक मतदान प्रक्रिया चलेगी। बालाघाट संसदीय क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्र बैहर, लांजी और परसवाड़ा के सभी मतदान केन्द्रों में सुबह ७ से दोपहर ४ बजे तक मतदान होगा। राजन ने बताया कि मतदान शुरू होने के ▶▶ 4

जमीन घोटाला मामले में जेएमएम नेता समेत चार को भेजा गया जेल, रिमांड पर आज होगी सुनवाई

राँची (ससे): ईडी द्वारा जमीन घोटाला मामले में गिरफ्तार झारखण्ड मुक्ति मोर्चा नेता अंतु तिर्की, जमीन कारोबारी प्रियरंजन सहाय, विपिन सिंह और इरशाद को बुधवार को राँची प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के विशेष न्यायाधीश के आवासीय कार्यालय में पेश किया गया।पेशी के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में राँची के बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल भेज दिया गया। ईडी ने चारों आरोपियों से पूछताछ के लिए कोर्ट से ७ दिन का वक्त मांगा है। अब रिमांड की अवधि को लेकर गुरुवार को सुनवाई होगी। मिली जानकारी के मुताबिक, जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि जमीन घोटाला मामले में गिरफ्तार चारों लोगों से अभी कई मामलों में पूछताछ बाकी है। इसलिए कोर्ट ७ दिन की रिमांड तय करे।कोर्ट ने रिमांड की अवधि पर बहस के लिए १८ अप्रैल की तारीख तय की गई है।

नक्सलियों ने की भाजपा नेता की हत्या

जगदलपुर (ईएमएस): बस्तर में लोकसभा चुनाव की वोटिंग से ठीक २ दिन पहले नक्सलियों ने नारायणपुर के भाजपा नेता और उपसरपंच की हत्या कर दी है। देर रात नक्सली उपसरपंच पंचम दास के घर पहुंचे। इसके बाद दरवाजा तोड़ा और कुल्हाड़ी से हमला कर पंचम दास को मार डाला। वारदात के बाद मौके पर नक्सली पर्चे भी फेंक गए हैं। जिसमें लिखा है कि उपसरपंच और बीजेपी नेता पंचम दास मानिकपुरी पुलिस के गोपनीय सैनिक के रूप में काम कर रहा था। इसलिए उसे मौत की सजा दी है। मामला फरसगांव थाना क्षेत्र का है। गृह मंत्री ने घटना को नक्सलियों की कायराना हरकत बताया है।

शंभू बॉर्डर पर किसानों ने रेलवे ट्रैक जाम किया

बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस से धक्कामुक्की; 34 ट्रेन प्रभावित, 11 कैंसिल हुईं

अंबाला (ईएमएस): पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों ने शंभू रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक जाम कर दिया है। बॉर्डर पर नेशनल हाईवे बंद कर डटे किसान शंभू बॉर्डर के पास ही रेलवे ट्रैक पर बैठ गए हैं। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिससे पुलिस-किसानों की धक्कामुक्की हुई। मगर, किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और ट्रैक पर बैठ गए।

किसान सरकार से युवा नेता नवदीप सिंह जलबेड़ा समेत ३ किसानों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में पहले उनकी हरियाणा और पंजाब सरकार से मीटिंग हुई थी, जिसके बाद रिहाई का भरोसा मिला था।

जिसके बाद किसानों ने सरकार को १६ अप्रैल तक का समय दिया था। सरकार ने रिहाई नहीं की तो वे ट्रैक पर उतर आए। किसानों के प्रदर्शन के चलते ३४ ट्रेन प्रभावित हुई हैं। ११ ट्रेनों को पूरी तरह से कैंसिल किया गया है, जबकि कई ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए गए हैं तो कुछ के रूट शॉर्ट किए गए हैं।

रिहाई तक ट्रैक खाली नहीं करेंगे

किसान नेता जगजीत डल्लेवाल ने कहा कि सरकार ने भरोसा देकर भी उन्हें रिहा नहीं किया। हमारा किसान साथी जेल में मरणव्रत पर बैठा है। जब तक सरकार उसे रिहा नहीं करती, हम ट्रैक खाली नहीं करेंगे। अगर सरकार अभी रिहा कर दे तो हम १० मिनट में हट जाएंगे। आम लोगों की परेशानी को लेकर डल्लेवाल ने कहा कि हमारा साथी जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है, इसमें लोग हमें सहयोग करें।

हम नहीं चाहते थे, सरकार ने मजबूर किया

आंदोलन की अगुआई कर रहे किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि हम रेल नहीं रोकना चाहते थे।

मगर, हमें इसके लिए मजबूर करना सरकार का फेलियर है। सरकार ने १६ अप्रैल तक रिहाई का भरोसा देकर वादाखिलाफी की है। उन्होंने कहा कि रेल रोको आंदोलन अनिश्चितकाल के लिए रहेगा।

भारत ने आतंकियों को घर में घुसकर मारने की चेतावनी दी, अमेरिका बोला- हम बीच में नहीं आएंगे

नई दिल्ली (ईएमएस): आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए खतरा बना हुआ है। हर एक देश आतंकियों से परेशान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में कहा था कि भारत आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मारने से नहीं हिचकिचाएगा। दोनों ही नेताओं का इशारा पाकिस्तान की तरफ था। जब आतंकवाद पर मोदी के घर में घुस के मारेंगे वाले बयान के बारे में सवाल किया तो अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, जैसा कि मैंने पहले कहा है, संयुक्त राज्य अमेरिका इसके बीच में नहीं आने वाला है। लेकिन हम भारत और पाकिस्तान दोनों को तनाव से बचने और बातचीत के माध्यम से समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। आतंकवादियों को खत्म करने के लिए अन्य देशों में भारत द्वारा कथित अभियानों पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या पीएम मोदी और राजनाथ सिंह की टिप्पणियों को कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह की कथित हत्या, आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की न्यूयॉर्क में हत्या की साजिश, पाकिस्तान में हाल के दिनों में आतंकवादियों की हुई हत्या के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अमेरिका इस मामले में शामिल नहीं होगा।

विदेश विभाग के प्रवक्ता से यह भी सवाल किया गया कि गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश को लेकर अमेरिका ने ▶▶ 4

मप्र समेत 9 राज्यों में तापमान 41 के पार

गुजरात-महाराष्ट्र में हीटवेव का अलर्ट हिमाचल और उत्तराखंड में आज ओले गिरेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस): देश में तेज गर्मी का दौर फिर से शुरू हो गया है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड में तापमान ४१ डिग्री के पार पहुंच गया है। मंगलवार को आंध्र प्रदेश के नंदयाल में टेम्परेचर सबसे ज्यादा ४३ डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग ने बताया कि गुरुवार को गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के कई जिलों में हीटवेव चलेगी। इससे इन राज्यों में तापमान में और भी बढ़ोतरी होने का अनुमान है। देश के उत्तरी राज्यों (हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश) में फिलहाल तापमान ४० डिग्री से नीचे बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कल ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट है। इन राज्यों में कल तापमान में और गिरावट दर्ज हो सकती है। इसके अलावा नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में भी गर्मी से राहत बनी रहेगी। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में आज तेज बारिश का अनुमान है। वहीं, सिक्किम में धूलभरी आंधी चलने का अलर्ट जारी किया गया है।

असम को पंजे में जकड़ा था कांग्रेस ने:पीएम

विपक्ष ने नॉर्थ-ईस्ट में अलगाववाद को खाद-पानी दिया, मोदी ने गले लगाया

गुवाहाटी (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को असम और त्रिपुरा दौरे पर रहे। उन्होंने असम के नलबाड़ी में चुनाव रैली को संबोधित करते हुए कहा- कांग्रेस ने सियासी फायदे के लिए असम को अपने पंजे में जकड़ रखा था। ताकि उनके लिए लूट और भ्रष्टाचार के रास्ते खुले रहें। अब ये पंजा खुल गया है। असम में सबका साथ और सबका विकास हो रहा है। मोदी ने कहा कि जिस नॉर्थ-ईस्ट को कांग्रेस और विपक्ष ने समस्याएं दीं, अलगाववाद को खाद-पानी दिया। उस नॉर्थ-ईस्ट को मोदी ने गले लगाया। जो कांग्रेस के ६० वर्षों में नहीं हुआ, वह मोदी ने १० साल में किया।

मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार की योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं होता। योजनाओं का लाभ हर किसी को मिलता है। अब एनडीए ने ठाना है कि देश के हर नागरिक तक पहुंचकर जिस सुविधा का वो पात्र है, वो सुविधा उसे दी जाएगी। अब ७० साल के ऊपर के बुजुर्गों की सेवा आपका बेटा मोदी करेगा। इन्हें ५ लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी।

3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाएंगे

पीएम ने कहा कि आपका बिजली बिल जीरो आए, इसलिए कम दाम पर सोलर पैनल दिए जाएंगे। इसके अलावा हमने लक्ष्य रखा है ३ करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाएंगे। हमने खरीफ की फसलों का रूक्का बढ़ाया है। इससे यहां के किसानों को लाभ हुआ है। भाजपा ने किसानों को लेकर सभी योजना को जारी रखेंगे। उन्होंने कहा किअसम का विकास इस बात का सबूत है कि जब नीयत सही हो तो नतीजे भी सही आते हैं। मोदी ने मुस्लिम बहनों को तीन तलाक की टेंशन से मुक्ति दिलाई। हमने कानून बनाकर मुस्लिम बहनों और उनके परिवारों को राहत पहुंचाई। मैंने कुछ ही दिन पहले असम में देश की बड़ी सेमीकंडक्टर फैसिलिटी ▶▶ 4

प्रियंका गांधी ने किया रोड शो

कहा-मोदी सत्य नहीं सत्ता के उपासक

सहारनपुर (ईएमएस): कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार को सहारनपुर की गोल कोठी से लेकर कुतुबशेर थाने तक रोड शो किया। करीब एक घंटा चले रोड शो में प्रियंका गांधी ने लगभग १२ मिनट जनता को संबोधित भी किया। इस दौरान प्रियंका गांधी के निशाने पर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रहे। उन्होंने कहा कि इस देश ने सत्ता को नहीं सत्य को पूजा है और मोदी सत्ता को पूजते हैं सत्य को नहीं।

रोड शो अधिकतर मुस्लिम आबादी के बीच से गुजरा। कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद के समर्थन में वोट की अपील की। बता दें कि कांग्रेस की तरफ से अभी तक एक भी स्टार प्रचारक जिले में नहीं आया। कांग्रेस की ओर से आज प्रियंका इस लोकसभा चुनाव में पश्चिमी यूपी में पहली बार प्रचार मैदान में पहुंची। रोड शो के दौरान प्रियंका गांधी ने रामनवमी को भी याद करते हुए कहा कि भगवान राम ने भी सत्य की लड़ाई लड़ी थी। जब उनके सामने रावण युद्ध करने के लिए आया तो सारी शक्ति रावण के पास थी, ▶▶ 4

कार टैंकर में घुसी 10 लोगों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस): गुजरात में अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर नडियाद के पास भीषण सड़क हादसा हुआ है। इसमें १० लोगों की मौत हो गई है। वहीं, एक शख्स की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रेलर के पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार उसमें जा घुसी। कार बड़ोदरा से अहमदाबाद जा रही थी।

पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी १० लोगों की मौत हो गई। इसमें से ८ लोगों की हादसे के बाद मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो लोगों ने अस्पताल जाते वक्त दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर १०८ की दो एंबुलेंस पहुंच गईं। साथ ही एक्सप्रेस हाईवे गश्ती दल भी राहत और बचाव कार्य के लिए मौके पर पहुंच गया था। हादसे के चलते एक्सप्रेसवे पर जाम लग गया था।

यूनाइटेड नेशन्स की रिपोर्ट 77 साल में दोगुने हुए भारतीय

भारत की जनसंख्या 144 करोड़ से ज्यादा ✪14 साल तक के उम्र की आबादी करीब 35 करोड़

नई दिल्ली (ईएमएस): यूनाइटेड नेशन्स की हेल्थ एजेंसी यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत की जनसंख्या पिछले ७७ सालों में दोगुनी हो चुकी है। यह १४४.१७ करोड़ पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में २००६-२०२३ के बीच २३ प्रतिशत बाल विवाह हुए हैं। साथ ही डिलीवरी के समय होने वाली महिलाओं की मौतों की संख्या में कमी आई है।

भारत ने इस साल के शुरुआत में सबसे ज्यादा १४२.५ करोड़ आबादी वाले देश चीन को पीछे छोड़ा था। २०११ की जनगणना के मुताबिक, देश की कुल आबादी १२१ करोड़ दर्ज की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की कुल आबादी का २४ प्रतिशत हिस्सा ०-१४ साल के लोगों का है। १५-६४ साल की संख्या सबसे ज्यादा ६४ प्रतिशत है। पुरुषों की औसत आयु ७१ और महिलाओं की ७४ साल है।

सेक्सुअल हेल्थ में भारत 30 साल में सबसे बेहतर

यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड की इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में सेक्सुअल और रिप्रोडक्टिव हेल्थ ३० सालों के सबसे बेहतर स्तर पर है। यही कारण है कि डिलीवरी के दौरान होने वाली मौतों की संख्या में भी गिरावट आई है। दुनिया में हो रही ऐसी मौतों में भारत का ▶▶ 4

धनबाद के विकास और समस्या के समाधान का संकल्प लिया है : अनुपमा सिंह

इंडिया गठबंधन प्रत्याशी अनुपमा सिंह का भव्य स्वागत हुआ धनबाद संसदीय क्षेत्र में

धनबाद (कासं) : धनबाद संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में बेरमो के कांग्रेस विधायक जयमंगल सिंह की धर्मपत्नी अनुपमा सिंह को टिकट देकर भाजपा प्रत्याशी के विरूद्ध चुनाव में उतारा है।

> **कांग्रेस ने बेढाग चेहरा दिया है लोकसभा चुनाव में : हेमंती जयसवाल**

बुधवार को सड़क मार्ग से वरवड़हा किसान चौक धनबाद पहुंचने पर इनका भव्य स्वागत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया।

वहीं धनबाद जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सीता राणा महासचिव रूबी खातून और सचिव हेमंती जयसवाल ने जमकर स्वागत किया। महिला कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ताओं ने फुल मालाओं से अनुपमा सिंह का स्वागत जोरदार तरीके से किया। महिला कांग्रेस के सचिव हेमंती जयसवाल ने अनुपमा सिंह की जीत धनबाद लोकसभा क्षेत्र में पक्की बताई और कहा कि एक बेदाग चेहरा धनबाद संसदीय क्षेत्र की जनता को राहुल गांधी ने दिया है।

कांग्रेस ने धनबाद में पहला महिला प्रत्याशी मैदान में उतारा है। श्रीमती जयसवाल ने कहा कि हम महिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जो जनता के बीच जाकर विकास के काम करवाए हैं उसका सीधा फायदा अनुपमा सिंह को मिलेगा।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए अनुपमा सिंह ने कहा है कि मैं झारखंड की बेटी हूं। धनबाद के हर समस्या से अवगत हूं और जो भाजपा के सांसद १५ वर्षों में धनबाद शहर को जाम से मुक्ति नहीं दिला पाए न ही एम्स और हवाई अड्डा ला पाए हैं। उन्होंने कहा कि मैं धनबाद संसदीय क्षेत्र की समस्याओं को निदान करूंगी। मुझे भी एक मौका धनबाद संसदीय क्षेत्र की जनता दे।

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन का उम्मीदवार वह हैं इस कारण आरजेडी, सीपीएम, सीपीआई और झारखंड मुक्ति मोर्चा के लाखों कार्यकर्ताओं का सहयोग लोकसभा चुनाव जीतने में उन्हें मिलेगा।

चुनाव आयोग को मिली 200 शिकायतें, 169 का किया निराकरण

नई दिल्ली (ईएमएस): आचार संहिता के बाद से एक महीने में केंद्रीय निर्वाचन आयोग को २०० शिकायतें मिली। इनमें से १६९ का निपटारा कर दिया गया है। आम चुनाव का ऐलान होने के साथ पूरे देश में १६ मार्च को चुनाव आचार संहिता लागू हो गई थी। पिछले महीने सात राजनीतिक दलों के १८ जनप्रतिनिधियों ने चुनाव आयुक्त से मुलाकात की थी और अपनी शिकायतें दर्ज कराई थी। इसी प्रकार अनेक राज्यों में भी अनेक लोग शिकायतें लेकर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय पहुंचे।

आयोग के पास आईं २०० शिकायतों में से १६९ में सुनवाई पूरी कर निपटारा कर दिया गया। चुनाव आयोग को भाजपा नेताओं द्वारा ५१ शिकायतें दर्ज कराई गई। इनमें १८ का निपटारा ▶▶ 4

रामनवमी को लेकर कोयलांचल हुआ राममय

धनबाद (कासं) : कोयलांचल समेत पूरे झारखंड में बुधवार को

रामनवमी मनाया गया। महावीर मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुबह से ही भीड़ उमड़ पड़ी। रणधीर वर्मा चौक स्थित महावीर मंदिर में श्रद्धालु सुबह से ही लाइन में लगकर बजरंगबली जी के दर्शन एवं पूजाअर्चना किया।

धनबाद (कासं) : रामनवमी के अवसर पर श्री **गुजराती अन्नपूर्णा**

सेवा समिति ने बैंक मोड़ में विशाल मंच बनाकर अखाड़ा दलों का शरबत और शीतल पेयजल से स्वागत किया। साथ ही अखाड़ा दलों के अध्यक्ष, धनबाद के अंचल अधिकारी शशिकांत सिंकर, भाजपा नेत्री रागिनी सिंह, बैंक मोड़ इंस्पेक्टर सहित अन्य गणमान्य लोगों का अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया। मौके पर अध्यक्ष नितिन भट्ट, महेश बजानिया, परेश ठक्कर, पियूष वेगड़, योगेश जोशी, शैलेश रावल, प्रतिक पोपट, रश्मि भट्ट, सोना रावल, रोशनी संघवी, उर्वशी बोल, लोकेश अग्रवाल, प्रेम गंगेसरिया, लक्ष्मी कांत चावड़ा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के १३ अखाड़ा संचालक रामनवमी के मौके पर कई स्थानों पर बेहतर खेल का प्रदर्शन किया है। बजरंग दल पाथरडीह प्रखंड महतो बस्ती डिगवाडीह १२ नम्बर स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में युवाओं ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया है। आयोजनकर्ताओं में दिलीप गिरी, संदीप दता, अभिजीत गोराईं, रोहन हरि, गोपी रजक, प्रहलाद बाउरी, आकाश क्षत्रपाल आदि मौजूद थे।

डिगवाडीह घटवार बस्ती पंचमुखी हनुमान मंदिर से युवाओं की टोली अखाड़ा संचालन कर्ता शंकर साव, दिनेश यादव, एम के ठाकुर के नेतृत्व में बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा

महावीरी झंडा के साथ निकाला है। यात्रा को नगर भर्मण कराया गया। बरारी मोड़ जेलगोड़ा हनुमान मंदिर से लेकर डिगवाडीह तक यात्रा निकाला गया। फुसबंग्ला, दुर्गा मंदिर, भागा स्टेशन रोड हनुमान मंदिर के प्रांगण में भव्य खेल का प्रदर्शन किया गया। झण्डा का पूजाअर्चना अशोक झा पंडित ने किया। जामाडोबा अस्पताल के निकट भव्य स्टेज का आयोजन जोड़ापोखर शान्ति समिति द्वारा किया गया। उक्त स्थल पर जामाडोबा ४ नम्बर, कालीमेला, जीतपुर तिवारी बस्ती, बाबूबासा, डुमरी २, ३, ४ नम्बर में स्थित हनुमान मंदिर में खेल का बेहतर प्रदर्शन किया गया। विधिव्यवस्था बनाये रखने के लिए जोड़ापोखर थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा, दंडाधिकारी एवं भारी मात्रा में पुलिस मौजूद थे।

केन्दुआ (ससे) : रामनवमी के

अवसर पर केन्दुआडीह थाना क्षेत्र के केन्दुआ बाजार, बी एन आर, खिलानधौड़ा, कुस्तौर, खैरा, गोधर, केन्दुआ नीमतल्ला, हनुमानगढ़ी आदि क्षेत्रों का १६ अखाड़ा केन्दुआ हटिया मैदान

पहुंच कर एक से बढ़कर खेल करतब का प्रर्दशन किया गया। वानर सेना का दल आर्कषण का केन्द्र रहा।

केन्दुआ बजरंग दल के नेतृत्व में सभी अखाड़ा दलों के सरदारों को माला और पगड़ी देकर स्वागत किया गया। मौके पर डीएसपी विधिव्यवस्था दीपक कुमार पहुँच, समिति के सदस्यों ने माला, पगड़ी पहना कर सम्मानित किया। दीपक कुमार ने सभी का अभिनंदन करते हुए शांति पूर्वक त्योहार मनाने का अपील किये। मौके पर दानवीर भामाशाह दल, महाबली दल, न्यू शक्ति दल, वानर सेना दल, वीर बालक दल आदि उपस्थित थे। सामाजिक संस्थाओं ने अखाड़ा दलों के लिए शर्बत पानी, फल, बिस्कुट आदि का व्यवस्था किया था। केन्दुआडीह थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर राम नारायण ठाकुर के

नेतृत्व में सुबह से हर चौक चौराहे पर पदाधिकारी के साथ बल तैनात थे। सभी अखाड़ा दलों के सरदार पुलिस पदाधिकारी के साथ चल रहे थे। महिला बल का भी विशेष व्यवस्था किया गया था। रामनवमी शांति पूर्वक संपन्न करवाने में क्षेत्र के बुद्धिजीवियों, शांति समिति, पुलिस जन सहयोग समिति आदि ने पुलिस को भरपूर सहयोग किया। केन्दुआडीह थाना प्रभारी ने सभी का अभिनंदन करते हुए शांति पूर्वक त्योहार संपन्न होने के लिए पुलिस को सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया।

लोयाबाद (ससे) : रामनवमी के अवसर पर लोयाबाद क्षेत्र के लोयाबाद पावर हाउस, न्यूडीप, कोक प्लाट, लोयाबाद न २०, ९, ५, कनकनी हनुमान बाजार, सेन्द्रा, बासजोड़ा, एकड़ा,

लोयाबाद ठाकुर बाड़ी आदि क्षेत्रों का अखाड़ा लोयाबाद हटिया मैदान पहुंच कर एक से बढ़कर एक करतब का प्रर्दशन किया। वानर सेना का दल आर्कषण का केन्द्र रहा। मानव सेवा समिति, जय हनुमान सेवा समिति, रक्त दाता संघ, लोयाबाद दुर्गापूजा समिति, मुस्लिम कमिटी आदि ने अखाड़ा दलों के लिए शर्बतपानी, फल, बिस्कुट आदि का व्यवस्था किया था।

लोयाबाद थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार के नेतृत्व में सुबह से हर चौकचौराहे पर पदाधिकारी के साथ बल तैनात थे। सभी अखाड़ा दलों के सरदारों को माला और पगड़ी पहना कर स्वागत किया गया। रामनवमी शांति पूर्वक संपन्न करवाने में क्षेत्र के बुद्धिजीवियों, शांति समिति, पुलिस जन सहयोग समिति, दुर्गापूजा समिति, लोयाबाद चेम्बर्स, मुस्लिम कमिटी आदि ने पुलिस को भरपूर सहयोग किया।

लोयाबाद थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार ने सभी का अभिनंदन करते हुए शांति पूर्वक त्योहार संपन्न होने के लिए पुलिस को सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया।

पुटकी (ससे) : पुटकी क्षेत्र पुटकी बाजार, कोक प्लांट, श्रीनगर कॉलोनी, करकेंद, मुनीडीह आदि क्षेत्रों में रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

पुटकी बाजार में आयोजित श्रीश्री बजरंग दल अखाड़ा समिति एवं कुमारेश्वर महादेव मंदिर समिति के तत्वावधान में पुटकी मिडिल स्कूल मैदान में कुल १४ अखाड़ा दलों ने अपनेअपने

खेल का प्रर्दशन किया। वहीं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रही अखाड़ा समितियों को पुरस्कृत किया गया।

मौके पर पुटकी अखाड़ा उस्ताद मुकेश कुमार, समिति अध्यक्ष नागेंद्र प्रसाद शुक्ला, पुटकी चेम्बर अध्यक्ष हीरा-लाल शर्मा, आनंद वर्मा, हुकुम चंद्र अग्रवाल, केदार प्रसाद वर्णवाल, महेंद्र प्रसाद वर्णवाल, सुप्रभात सिन्हा, राजू सिंह आदि।

गोविंदपुर (ससे) : वरीय पुलिस अधीक्षक एचपी जनार्दनन बुधवार को गोविंदपुर पहुंचे तथा श्री रामनवमी जुलूस के दौरान विधिव्यवस्था का मुआयना किया। उन्होंने कहा कि श्री रामनवमी, दुर्गापूजा विसर्जन एवं मुहर्रम जुलूस के रूट में गोविंदपुर के दोनों समुदायों का फैसला ऐतिहासिक है। एकदूसरे के धार्मिक स्थलों का सम्मान करते हुए उसके आगे से जुलूस का नहीं गुजरना भाईचारा एवं सौहार्द का बहुत बड़ा संदेश देता है। यदि इसी तरह की परंपरा हर जगह हो जाए तो प्रशासन को कोई परेशानी ही नहीं होगी। श्री जनार्दनन ने इसके लिए गोविंदपुर के दोनों समुदायों की सराहना की। उन्होंने सभी रामनवमी अखाड़ा दलों को भी

बधाई दी।

मौके पर सिटी एसपी अजीत कुमार, डीएसपी मुख्यालय एक शंकर कामती, बीडीओ जहीर आलम, पुलिस इंस्पेक्टर रविकांत प्रसाद, संतोष मिश्रा आदि मौजूद थे। गोविंदपुर ऊपर बाजार दुर्गा मंदिर अखाड़ा के लाइसेंसी नीरज

विश्वकर्मा, शंभू प्रसाद भगत, काली मिस्त्री, भोला गुप्ता आदि ने सभी अधिकारियों को पगड़ी पहनकर सम्मानित किया। यहां १२ लाइसेंसी एवं ५ गैर लाइसेंसी अखाड़ा समितियों ने जुलूस निकाला। इस दौरान खिलाड़ियों ने आकर्षक करतब दिखाए। गोविंदपुर वाणी मंदिर, बीच बाजार ठाकुरबाड़ी, ऊपर बाजार दुर्गा मंदिर व हरिलाजोड़ी मंदिर रंगडीह ने आकर्षक झांकी निकाली थी। बीच बाजार हनुमान मंदिर, गांव भीतर दुर्गा मंदिर, हनुमान मंदिर आमाघाटा, हनुमान मंदिर गोसाईडीह, बस्तीपुर अखाड़ा दल, बागसुमा अखाड़ा दल, रतनपुर अखाड़ा दल, खिलकनाली अखाड़ा, कुसुमाटांड़कुम्हारडीह अखाड़ा दल, बाउरी कुल्ही, हरिलाजोड़ी शंकर मठ, गायडहरा बाद हनुमान मंदिर व हिंद नगर हनुमान मंदिर से रामनवमी अखाड़ा निकला गया।

इस दौरान सामाजिक संस्थान नागरिक समिति एवं लायंस क्लब तथा मंडल डेकोरेटर की ओर से पेयजल व शर्बत का शिविर लगाया गया था। कार्यक्रम में पूर्व प्रमुख डीएनडी सिंह, लक्ष्मी नारायण पुरी, बलराम साव, शिशिर भगत, विकाश शाही, जीतू गुप्ता, सुरेश भगत, किशन अग्रवाल, राजकुमार गिरि, पप्पू सिंह, संजय भगत, रति रंजन गिरि, मोबिन अंसारी, मोइन अंसारी, अनूप साव, जितेश जायसवाल, डॉ आरके शर्मा, वीरेंद्र रजक, सपन भगत, अमरदीप सिंह, नितेश गुप्ता, जहीर अंसारी, विपिन रजक आदि शामिल थे।

यूपीएससी परीक्षा में 715 रैंक प्राप्त कर विनय ने झरिया का किया नाम रौशन

जोड़ापोखर (ससे) : डिनोबली स्कूल डिगवाडीह के पासआउट छात्र व भागा बाजार निवासी विनय गर्ग ने यूपीएससी परीक्षा में ७१५ रैंक प्राप्त कर स्कूल सहित पूरे झरिया विधानसभा क्षेत्र का नाम रौशन किया है। विनय को यूपीएससी में सफलता मिलने से पिता घनश्याम गर्ग, मां रेखा गर्ग, दादा इन्द्रसेन पंसारी, दादी कमला देवी सहित स्वजनों में खुशी की ठिकाना नहीं है। विनय की बहन श्वेता गर्ग ने बताया है कि वर्ष २०११ में विनय स्कूल बोर्ड में ७८ प्रतिशत, इंटर विज्ञान में ८७ प्रतिशत अंक लाकर पास किया

है। वे सम्मान अंक लाने वाले छात्र रहे है। जिसे सिर्फ यूपीएससी में ही सलेक्ट होने का जुनून था। उसने आसनसोल इंजीनियरिंग से कम्प्यूटर विज्ञान में बीटेक किया।

२०१७ में इसके बाद दिल्ली में रह कर तैयारी कर रहा था। एक बार परीक्षा नहीं निकाल पाया था। वर्तमान में वर्ष २०२३२४ की परीक्षा में पास कर गया। उसने पढ़ाई की सफलता बगैर ट्यूशन व कोचिंग के अगर पथ पर रहे है। छोटा भाई मोहित दिल्ली में रह कर इंटेंस परीक्षा की तैयारी कर रहा है। वही बहन श्वेता कुमारी भी बगैर ट्यूशन के यूपीएससी की तैयारी कर रही है। मां गृहिणी है और वह उच्च शिक्षा तथा पिता सातवीं कक्षा तक ही पढ़ाई कर सके हैं। विनय ने दूरभाष पर बताया है कि वह जल्द ही मसूरी में ट्रेनिंग के लिए जाएंगे।

गौरांग महाप्रभु अखंड हरिबोल 19 से

पुटकी (ससे) : पुटकी के कच्छी बलिहारी स्थित माँ देशवाली स्थान प्रांगण में १९ से २४ घंटे का श्री श्री गौरांग महाप्रभु अखंड हरिबोल संकीर्तन शुरू होगा।

१८ को गंधक पूजा, १९ को अखंड हरिबोल संकीर्तन प्रारम्भ होने के बाद शाम को अकलु महतो रंगदल एवं रात्रि में रूपा गोस्वामी व सत्यम गोस्वामी ग्रुप के द्वारा पाला कीर्तन प्रस्तुत किया जायेगा। २० को कुंज भंग के बाद प्रसाद वितरण के साथ समापन होगा।

कांग्रेस प्रत्याशी का जेलगोड़ा यूनियन कार्यालय में स्वागत

जोड़ापोखर/जामाडोबा (ससे) : कांग्रेस कार्यकर्ताओं और मजदूर नेताओं ने धनबाद लोकसभा कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह का जेलगोड़ा राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन कार्यालय में जोरदार स्वागत किया। मंगलवार को देर शाम अनुपमा सिंह कार्यलय पहुंची और पूजाअर्चना करने के बाद महावीरी झंडा फहराया। पार्टी ने मुझे उमीदवार बनाया है और महिलाओं का सम्मान पार्टी ने दिया है। उन्होंने कहा कि धनबाद में पिछले कई सालों से बीजेपी का राज है। आज भी कोई तरक्की नहीं हुई है। आज भी धनबाद वही है। मैं बचपन से धनबाद आ रही हूं। मैं महिला के सम्मान के लिए लड़ने के लिए तैयार हूं। भाजपा प्रत्याशी

महिलाओं को यौन शोषण करता है। उसके खिलाफ मैं खड़ी हूं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेरे ससुर धनबाद के मजदूरों के लिए हमेशा काम करते थे। मेरे पति विधायक भी मजदूरों के लिए काम करते हैं।

जीत के बाद झरिया कोयलांचल के असंगठित मजदूरों का जो शोषण हो रहा है उसको सबसे पहले बन्द करूंगी। श्रीमती सिंह ने कहा कि पार्टी टिकट दिया है धनबाद में कांग्रेस पार्टी के बड़े बड़े लीडर के साथ मिलकर आर्शीवाद लेकर सम्मान के साथ काम करूंगी। जिला अध्यक्ष संतोष सिंह, श्रमिक नेता संतोष महतो, रसीद रजा अंसारी, अभिजीत राज, मो. इम्तियाज अली, नकुल सिंह, किशोर कुमार, पिंटू तुरी आदि मौजूद थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

घर को स्वर्ग या नरक बनाना माता पर निर्भर है : स्वामी बालकानंद

गोविंदपुर (ससे) : आनंद पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरि महाराज ने कौआबांध स्थित राजविलास रिसोर्ट में देवी भागवत करते हुए बुधवार को कहा कि महिलाएं ममतामयी देवी होती है। इनका सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है।

जिस घर में माता का सम्मान होता है, वहां साक्षात लक्ष्मी का वास होता है। ऊंचे-ऊंचे महल बना लेना सुख समृद्धि का परिचायक नहीं है। यदि झोपड़ी में रहकर भी परिवार की माताएं और वृद्ध हंसते हैं तो समझा जाए की उस घर में लक्ष्मी है और उस घर की समृद्धि व तरक्की तय है। श्री गिरि महाराज ने माता को संदेश दिया कि सत्य का पालन करें। परिवार के सभी सदस्यों को एकजुट रखें। उन्होंने कहा कि आज घरों में महाराणा प्रताप और शिवाजी जैसे सुपुत्र पैदा नहीं होते क्योंकि ऐसी महान माताओं की कमी है। उन्होंने कहा कि माता को सहनशील होना जरूरी है। माताएं यदि सहनशील नहीं होगी तो घर में तरहतरह की बाधा उत्पन्न होगी।

माता पर तो पुरुष को कभी भी हाथ उठाना नहीं चाहिए। जिस घर में पुरुष माता पर हाथ उठाते हैं उस घर से लक्ष्मी भाग जाती है और वह पुरुष दरिद्र हो जाता है। इस अवसर पर कोलकाता से आए देवी भागवत मर्मज्ञ श्रीकांत शर्मा ने कहा कि घर को स्वर्ग या नरक बनाना माता पर निर्भर है। माताएं यदि संस्कारी हो तो भाव के बीच भी घर स्वर्ग जैसा रहेगा और यदि माताएं नहीं चाहे तो तमाम सुविधाओं के बाद घर की स्थिति नर्क जैसी रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें बच्चों को संस्कार युक्त शिक्षा देनी होगी। बालक और बालिका में शिक्षा देने में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए। आज के दौर में बालिकाओं को भी तकनीकी शिक्षा जरूरी है बालिकाएं शिक्षित होगी तो पूरा परिवार शिक्षित होगा। कथा आयोजक शंभूनाथ अग्रवाल, नंदलाल अग्रवाल, बलराम अग्रवाल व श्याम सुंदर केजरीवाल ने सभी का स्वागत किया।

समाजसेवी सप्पू महतो के नेतृत्व में 5 हैंडपंप का किया गया मरम्मत

धनबाद (कासं) : गर्मी के दिनों में मनईटांड़ बस्ती में पेयजल की समस्या प्रत्येक वर्ष उत्पन्न होती है। लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है।

सप्लाई वाटर भी प्रतिदिन समय अनुसार जल नहीं देता है। यहां तक की यहां जितने भी सरकारी हैंडपंप लगे हैं अधिकतर खराब है। इन सभी समस्याओं को देखते हुए और लोगों से अवगत होकर स्थानीय समाजसेवी सप्पू महतो के नेतृत्व में बुधवार को ५ हैंड पंप को सफलतापूर्वक बनवाया गया। हैंड पंप में जो भी सामान खराब था, उसे निजी रकम देकर लगाया गया। सप्पू महतो ने बताया कि मनईटांड़ में पानी की अत्यंत समस्या है।

इस समस्या को लेकर गत वर्ष सैकड़ों महिला, पुरुष, बच्चे व बुजुर्ग के साथ रणधीर वर्मा चौक पर धरना भी दिया गया था। पेयजल विभाग, नगर निगम, उपायुक्त आदि को ज्ञापन सौंपा गया था। लेकिन अभी तक किसी प्रकार का पहल नहीं किया गया है। पानी की समस्या को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों से निवेदन है कि जल्द इस समस्या को दूर किया जाए। ताकि स्थानीय निवासी को राहत मिल सकें। मौके पर राहुल कुशवाहा, रवि सोनी, सैंडी सोनी, दीपक प्रमाणिक, विकेश भगत, बिट्टू कुमार आदि मौजूद थे।

अमेठी को लेकर पार्टी का जो आदेश होगा, वह मानूंगा : गांधी

गाजियाबाद (ईएमएस) : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेठी संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने की अटकलों के बीच बुधवार को कहा कि यह फैसला पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में होगा और पार्टी का जो भी आदेश होगा, वह उसे मानेंगे। राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से एक बार फिर से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। उनके अमेठी से चुनाव लड़ने को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कांग्रेस ने फिलहाल अमेठी और रायबरेली से अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जब राहुल गांधी से अमेठी से चुनाव लड़ने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हमारी पार्टी में सीईसी की बैठक में ये फैसले होते हैं। मुझे जो भी आदेश मिलेगा, मैं वह करूंगा।' उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी २००४ से २०१९ तक अमेठी से लोकसभा सदस्य थे।

गायत्री महायज्ञ व संस्कार महोत्सव संपन्न

धनबाद (कासं) : बुधवार को चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ बस्ताकोला में ९ कुंडलीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव कार्यक्रम जिसमें नामकरण पुंसवन, यज्ञोपवित्, दीक्षा संस्कार, विद्यारंभ संस्कार कराया गया। आज ९ पाली में यज्ञ का समापन हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। सभी के लिए महा प्रसाद की व्यवस्था की गयी थी। सर्व प्रथम गायत्री मंत्र से यज्ञ की शुरूआत की गई तथा माँ गायत्री परम पूजनीय गुरुदेव परम वंदनीय माता जी का पूजन किया गया।

आरती में सामूहिक रूप से सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। लता जायसवाल ने कहा कि जो मनुष्य जिस प्रवृति का होता है वह उस प्रवृति से सम्बंध रखने वाले रंग को पसंद करता है। पवित्रात्मा व्यक्ति पीले रंग को पसंद करते है। शुद्ध हृदय वाला व्यक्ति स्वच्छ धवल रंग के वस्त्र पसंद करते हैं। उदार हृदय व्यक्ति नीले रंग के वस्त्र पसंद करते हैं। अंत में आरती के बाद यज्ञ का समापन हुआ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विभूति शरण सिंह, ए. के गौतम, विनोद पटेल, हरीश चंद्र मिश्रा, भूपेंद्र शर्मा मीडिया प्रभारी धनबाद जिला गायत्री परिवार उपस्थित थे।

चुनावी रण में उतरने को तैयार मौलाना तौकीर रजा

बरेली (ईएमएस) : मौलाना तौकीर रजा दूसरी बार लोकसभा चुनाव के रण में उतरने को तैयार हैं। उनकी ओर से इसके संकेत दिए जा रहे हैं। उनके करीबियों की मानें वे १९ अप्रैल को नामांकन दाखिल कर सकते हैं। बरेली दंगों के मुख्य आरोपी और इत्तेहादएमिल्लत काउंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना चुनावी मैदान में भाग्य आजमा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट से निचली अदालतों के आदेशों पर रोक से मिली राहत के बाद मौलाना सियासी राह पर आगे बढ़ना चाहते हैं। गुपचुप तरीके से नामांकन की तैयारी के लिए उनकी ओर से नगर निगम में प्रार्थना पत्र के साथ शपथ पत्र देकर नोड्यूज सर्टिफिकेट मांगा गया है। मौलाना तौकीर दूसरी बार चुनाव में उतरने की तैयारी में हैं। दरअसल, मौलाना और सियासत का नाता बेहद पुराना है। करीब दो दशक पहले बदायूं लोकसभा सीट से मौलाना सियासत में पटखनी खा चुके हैं। उनके पिता रेहान रजा खां ने मुस्लिम समुदाय के मामलों को उठाने के लिए आईएमसी का गठन किया था। वर्ष २००० में आईएमसी की कमान मौलाना को मिली। इसके बाद उन्होंने सपा को समर्थन दिया। वर्ष २००९ के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को आईएमसी का समर्थन मिला था और बरेली से प्रवीण सिंह ऐरन सांसद बने थे। वहीं पिछले विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस को आईएमसी ने दोबारा समर्थन दिया था।

पुरुषोत्तम रूपाला अगर राजकोट सीट से हटते हैं तो इस पाटीदार को फिर मिल सकता है मौका

अहमदाबाद (ईएमएस) : क्षत्रिय समाज को लेकर दिया गया बयान राजकोट लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला के लिए गले की फांस बन गया है। तीन दफा माफी मांगने के बावजूद क्षत्रिय समाज रूपाला का राजकोट सीट से टिकट रद्द करने की मांग पर अडिग है। ऐसे में अगर रूपाला उम्मीदवारी वापस लेते हैं तो भाजपा किस पाटीदार को तीसरी बार मौका देगी? हांलाकि फिलहाल तो भाजपा भी इस मसले के सुखद समाधान के लिए क्षत्रिय समाज के नेताओं से बैठक कर रही है। लेकिन अब तक हुई बैठक बेनतीजा रही है।

सुरेन्द्रनगर, जूनागढ़ और राकोट में क्षत्रियों के शक्ति प्रदर्शन ने भाजपा की नींद उड़ा रखी है। इतना ही नहीं क्षत्रिय समाज ने १९ अप्रैल तक का अल्टीमेटम दिया है। जिसके मुताबिक अगर पुरुषोत्तम रूपाला राजकोट सीट से उम्मीदवारी वापस नहीं लेते तो २० अप्रैल से आंदोलन पार्ट२ शुरू होगा। पुरुषोत्तम रूपाला के खिलाफ यूं ही विरोध बढ़ता रहा तो संभवतः भाजपा उन्हें राजकोट सीट से हटा सकती है। अगर ऐसा होता है तो पाटीदार नेता मोहन कुंडारिया को लॉटरी लग सकती है। राजकोट निर्वाचन क्षेत्र के मौजूदा सांसद मोहन कुंडारिया ने जब नोड्यू सर्टिफिकेट प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू की चर्चा शुरू हो गई कि भाजपा राजकोट में उम्मीदवार बदल सकती है। लेकिन भाजपा ने इस प्रकार की चर्चा को सिरे से खारिज कर दिया।

अगर चर्चा सही साबित होती है इसका सबसे बड़ा फायदा मोहन कुंडारिया को हो सकता है। राज्यभर में क्षत्रियों के आक्रोश को शांत करने के लिए भाजपा रूपाला का टिकट काटकर कुंडारिया को राजकोट सीट से उम्मीदवार बना सकती है। बता दें कि क्षत्रिय समाज के कड़े विरोध के बीच पुरुषोत्तम रूपाला ने राजकोट के याज्ञिक रोड स्थित जागनाथ मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर रैली स्वरूप शहर के बहुमंजिला भवन चौक पहुंचे। जहां विशाल जनसभा को संबोधित करने के बाद अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

इस मौके पर गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल वजुभाई वाला, प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष भरत बोधरा और मोहन कुंडारिया समेत पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। खास यह है कि मोहन कुंडारिया ने डमी उम्मीदवार के तौर पर नामांकन पत्र भरा है। देखना होगा कि पुरुषोत्तम रूपाला राजकोट सीट से भाजपा उम्मीदवार रहते हैं या फिर उनकी जगह मोहन कुंडारिया।

आजादी के बाद पहली बार बरेली मंडल की किसी भी सीट पर नहीं लड़ रही कांग्रेस

बरेली (ईएमएस) : बरेली मंडल की लोकसभा सीटों के चुनाव में इस बार ईवीएम पर हाथ का चिह्न नहीं होगा। आजादी के बाद यह पहला मौका है जब कांग्रेस प्रत्यक्ष तौर पर इन सीटों पर चुनाव नहीं लड़ रही है।

गठबंधन की सियासत में पहली बार बरेली मंडल की पांच सीटों सहित लखीमपुर खीरी व धौरहरा लोकसभा पर ईवीएम में हाथ का सिंबल नहीं होगा। बरेली मंडल की पांचों और खीरी की दो लोकसभा सीटों पर गठबंधन के तहत सपा के उम्मीदवार मैदान में हैं।

इसके बाद यहां सपा के साथ कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी ताकत से जुटे हैं। बरेली मंडल की सभी लोकसभा सीट पर आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस का कब्जा रहा था। वर्ष २००९ में अंतिम बार बरेली और धौरहरा सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। इसके बाद कांग्रेस का यहां वजूद खत्म होता चला गया है।

बदायूं सीट पर कांग्रेस ने पांच बार चुनाव जीतकर सबसे ज्यादा समय तक कब्जा जमाने का रिकॉर्ड भी बनाया। आजादी के बाद हुए चुनाव में पार्टी लगातार दो बार जीती। यहां वर्ष १९८४ में अंतिम बार कांग्रेस जीती थी। इसके बाद में सांसद सलीम इकबाल शेरवानी ने अगला चुनाव समाजवादी पार्टी के सिंबल पर लड़ा था।

बरेली लोकसभा सीट पर आजादी के बाद कांग्रेस ने आठ बार जीत दर्ज की। यहां कांग्रेस के सतीश चंद्र पहले सांसद बने और दो कार्यकाल पूरे किए। वर्ष १९७१ में कांग्रेस ने यहां वापसी की, मगर इमजरेंसी के बाद बदले हालात में सीट जनता पाटी के खाते में चली गई। वर्ष १९८१ और १९८४ में कांग्रेस की बेगम आबिदा अहमद दिल्ली पहुंची थीं। यहां अंतिम बार वर्ष २००९ में कांग्रेस के प्रवीण सिंह ऐरन ने जीत दर्ज की थी।

आंवला लोकसभा सीट पर कांग्रेस तीन बार जीत दर्ज करने में सफल रही। यहां पहली बार वर्ष १९६७ में सावित्री देवी जीती थीं और अगला चुनाव भी उन्होंने ही जीता था। वर्ष १९८४ में अंतिम बार यहां कल्याण सिंह सोलंकी ने कांग्रेस को जीत दिलाई थी।

इसके बाद कांग्रेस इस सीट पर जीत दर्ज नहीं कर सकी। वहीं पीलीभीत सीट पर कांग्रेस महज चार बार चुनाव जीतने में सफल रही है। यहां पहला चुनाव कांग्रेस के मुकुंद लाल अग्रवाल ने जीता था। इसके बाद वर्ष १९७१, १९८०, १९८४ में भी पार्टी जीत हासिल करने में सफल रही। हालांकि वर्ष १९८९ में मेनका गांधी ने यह सीट कांग्रेस से छीन ली थी। तब से अब तक सपा को इस सीट पर जीत नसीब नहीं हो सकी। पीलीभीत से भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद के पिता जितेंद्र प्रसाद यहां से चार बार सांसद रहे और जितिन प्रसाद भी वर्ष २००४ में यहां से जीते थे। यहीं इस सीट पर कांग्रेस की अंतिम जीत थी।

लखीमपुर खीरी लोकसभा सीट पर सात बार कांग्रेस को सफलता मिली। पार्टी ने दो बार हैट्रिक लगाई है। वर्ष १९६२ में देश में हुए दूसरे आम चुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की और इसके बाद हैट्रिक लगाई। वर्ष १९८०, ८४ और ८९ में ऊषा वर्मा ने कांग्रेस की दूसरी बार हैट्रिक पूरी की। वर्ष २००९ में जफर अली नकवी के द्वारा कांग्रेस ने यहां अपनी अंतिम जीत दर्ज की थी।

अहमदाबादबडोदरा एक्सप्रेस वे पर सड़क हादसे में 10 की मौत

खेडा (ईएमएस) : नडियाद के निकट अहमदाबादबडोदरा एक्सप्रेस वे पर आज दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे में ८ लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दो लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। यह हादसा तेज रफ्तार कार के ट्रेलर के पीछे घुसने की वजह से हुआ।

जानकारी के मुताबिक वडोदरा से एक कार दोपहर के वक्त अहमदाबाद की ओर जा रही थी। अहमदाबादबडोदरा एक्सप्रेस वे पर सरपट भागी जा रही कार खेडा जिले के नडियाद के निकट आगे चल रहे ट्रेलर के पीछे तेज धमाके के साथ घुस गई। इस घटना में कार के चीथड़े उड़ गए और उसमें सवार १० लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

खबर पाते ही एम्ब्युलैंस १०८ की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। हांलाकि तब तक १० में से ८ लोगों की मौत हो चुकी थी। जबकि गंभीर रूप से घायल अन्य २ लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। इस हादसे में अहमदाबाद के योगेश नरेन्द्रभाई पंचाल, वडोदरा के जयश्री मनोजभाई मिस्त्री, नील मुकेशभाई भोजवाणी, वलसाड के अमित मनुभी सोलंकी, मुंबई के शाहबुद्दीन अब्दुल शकुर अंसारी, राजस्थान के सुरेन्द्रसिंह रावत समेत १० लोग शामिल हैं। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने जारी किया अपना वचन पत्र

रानीवाड़ा (ईएमएस) : जालौर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बेटे वैभव ने अपना वचन पत्र जारी कर दिया। वचन पत्र में रोजगार मेलों के द्वारा १० हजार से अधिक स्थानीय युवाओं को नौकरियां देने का वादा किया गया। उन्होंने युवाओं के लिए अगले पांच साल में १०० स्टार्टअप्स खुलवाने की भी बात कहीं। वैभव ने जालोर से जयपुर, दिल्ली, हैदराबाद, कोयम्बटूर, चैन्नई, बैंगलूरु के लिए नियमित यात्री रेलगाड़ियां चलवाने, सिरोहीजालोर मार्ग को फोरलेन करा नेशनल हाइवे घोषित कराने, आबूरोड हवाई पट्टी को एयरपोर्ट बनाकर वहां से नियमित उड़ानें शुरू कराने का जनता से वादा कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र की जनता को जवाई बांध के पानी से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा और माहीब्यास का पानी भी जालोरसिरोही तक लाने के प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह वचन पत्र जालोर, सांचौर और सिरोही जिलों की तरक्की का रास्ता खोलता है।

इस मैनिफेस्टो में जालोर के सभी आयु व वर्गों का ध्यान रखा गया है। मैनिफेस्टो के रोडमैप को आमजन से विचार-विमर्श कर इस तरह बनाया गया है कि यह लोकसभा क्षेत्र की जनता की सभी बुनियादी जरूरतों और तरक्की की संभावनाओं को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि मैनिफेस्टो का रोडमैप आने वाले पांच साल में तीनों जिलों की तस्वीर बदल देगा, तकदीर बदल देगा।

वैभव ने कहा कि जालोर

लोकसभा क्षेत्र पिछले २० वर्षों से तरक्की की बाट जोह रहा है। यहां लगातार भाजपा सांसद रहे, देवजी पटेल, तब लगातार १५ वर्षों तक यहां के सांसद रहे, लेकिन जालोर, सिरोही जिलों को छोड़ो, सांचौर क्षेत्र का भी विकास वे ढंग से नहीं करा पाए।

उन्होंने कहा कि आज भी हमारे मारवाड़ी भाईबंधु पेयजल, सिंचाई जल, बुनियादी विकास, रोजगार, पलायन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं। जालोर लोकसभा क्षेत्र में प्रवासी बंधुओं के लिए न ट्रेन कनेक्टिविटी है न ही एयर कनेक्टिविटी। आनेजाने के लिए जोधपुर या अहमदाबाद जाना पड़ता है।

ग्रेनाइट, पर्यटन, जीरा, सौंफ के उद्योग यहां की पहचान हैं, लेकिन इन उद्योगों के विकास के लिए भाजपा ने कुछ नहीं किया। युवाओं, महिलाओं के विषयों को भी भाजपा सांसदों ने दरकिनार किया है। कहने को डबल इंजन की सरकार है, लेकिन वह विकास के लिए नहीं केवल राजनीति करने के लिए है।

वैभव ने कहा कि यह वचन पत्र आमजन की समस्याओं, मांगों, जरूरतों और भावी संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए गहन विचारविमर्श के बाद तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि वे जालोर लोकसभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं और प्रतिदिन विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से संवाद कर रहे हैं।

जालोर, सांचौर और सिरोही तीनों ही जिलों के लोगों की आवश्यकताओं को लेकर जनता, जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों और कार्यकर्ताओं से संवाद कर तरक्की एक्सप्रेस का रोडमैप तैयार किया है। वैभव के मैनिफेस्टो लांचिंग में रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी, जालोर कांग्रेस जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल, हेम सिंह शेखावत सहित कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

150 पर ही सिमट जाएगी भाजपा : राहुल गांधी

गाजियाबाद (ईएमएस) : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को यहां लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण का चुनाव प्रचार थमने से पूर्व संयुक्त रुप से संवाददाताओं को सम्बोधित किया। इस दौरान इण्डिया गठबंधन के दोनों नेताओं ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जमकर व्यंग्य बाण चलाये। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि इस बार एनडीए की सरकार १५० सीटों पर सिमट कर रह जाएगी। वहीं, अखिलेश यादव ने कहा कि वो २०१४ में आए थे २०२४ में जाएंगे और इस बार विदाई भी बैंड बाजे के साथ होगी।

कौशांबी स्थित एक होटल में इंडिया गठबंधन की संयुक्त प्रेस वार्ता को सबसे पहले अखिलेश यादव ने सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि इस बार पश्चिम से बदलाव की हवा चली है। जनता भाजपा के झूठ और वादा खिलाफी से तंग आ चुकी है। उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड ने भाजपा की बैंड बजा दी है। उन्होंने कहाकि भाजपा की हर बात झूठी निकली। न किसान की आय दोगुनी हुई, न युवाओं को रोजगार मिला, विकास के वादे भी अधूरे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड ने इनकी पोल खोल दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है। लूट और झूठ भाजपा की पहचान बन गई है।

वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ आरएसएस और भाजपा संविधान को खत्म करने की कोशिश में है तो दूसरी ओर गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए चुनाव लड़ रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर सीधे हमला बोलते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कभी मुद्दों पर बात नहीं करते। मुद्दों पर बात करने की बजाय कभी तो वह आसमान में सी प्लेन पर चले जाते हैं तो कभी समुद्र की गहराईयों में चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम ने एक साक्षात्कार में इलेक्टोरल बॉन्ड को सही बताया और चुनाव में पारदर्शिता लाने के लिए इसे जरूरी बताया। यदि यह सच है तो इस सिस्टम को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द क्यों किया। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने भाजपा को चुनाव के नाम पर करोड़ों की रकम दी भाजपा उनका नाम क्यों नहीं उजागर कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार देश के २० से २५ लोगों पर ही मेहरबान है, इन लोगों के पास इतना धन है जितना कि देश के ७० करोड़ लोगों के पास है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, 'यह चुनाव विचारधारा का चुनाव है। एक तरफ आरएसएस और भाजपा संविधान और लोकतांत्रिक को खत्म करने की कोशिश कर रही है, और दूसरी तरफ इण्डिया गठबंधन

और कांग्रेस पार्टी संविधान और लोकतंत्र को बचाने की कोशिश कर रही है। चुनाव में २३ बड़े मुद्दे हैं। बेरोजगारी सबसे बड़ी है और महंगाई दूसरी सबसे बड़ी है, लेकिन भाजपा ध्यान भटकाने में लगी है। न तो प्रधानमंत्री और न ही भाजपा मुद्दों पर बात करती है।' राहुल गांधी ने कहा, 'कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने एएनआई को एक बहुत लंबा इंटरव्यू दिया। यह स्क्रिप्टेड था, लेकिन यह फ्लॉप शो था। प्रधानमंत्री ने इसमें चुनावी बांड को समझाने की कोशिश की। प्रधानमंत्री कहते हैं कि चुनावी बांड की व्यवस्था पारदर्शिता के लिए, राजनीति को साफ करने के लिए लाया गया। अगर ये सच है तो सुप्रीम कोर्ट ने उस व्यवस्था को क्यों रद्द कर दिया और दूसरी बात अगर आप पारदर्शिता लाना चाहते थे तो आपने भाजपा को पैसा देने वालों के नाम क्यों छुपाए। आपने उन तारीखों को क्यों छुपाया जिस दिन उन्होंने आपको पैसे दिए थे? यह दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना है। भारत के सभी कारोबारी इस बात को समझते और जानते हैं और प्रधानमंत्री चाहे कितनी भी सफाई दे दें, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि पूरा देश जानता है कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं।'

राहुल गांधी ने कहा, 'पिछले १० वर्षों में पीएम मोदी ने नोटबंदी करके, गलत ळैज् लागू करके और अडानी जैसे बड़े अरबपतियों का समर्थन करके रोजगार सृजन की व्यवस्था को कम कर दिया है। पहला काम है रोजगार को एक बार फिर से मजबूत करना, इसके लिए हमने अपने घोषणापत्र में २३ विचार दिए हैं, एक विचार है क्रांतिकारी विचारअप्रेंटिसशिप का अधिकार। हमने तय किया है कि हम उत्तर प्रदेश के सभी स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को अप्रेंटिसशिप का अधिकार देंगे। ट्रेनिंग होगी और हम युवाओं के बैंक खाते में प्रति वर्ष १ लाख रुपये जमा करेंगे और हम करोड़ों युवाओं को ये अधिकार दे रहे हैं। हम पेपर लीक के लिए भी कानून बनाएंगे।'

प्रधानमंत्री के 'दो लड़कों की फ्लॉप फिल्म' तंज को लेकर पूछे गए सवाल पर राहुल गांधी ने कहा, 'मैं सीटों की भविष्यवाणी नहीं करता। १५-२० दिन पहले मैं सोच रहा था कि भाजपा पर लगभग १८० सीटें जीतेगी, लेकिन अब मुझे लगता है कि उन्हें १५० सीटें मिलेंगी। हर राज्य में हमें रिपोर्ट मिल रही है कि हम मजबूत हैं हमारा बेहतर प्रदर्शन होगा। उत्तर प्रदेश में हमारा बहुत मजबूत गठबंधन है और हम बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे।' कांगोस नेता राहुल गांधी ने कहा कि गठबंधन तीन प्रमुख मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है। इसमें पहला बेरोजगारी दूसरा महंगाई और तीसरा भागीदारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हर बार परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है जिससे लाखों युवा आहत होते हैं। गठबंधन की सरकार आएगी तो वह युवाओं को रोजगार देगी, प्रत्येक परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख रुपये देगी और जातीय जनगणना कराकर पिछड़े लोगों को आगे जाने का काम करेगी।

हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया गया रामनवमी

डुमरी (ससे): प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बुधवार को रामनवमी का त्योहार शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया गया। त्योहार के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रही।

विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस प्रशासन के द्वारा ड्रोन कैमरे से निगरानी करते रहे जबकि रामनवमी के पूर्व संध्या पर डुमरी एवं निमियांघाट थाना पुलिस द्वारा ड्रोन कैमरे से विभिन्न घरों के छत्तों पर मौजूद सामग्री का निगरानी किया साथ ही जिन लोगों के घरो ईंट,पत्थर,लाठी, हरवे हथियार या अन्य कोई वस्तु दिखाई दिया उसके गृहस्वामी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा।इसे वर्तमान में अनुमंडल स्तर पर कार्यरत पुलिस प्रशासन के बीच सामंजस्य की प्रगाढ़ता का असर कहिये या फिर आचार

संहिता का असर कि पूरी टीम रामनवमी को शांति व सौहार्द के साथ संपन्न कराने में जूटी रही।इधर रामनवमी को लेकर सनातनियों में काफी उत्साह था वहीं अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनने से सभी सनातनियों खासकर युवाओं का जोश काफी हाई था,प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में अखाड़ा समिति के लोग एवं अन्य हिन्दू धर्मावलंबी हाथों में श्रीराम एवं हनुमान की झंडा लिये रामनवमी जुलूस में शामिल हुए जबकि जामतारा, इसरीबाजार व क्षेत्रों में आकर्षक झांकी निकाली गई जो क्षेत्र भ्रमण कर पुनः अपने कार्यक्रम स्थान पहुंचा।

अनुमंडल प्रशासन द्वारा प्रखंड में संचालित सभी सरकारी एवं गैर सरकारी अस्पतालों के चिकित्सओ एवं स्वास्थ्य कर्मियों को अलग अलग क्षेत्रों में ड्यूटी पर लगाया गया थ।अखाड़ा जुलूस में लोगों द्वारा अपने कला का प्रदर्शन किया।रामभक्तों द्वारा लगाये जा रहे जय श्रीराम एवं जय हनुमान के उद्घोष से पूरा क्षेत्र राममय हो गया था।रामनवमी को लेकर सार्वजनिक स्थानों, चौक चौराहों, संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गयी थी। इधर जामताड़ा क्षेत्र में निकले जुलूस में भाजपा नेता प्रशांत जायसवाल मुखिया खेमलाल महतो पंसस अखिलेश राणा,शंकर ठाकुर भाजपा नेता संजय जायसवाल जगरनाथ ठाकुर आदि पूरी तरह से सक्रिय रहे।

जबकि जगह जगह शीतल पेयजल और शरबत की व्यवस्था की गयी थी इधर लक्ष्मणटुंडा में रामनवमी शोभा यात्रा में आए हुए राम भक्तों को गुड का शरबत पिलाते हिन्द मजदूर किसान युनियन के अनुमंडल अध्यक्ष गंगाधर महतो, रवीन्द्र कुमार महतो, काशी महतो, डेगन महतो, संजय महतो, हेमन्त महतो, टुकन महतो, कृष्णा कुमार, पंकज कुमार, विवेक महतो आदि लोग उपस्थित थे।

एक नए सफर की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट से अप्रैल २०२४ में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृति से जुड़ी औपचारिकताओं तथा सेवानिवृति के उपरान्त जीवन में आने वाले संभावित परिवर्तनों के समुचित प्रबन्धन की जानकारी देने के उद्देश्य से दिनाँक १७ अप्रैल को मानव संसाधन विकास केंद्र के मुख्य प्रेक्षागृह में एक नए सफ़र की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम के आरम्भ में वरीय प्रबंधक (कार्मिक-फाइनल सेटलमेंट) अंकिता देव ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा नए मेडिक्लेम योजना की जानकारी के साथ कार्यक्रम के प्रयोजन से सभी को अवगत कराया. डॉ जया लक्ष्मी, मेडिकल ऑफिसर (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) और योग विशेषज्ञ डॉ विनय योग ने इस्पात कर्मियों को स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में बताया.

उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) समीर कुमार रॉय ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी.

एच डी एफ सी बैंक से श्री रोहन सिंह तथा श्री रबिश शर्मा ने उपस्थित समूह को धन निवेश पर सुझाव तथा बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी. सुश्री संगीता कुमारी, ए.सी.टी. (कार्मिक-फाइनल सेटलमेंट) ने अंतिम निपटारा गतिविधियों के बारे में बताया. कार्यक्रम का समापन वरीय प्रबंधक (कार्मिक-फाइनल सेटलमेंट) अंकिता देव के धन्यवाद ज्ञापन से संपन्न हुआ.

बिना इजाजत निकाला धार्मिक जुलूस पुलिस ने रोका तो हुआ हमला

हजारीबाग (ईएमएस): झारखंड के महुदी में रामनवमी से पहले निकाले गए धार्मिक जुलूस को प्रशासन ने रोक दिया जिससे जनाक्रोश भड़क गया। आक्रोशित लोगों ने पुआल की कुछ मकानों में आग लगा दी और पुलिस-प्रशासन की आधा दर्जन गाड़ियों में तोड़फोड़ की। आक्रोशित भीड़ पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

हजारीबाग की डीसी नैंसी सहाय ने कहा कि जुलूस को रोके जाने पर विवाद उत्पन्न हुआ था। हालात अब नियंत्रण में हैं। महुदी गांव में रामनवमी जुलूस के मार्ग को लेकर वर्ष १९८९ से विवाद चला आ रहा है। ग्रामीण जिस मार्ग से जुलूस निकालना चाहते हैं, उस पर प्रशासन की ओर से मंजूरी नहीं दी गई थी।

मंगलवार को रामनवमी के एक दिन पहले ग्रामीणों ने प्रशासन की इजाजत के बगैर जुलूस निकाला। इसकी सूचना मिलते ही प्रशासन अलर्ट हो गया और जुलूस को उस मार्ग से ले जाने पर रोक लगा दी। इसके बाद जुलूस निकाल रहे भड़क गए और उन्होंने कई मकानों में आग लगा दी और पुलिस प्रशासन की गाड़ियों में तोड़फोट करनी शुरु कर दी। पुलिस ने समझाने की कोशिश की जब भीड़ नहीं मानी तो भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इसके बाद इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बन गई है। डीसी सहाय और एसपी अरविंद कुमार सिंह सहित पुलिस-प्रशासन के आला अफसर मौके पर मौजूद हैं। आग पर काबू पाने के लिए दमकल के दस्ते को बुलाया गया है।

रामनवमी भक्तिमय वातावरण में संपन्न

लोहरदगा (ससे): लोहरदगा जिला मे रामनवमी पूरे भक्ति और उल्लास के बाद मनाया गया । सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई । लोग पूजा अर्चना मे लीन रहे । इलाका भगवा ध्वज से पटा रहा । दोपहर के समय भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें कई झांकियां प्रदर्शित की गई थी । राज्यसभा सांसद सह भाजपा प्रत्याशी समीर उरांव सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे । मौके पर सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए थे।

शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

गोड्डा (ससे): गोड्डा जिले में एक बार फिर नकली शराब की बड़ी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है । बोआरीजोर प्रखंड के राजाभीट्ठा के चंपानगर जंगल में चोरी छुपे यह कारोबार चल रहा था । नकली शराब के इस कारोबार की गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस एवं गोड्डा के उत्पाद विभाग एवं पुलिस ने जबरदस्त छापेमारी कर ७०० लीटर स्पिरिट बरामद किया जो २५ डब्बे में रखा हुआ था । बड़ी मात्रा में शराब भी बरामद की गई. नकली शराब बनाने के कई सामान, खाली शीशी, नकली स्टीकर, भारी मात्रा में ढक्कन आदि भी ज़ब्त किए गए लेकिन पुलिस एवं उत्पाद विभाग की टीम पहुंचने से पहले ही सारे कारोबारी वहां से भाग गए थे । उत्पाद विभाग के निरीक्षक नीलेश सिंहा ने बताया कि नकली शराब को चुनाव आदि में खपाए जाने की योजना थी ।

नकली शराब के साथ पिता -पुत्र गिरफ्तार

चतरा (ससे): चतरा जिला उत्पाद विभाग की टीम ने बुधवार को चतरा के राजपुर थाना क्षेत्र के कोयरी टोला और राजपुर बाजार में छापेमारी अभियान चलाकर ३ लाख रुपए के नकली शराब के साथ पिता पुत्र को गिरफ्तार किया है। उत्पाद विभाग की टीम ने मौके से नकली शराब निर्माण और पैकेजिंग से जुड़ी चीजें भी बरामद किया है।

जिला उत्पाद अधीक्षक शिव कुमार साहू ने छापेमारी के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव और रामनवमी पर्व को लेकर जिले में शराब के सेवन और बिक्री को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी रमेश घोलप ने स्पष्ट निर्देश जारी कर रखा है। आदर्श आचार संहिता भी जिले में लागू है। बावजूद इसके खरीद बिक्री और अवैध शराब की खेप को बिहार पहुंचाने की तैयारी की खबर मिलते ही उत्पाद विभाग की टीम के द्वारा छापेमारी कर विभिन्न ब्रांडों की नकली शराब ,स्टीकर और अन्य सामग्री बरामद किया है।

कुश्ती दंगल आयोजित

हजारीबाग (ससे): हजारीबाग में रामनवमी संरक्षण समिति ने बड़ा अखाड़ा परिसर में कुश्ती का दंगल आयोजित किया । इस दंगल में नेपाल, हनुमानगढ़ी, हरियाणा और पंजाब के पहलवानों ने कुश्ती के दाव पेंच का प्रदर्शन किया । युवाओं को हजारीबाग में समाप्त हो चुके कुश्ती अखाड़ा की झलक देखने को मिली । आयोजक का कहना है कि समाज में नशा मुक्ति के लिए एक छोटा सा प्रयास किया जा रहा है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

बोकारो (ससे): जनसेवक क्रान्तिकारी संघ के द्वारा बोकारो जेनरल अस्पताल में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें २५ यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इसका उद्देश्य थैलेसिमीया के मरीज को रक्त मुहैया कराना, तथा रक्त के कमी से लोगों की जान न जाए इसलिए लोगों के बीच जागरूकता फैलाना है. आज के रक्तदान शिविर में बीजीएच के प्रभारी डॉ बी बी करुणामय ने कहा कि एक यूनिट रक्त से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है.

रक्तदान शिविर में बीजीएच के एडिशनल मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ श्रवण कुमार ने बताया कि रक्त दान करने से दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है और कहा कि १८ साल से ६० साल तक का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति स्वेच्छा से साल में तीन बार रक्तदान कर सकते हैं । रक्तदान करने से शरीर के किसी अंग में कमजोरी नहीं आती है। रक्तदान शिविर में बोकारो जेनरल अस्पताल के ब्लड बैंक के एडिशनल मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुरेन्द्र कुमार, काउन्सलर कविता कुमार (झारखण्ड सरकार) एवं रक्त केन्द्र के सहकर्मी सिस्टर रंजीता एक्का, राजेश, कौशल, लैब टेक्निसियन पिंकी, विभूतिका उपस्थित रहे।

हनुमान जी की दर्शन के लिए उमड़ा जन सैलाब

गुमला (ससे): भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी का झारखंड की पावन भूमि से खास नाता है । मान्यता है की हनुमान जी का जन्म गुमला के आंजनधाम में हुआ था । यहाँ पर वैसे तो सालभर भक्तों का तांता लगा रहता है लेकिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव रामनवमी पर यहाँ पूजन और दर्शन के लिए जन सैलाब उमड़ता है । अयोध्या धाम में नवनिर्मित भव्य और दिव्य राम मंदिर में रामलला के विराजमान होने से इस बार की रामनवमी बेहद खास रही । उनके परम भक्त हनुमान जी की जन्मस्थली गुमला जिले के आंजनधाम में भी बुधवार को इस पावन बेला पर विशेष पूजा अर्चना हुई और लोगों ने देश और राज्य के विकास की मंगलकामना की ।

दीपिका पांडेय का जोरदार स्वागत

देवघर / गोड्डा (ससे): गोड्डा से काँग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने पर दीपिका पांडेय सिंह पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के केन्द्रीय नेतृत्व का आभार जताया ।

उन्होने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा मुझ पर विश्वास जताने के लिए और गोड्डा की जनता की सेवा एवं विकास हेतु लोकसभा चुनाव में मुझे प्रत्याशी बनाने के लिए मैं आप सबका का ह्रदय से आभार व्यक्त करती हूँ । इधर आज देवघर पहुँचने पर उनका कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया ।

नियंत्रण कक्ष की स्थापना

जमशेदपुर (ससे): पूर्वी सिंहभूम में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिला शिकायत अनुवीक्षण नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है जो २४७ कार्यरत है। ज़िले के उपायुक्त ने बताया कि दूरभाष पर निर्वाचन से सम्बन्धित कोई भी शिकायत , सुझाव और आदर्श आचार संहिता उल्लंघन से सम्बन्धित सूचना दी जा सकती है। उन्होने इसके लिए दूरभाष संख्या - ०६५७-२४४०१११, ०६५७-२२२१७१७, ०६५७-२२२१७१८ साझा किया।

गणेश गंझू आजसू पार्टी का चतरा लोस प्रभारी मनोनीत

चतरा (ससे): चतरा अंतर्गत सिमरिया के पूर्व विधायक गणेश गंझू को आजसू पार्टी का केंद्रीय सचिव सह चतरा लोकसभा प्रभारी मनोनीत किया गया है। इस बाबत पार्टी के मुख्य प्रवक्ता देवशरण भगत ने पत्र जारी कर उन्हें बधाई दी है तथा आशा व्यक्त की है कि उनके नेतृत्व में पार्टी को एक नई दिशा और उंचाई प्राप्त होगी। वहीं सिमरिया से पूर्व विधायक रह चुके गणेश गंजू ने केंद्रीय सचिव बनाए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मनोनयन केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो के निर्देश पर किया गया है तथा उन्हें तत्काल प्रभाव से पद की जिम्मेवारी सौंपी गई है।

महावीर स्थान मंदिर में भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

हजारीबाग (ससे): रामनवमी को लेकर समूचा हजारीबाग जिला प्रभु श्री राम की भक्ति में बुधवार को लीन रहा । हजारीबाग के प्रसिद्ध महावीर स्थान मंदिर में भक्तों का जनसैलाब देखने को मिला । भक्त पूजा अर्चना करने के लिए परिवार के साथ पहुंचे । यह सिलसिला हजारीबाग में तीन दिनों तक चलेगा । हजारीबाग अयोध्या नगरी में तब्दील हो गया है । रामनवमी महासमिति और श्री राम भक्तों ने शहर को केसरिया रंग से पाट दिया है । घरों से लेकर मंदिरों में केसरिया ध्वज लहरा रहा है । सभी दुर्गा मंदिर और महावीर मंदिर में भक्तों की भीड़ दर्शन और पूजन के लिए उमड़ने लगी है । सभी मंदिर जगमग हो उठे हैं । वहीं भक्त श्री राम की भक्ति में डूब गए हैं । जिले का कोना कोना राममय हो उठा है । गली गली में प्रभु जय श्री राम के जयकारे लग रहे हैं । युवा से लेकर बच्चे भगवा वस्त्र पहन एक हाथ में महावीर ध्वज और दूसरे हाथ में अस्त्र-शस्त्र लेकर श्री राम का जयकारा लगाते नजर आ रहे हैं ।

बेटों के साथ बेटियों ने भी दिखाया दमखम

हजारीबाग (ससे): हजारीबाग में महिला सशक्तिकरण का अद्भुत नजारा रामनवमी के दौरान देखने को मिला जहां महिलाएं हाथ में तलवार और लाठी के साथ करतब दिखाया । परंपरा के अनुसार आर्य समाज द्वारा संचालित आर्ष कन्या गुरुकुल की ओर से नवमी का शौर्य शोभायात्रा निकाला गया ।

जय श्री राम के नारों से गूंजा इलाका

गिरिडीह (ससे): मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव पर रामनवमी बुधवार को पूरे जिले में आस्था के साथ मनाया जा गया. पर्व को लेकर कई जगहों पर भगवा ध्वजा लहराया गया तो शोभायात्रा भी निकाली गयी. वहीं भक्ति गीत से पूरा इलाका गुंजायमान रहा. मान्यताओं के अनुसार असुरों के राजा रावण को संहार करने के लिए भगवान विष्णु ने त्रेता युग में भगवान राम के रूप में सांतवा अवतार लिया था.

चैत्र मास की नवमीं को अयोध्या के राजा दशरथ की पहली पत्नी कौशल्या ने भगवान राम को जन्म दिया था. मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जन्म दिवस को रामनवमी के रूप में मनाने की परंपरा है. रामनवमी के अवसर पर शहर के कई अखाड़ा कमिटयों की आरे से भव्य शोभायात्रा निकाली गयी. जय श्रीराम के जयघोष के साथ जुलूस में शामिल लोग बैंडबाजे के धुनों पर थिरकते रहे. वहीं पूरा इलाका मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की भक्ति में लीन रहा. वहीं श्रद्धालुओं ने अपने घरों की छत और आंगन में विधिवत पूजा-अर्चना कर महावीरी पताके फहराए. शहरी क्षेत्र के बड़ा चौक स्थित हनुमान मंदिर, मोहलीचुंआ, हुट्टी बाजार, हनुमानगढ़, अरगाघाट, सिहोडीह, पपरवाटांड़, बनियाडीह हनुमान मंदिर, शास्त्री नगर, न्यू बरगंडा, बरगंडा, बरमसिया, पचंबा, अलकापुरी के अलावे बसहा बाबा समाधि स्थल समेत अन्य मंदिरों में महावीरी पताका फहराए गए व पूजा-अर्चना की गई. वहीं शहर के बड़ा चौक में विभिन्न अखाड़ा कमिटियों की ओर एक से बढ कर एक हैरतअंगेज करतब दिखाये गये.

इधर रामनवमी को लेकर शहर के बड़ा चौक में विश्व हिंदु परिसद, बजरंग दल, मारवाड़ी युवा मंच, केंद्रीय माहुरी नवयुवक समिति, अंतरराष्ट्रीय विश्व हिन्दू परिसद, वहीं कालीबाड़ी चौक पर धर्म रक्षा वाहिनी तो जेपी चौक में केंद्रीय महावीर समिति, ब्रह्मर्षि समाज, बजरंग कृपा सेवा के अलावे विभिन्न संगठनों की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंच बनाये गये थे. जहां शुद्ध पानी, शरबत के अलावे मेडिकल कीट की व्यवस्था की गयी थी.बुधवार की सुबह को बड़ा चौक में पहुंचने वाली अखाड़ा व झांकी को लेकर प्रशासनिक महकमा भी पूरी तरह से मुस्तैद था.

बड़ा चौक में बनाये गये प्रशासन के मंच में एएसपी अभियान कौशर अली, एसडीपीओ विनोद रवानी, डीएसपी अंकिता रॉय, नगर थाना प्रभारी शैलेश प्रसाद के अलावे तमाम अधिकारी मौजूद थे. वहीं सुरक्षा के दृष्टिकोण से पूरे इलाके में बैरिकेटिंग कराई गयी थी और चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल के जवानों को तैनात किया गया था. वहीं ड्रॉन कैमरे से पूरे इलाके की नजर रखी जा रही थी.

पृष्ठ एक का शेषांश

मिशन 2024 का घमासान---

डेढ़ घंटे पहले सुबह ५:३० बजे मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया अभ्यर्थी या उसके अधिकृत एजेन्ट की उपस्थिति में होगी। यदि कोई अभ्यर्थी या उसका एजेन्ट ५:३० बजे मतदान केन्द्र पर उपस्थित नहीं होता है, तो १५ मिनट तक उसका इंतजार किया जाएगा। इसके बाद मतदान दलों और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी। न्यूनतम ५० वोट से मॉकपोल किये जाने का प्रावधान है, जिसमें नोटा भी शामिल होगा। मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ करने से पूर्व बैलेट यूनिट एवं वीवीपीएटी को वीवीपीएटी कम्पार्टमेंट में रखा जाएगा। कंट्रोल यूनिट को पीठासीन अधिकारी की टेबल या मतदान अधिकारी के टेबल पर रखना होगा।

भारत ने आतंकियों को---

भारत पर कोई प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया है। मिलर ने कहा, मैं कभी भी किसी भी प्रतिबंध की कार्रवाई का पूर्वावलोकन नहीं करने जा रहा हूं। इसका अर्थ यह नहीं है कि कोई भी कार्रवाई होने वाली है।बता दें कि इस महीने की शुरुआत में राजनाथ सिंह ने सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत के दृष्टिकोण पर एक कड़ा बयान जारी करते हुए कहा था कि अगर आतंकवादी भारत में शांति भंग करने या आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश करते हैं तो करारा जवाब दिया जाएगा। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि अगर ये आतंकवादी पाकिस्तान भाग गए तो भारत उन्हें पड़ोसी देश में घुसकर मारेगा। उत्तराखंड में एक चुनावी रैली में राजनाथ सिंह के शब्दों को दोहराते हुए पीएम मोदी ने कहा, जब भी देश में हमारी कमजोर सरकार रही है, हमारे दुश्मनों ने फायदा उठाया है।

असम को पंजे में---

शिलान्यास किया है। इससे १५ हजार से ज्यादा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर मिलेगा। ये ऐतिहासिक शुरुआत है। कांग्रेस को दिया आपका वोट केंद्र में सरकार नहीं बनाएगा। भाजपा को दिया आपका वोट विकसित भारत बनाएगा। ४ जून को नतीजा क्या होने जा रहा है, ये साफ दिखाई दे रहा है।

प्रियंका गांधी ने---

लेकिन भगवान राम ने नौ व्रत रखकर सारी शक्ति अपने पास ले ली थी। इसके बाद रावण से युद्ध किया और सत्य की जीत हुई। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने छोटे व्यापारी, गरीब, मजदूर के लिए कुछ नहीं किया और अडानी अंबानी का १६ लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया। भाजपा सरकार ने हमेशा अमीरों की जेबें भरी हैं। गरीब को कुछ नहीं मिला इलेक्ट्रोल बॉन्ड स्कीम भी भाजपा लेकर आई थी और वह इस सूची के नाम गोपनीय रखना चाहती थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने नाम उजागर करने के आदेश दिए तो भाजपा की पोल खुल गई। जो कंपनी १८० करोड रुपए का मुनाफा कमा रही है, वह कंपनी ११०० करोड रुपए का चंदा भाजपा को दे रही है। आखिर यह पैसा कहां से आ रहा है? मोदी ने काला धन लाने के लिए कहा था। क्या आया? जीएसटी आई, जिसने व्यापारियों की कमर तोड़ दी।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि सहारनपुर के लोगों का लकड़ी का कारोबार ठप हो गया। एक समय था जब यहां से बड़ी संख्या में लकड़ी के बने उत्पाद एक्सपोर्ट हुआ करते थे। मोदी सरकार में वह भी बंद हो गए। मेरी जनता से अपील है कि वह सपा कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी भाई इमरान को भारी मतों से जिताएं। आने वाले १९ अप्रैल को अधिक से अधिक मतदान करें। कांग्रेस के जिला प्रवक्ता गणेश दत्त शर्मा ने बताया कि प्रियंका गांधी सरसावा एयरफोर्स स्टेशन पर पहुंची। इसके बाद सहारनपुर में गोली कोठी से रोड शो शुरू किया। रोड शो रायवाला, जेबीएस इंटर कॉलेज, कम्बोह का पुल, रांघडो का पुल और कुतबशेर होते हुए अधिकतर क्षेत्र मुस्लिम आबादी से गुजरा और लकड़ी बाजार, कम्बौह का पुल, रांघड़ो का पुल, कुतुबशेर होते हुए गुरू सिंघ सभा गुरुद्वारा, गुरुद्वारा रोड पर संपन्न हुआ।

यूनाइटेड नेशन्स की---

हिस्सा ८ प्रतिशत है। वहीं २००६-२०२३ के बीच हुए कुल विवाहों में २३ प्रतिशत बाल विवाह है। जिनमें लडक़े और लडक़ी की उम्र २१ और १८ साल से कम थी। रिपोर्ट में वैश्विक रूप से महिलाओं की यौन स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए कहा गया है कि लाखों महिलाएं और लड़कियां अभी प्रमुख स्वास्थ्य उपायों से वंचित हैं। २०१६ के बाद से हर दिन ८०० महिलाओं की बच्चे को जन्म देते समय मौत हो जाती हैं। आज भी एक चौथाई महिलाएं अपने पार्टनर के साथ यौन संबंध बनाने से इनकार नहीं कर सकती हैं। संबंध बनाने वाली १० में से १ महिला आज भी गर्भनिरोधक उपायों के बारे में खुद निर्णय नहीं ले सकती। रिपोर्ट में कहा गया है कि डेटा वाले ४० प्रतिशत देशों में महिलाएं शारीरिक संबंधों का फैसले लेने में पुरुषों से पीछे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिव्यांग महिलाओं से यौन हिंसा का खतरा दिव्यांग पुरूषों की अपेक्षा १० गुना अधिक है। दिव्यांग, प्रवासी-शरणार्थी, अल्पसंख्यक, एचआईवी पीड़ित और वंचित-दलित वर्गों की महिलाओं को अब भी यौन और प्रजनन स्वास्थ्य में जोखिम का सामना करना पड़ा रहा है। स्वास्थ्य देखभाल पहुंच में सुधार का लाभ मुख्य रूप से धनी महिलाओं और उन जातीय समूहों से संबंधित लोगों को हुआ है जिनके पास पहले से ही स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच थी।

चुनाव आयोग को मिली---

कर दिया गया। इसी प्रकार कांग्रेस की ओर से ५९ शिकायतें मिली थी। आयोग ने इनमें ५१ को निपटारा कर दिया है। इसके अलावा ९० शिकायतें अन्य राजनीतिक दलों की आईं, जिनमें से ८० पर कार्रवाई की गई है।

आज जारी होगी अधिसूचना , प्रशासन तैयार

सरायकेला-खरसावां (ससे): सरायकेला-खरसावां जिला के सिंहभूम संसदीय सीट अंतर्गत सरायकेला व खूंटी संसदीय सीट अंतर्गत खरसावां में १३ मई को चुनाव होगा ।इसके लिए नाम निर्देशन पत्र भरने की प्रक्रिया आज अर्थात १८ अप्रैल से शुरू होगी, जो २५ अप्रैल तक चलेगा।

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते हुए डीसी रविशंकर शुक्ला ने कहा कि नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी २६ अप्रैल को होगी जबकि नाम वापसी २९ अप्रैल को है। उसी प्रकार रांची संसदीय सीट जिसमें ईचागढ़ विस आता है वहां पर २९ अप्रैल से नामांकन भरने की प्रक्रिया शुरू होगी जो छह मई तक जारी रहेगी। सात मई को

स्क्रूटनी होगी जबकि नौ मई को नाम वापसी की तिथि निर्धारित है । मतदान २५ मई को होगा ।डीसी ने बताया कि सरायकेला खरसावां जिला में ८७६५९९ मतदाता हैं जिसमें महिला मतदाताओं की संख्या ४३७६७४ व पुरूष मतदाता ४३८९१२ मतदाता है। वहीं पहली बार ३३५८० मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।डीसी ने बताया कि तीनों विधानसभा सीट में कुल १०५३ मतदान केंद्र बनाये गये हैं. जिसमें सरायकेला विधानसभा में ४३१, ईचागढ़ विस में ३४० व खरसावां विधानसभा में २८२ बूथ बनाये गये हैं।डीसी ने बताया कि जिला के तीनों विधानसभा क्षेत्र में ५० मतदान केंद्र को विमेंस मैनेज्ड पोलिंग स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा जिसमें सरायकेला विस में सबसे अधिक ४७, ईचागढ़ में दो व खरसावां में एक मतदान केंद्र हैं। वहीं दिव्यांग जनों द्वारा एक मतदान केंद्र संचालित होगा जो सरायकेला विधानसभा में बनाया जाएगा।

जिला में तीन यूथ मैनेज्ड पोलिंग स्टेशन का निर्माण किया जाएगा जिसमें मतदान कर्मी युवा रहेंगे वहीं खरसावां विस के कुचाई प्रखंड अंतर्गत जोमरो बूथ को युनिक पोलिंग स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा।

डीसी ने बताया कि जिला में चार चेकपोस्ट बनाये गये हैं जिसमें चौबीस घंटा सर्विलांस टीम तैनात रहेगी। प्रत्येक चेकपोस्ट में तीन तीन टीम प्रतिनियुक्त किये गये हैं इसके अलावे जिला में एफएसटी के ३३, एसएसटी के ३६,वीवीटी के तीन, वीएसटी के नौ व एटी के तीन टीम बनाये गये हैं जो चुनाव के दौरान अपने अपने कार्यों का निर्वहन करेगी।

पसीने से हार्ट की बीमारी का लगेगा पता

चंडीगढ़ (ईएमएस): पंजाब विश्वविद्यालय, पीजीआई चंडीगढ़, तथा नार्टिंघम ट्रेंट विश्वविद्यालय यूके ने मिलकर एक ऐसी डिवाइस तैयार की है। जिससे पसीने से हार्ट की बीमारी का पता चल सकेगा। शोधकर्ताओं ने सेल्फ पावर वेरिएबल बायो सेंसर तैयार किया है। जिसके माध्यम से पसीने से रिएक्टिव और प्रोटीन

बायोमार्कर की खोज करके हार्ट से जुड़ी हुई बीमारियों के बारे में जानकारी देगा।

पसीने में यदि बायो मार्कर की मात्रा अधिक होगी। उससे हार्ड डिसीज के पैरामीटर के अनुसार हार्ट की बीमारियों का पता चल जाएगा।

समय रहते इसका इलाज भी शुरू हो पाएगा।

अब एक्स पर अकाउंट बनाने वालों को चुकानी होगी फीस

नई दिल्ली (ईएमएस): एलन मस्क के ट्विटर को खरीदने के बाद प्लैटफॉर्म पर कई बदलाव किए। एलन मस्क ने इसका नाम बदलकर एक्स कर दिया था, साथ ही यूआई और ब्लू टिक को लेकर भी कई बदलाव किए। अब एलन मस्क ने फिर एक्स को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। बयान में कहा गया है कि एक्स जल्द अपने नए यूज़र्स से फीस लेना शुरू करेगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ने कहा है कि एक्स से जुड़ने वाले नए यूज़र्स को ट्वीट को लाइक करने, पोस्ट करने, रिप्लाई करने और यहां तक कि बुकमार्क करने के लिए 'छोटा' शुल्क देना होगा। अब तक एक्स प्लेटफॉर्म यूज़र्स मुफ़्त में इस्तेमाल कर रहे थे। रिपोर्ट से पता चलता है कि मस्क ने ये फैसला बॉट से होने वाली दिक्कतों को खत्म करने के लिए किया है। एक्स की वेबसाइट पर बदलाव के बारे में पोस्ट करने वाले एक एक्स अकाउंट यूज़र के जवाब में, मस्क ने कहा कि नए अकाउंट पर एक छोटा सा शुल्क वसूलना 'बॉट्स के हमले' को रोकने का एकमात्र तरीका था।

कैप्चा जैसे टूल का जिक्र करते हुए एलन मस्क ने कहा कि मौजूदा एआई क्या आप एक बॉट हैं को आसानी से पास कर सकते हैं। दूसरे यूज़र्स को जवाब देते हुए मस्क ने कहा कि नए अकाउंट क्रिएट करने के तीन महीने बाद बिना शुल्क चुकाए पोस्ट किए जा सकेंगे। फिलहाल इस बारे में भी कोई डिटेल नहीं मिली है कि ये पॉलिसी कब लागू होगी और नए यूज़र्स को कितना शुल्क देना पड़ेगा।

बता दें कि हाल ही में एक्स कॉर्प ने २६ फरवरी से २५ मार्च के बीच भारत में रिकॉर्ड २,१२,६२७ एक्स अकाउंट पर प्रतिबंध लगा दिया था जो ज्यादातर बाल यौन शोषण और गैर-सहमति नग्नता को बढ़ावा देने के लिए थे। माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने देश में अपने प्लेटफॉर्म पर आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए १,२३५ खातों को भी हटा दिया है।

भाजपा भ्रष्टाचारियों को गोदाम बन गई : राहुल,अखिलेश

नई दिल्ली(ईएमएस) : कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का दावा है कि इस बार का लोकसभा चुनाव विचारधारा का चुनाव है। हम लोगे लोकतंत्र बचाने और भाजपा के झूठे दावों से देश को बचाने के लिए लड़ रहे हैं। एक साझा प्रेस कान्फ्रेंस में नेता द्वय ने कहा कि बीजेपी सभी भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है।

भ्रष्टाचारियों ने जो कमाया है, उसे भी अपने साथ कर रही है। डबल इंजन की सरकार का दावा करने वाली बीजेपी के पोस्टर में अब डबल नहीं दिखाई दे रहे हैं। जो एक हैं, वो भी चुनाव के बाद गायब हो जाएंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनाव विचारधारा का चुनाव है। यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने का चुनाव है। राहुल गांधी ने भाजपा पर मुद्दों से भटकाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह चुनाव विचारधारा की लड़ाई का चुनाव है। एक ओर आरएसएस और भाजपा है, जो लोकतांत्रिक सिस्टम को खत्म करने की कोशिश कर रही

है। दूसरी ओर इंडिया गठबंधन संविधान और लोकतंत्र को बचाने की कोशिश कर रही है। बेरोजगारी और महंगाई समेत चुनाव में कई बड़े मुद्दे हैं, मगर भाजपा २४ घंटे मुद्दों से भटकाने की कोशिश करती रहती है। वहीं, अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत राम नवमी की बधाई देते हुए की। अखिलेश यादव ने कहा, 'पहले चरण का चुनाव यूपी में होने जा रहा है।

पश्चिम से चलने वाली हवा पूरे यूपी और देश का माहौल बदल देगी। गाजियाबाद से गाजीपुर तक इंडिया गठबंधन बीजेपी का सफाया करेगी। किसान दुखी हैं, बीजेपी के वादे झूठे। न किसान की आय दुगुनी हुई न तो रोजगार मिला।

जेएनयू के तीन छात्र नेताओं को इंडिया गठबंधन ने दिया टिकट

नई दिल्ली (ईएमएस): देश की राजनीति पर सबसे बड़ा हस्तक्षेप जिन चंद विश्वविद्यालयों का है,उसमें जेएनयू अव्वल है, लेकिन जेएनयू के छात्र नेता जैसे ही कैंपस से संसद की ओर निकलते हैं, उनकी आवाज, विचार और मौजूदगी गौण हो जाते हैं।

पिछले ५० सालों में जेएनयू ने कई नामचीन राजनेता दिए, लेकिन इनमें से एक भी लोकसभा के द्वार तक नहीं पहुंच सका। पहली बार जेएनयू के ३ छात्रनेता एक साथ लोकसभा के चुनावी रण में हैं। इसमें नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली से कन्हैया कुमार, नालंदा से संदीप सौरभ और सेरामपुर से दीप्सिता धर का नाम शामिल हैं। दिलचस्प बात है कि तीनों ही छात्रनेता इंडिया गठबंधन के कोटे से उम्मीदवार हैं।

जेएनयू के छात्रसंघ अध्यक्ष रहे कन्हैया कुमार कांग्रेस के सिंबल पर नॉर्थ ईस्ट दिल्ली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। कन्हैया २०१९ में भी लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन उन्हें बिहार की बेगूसराय सीट पर हार मिली थी।

वहीं जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी छात्रसंघ के पूर्व महासचिव संदीप सौरभ नालंदा सीट पर इंडिया गठबंधन के माले पार्टी से उम्मीदवार है। नालंदा बिहार में जेडीयू का गढ़ माना जाता है। वर्तमान में जेडीयू के कौशलेंद्र कुमार सांसद हैं और पार्टी ने इस बार भी उन्हें ही मौका दिया है। बात दें कि संदीप पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। इसके पहले संदीप २०२० के विधानसभा चुनाव में पालीगंज सीट से मैदान में उतरे थे, जहां उन्हें जीत मिली थी। जेएनयू से पीएचडी करने वाले संदीप २०१३ में छात्रसंघ के महासचिव बने थे।

जेएनयू एसएफआई की अध्यक्ष रहीं दीप्सिता धर बंगाल की सेरामपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। यह सीट तृणमूल कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। इस सीट पर कद्दावर नेता कल्याण बनर्जी सांसद हैं। दीप्सिता २०२१ में विधानसभा का भी चुनाव लड़ चुकी हैं। सीपीएम ने उन्हें बाली सीट से उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वे यहां पर तीसरे नंबर पर रही थीं। दीप्सिता के लिए सेरमपुर का चुनाव २ मायनों में काफी मुश्किलों भरा है।

पहला, सेरमपुर में पिछले चुनाव में सीपीएम के उम्मीदवार तीर्थंक रॉय की जमानत जब्त हो गई थी। दूसरी बड़ी चुनौती सेरमपुर का स्थानीय समीकरण है। सेरमपुर लोकसभा में विधानसभा की ७ सीटें हैं, लेकिन एक पर भी सीपीएम का कब्जा नहीं है। हालांकि, दीप्सिता की फायरब्रांड और जुझारू नेता की छवि से सीपीएम को जीत का विश्वास है।

लेकिन संसदीय इतिहास में जेएनयू का कोई भी छात्रनेता अब तक लोकसभा नहीं पहुंच सका है। हालांकि, कई छात्रनेता राज्यसभा और विधानसभा के जरिए अपने राजनीतिक करियर को जरूर आगे बढ़ाया। मसलन, जेएनएसयू के पहले अध्यक्ष डीपी त्रिपाठी और तीसरे अध्यक्ष सीताराम येचुरी राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। १९९९-२००० तक जेएनूएसयू के अध्यक्ष रहे नासिर हुस्सैन वर्तमान में कर्नाटक से राज्यसभा के सांसद हैं।

राहुल-अभिषेक के उड़नखटोले को खंगालने पर भड़का विपक्ष

नई दिल्ली(ईएमएस): कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उड़नखटोले की जांच को लेकर सियासत शुरु हो गई है। विपक्ष का आरोप है कि जानबूझकर विरोधियों को परेशान कर चुनाव प्रचार में बाधा डालने की कोशिश की जा रही है। अब लोकसभा चुनाव से पहले नेताओं के हेलीकॉप्टर की जांच होना चर्चा का मुद्दा बन गया। हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर की तलाशी ली गई। वहीं, तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने भी इस तरह की जांच की बात कही है। अब विपक्ष के आरोप हैं कि केंद्र के कहने पर उन्हें परेशान किया जा रहा है।

अब अगर नियम देखते हैं तो भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों में चार्टर्ड प्लेन और हेलीकॉप्टरों की जांच की बात

शामिल है। २०१९ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी हेलीकॉप्टर की जांच के भी आदेश जारी हो चुके हैं।अगर नियमों की बात करें तो नॉन-कमर्शियल हेलीपैड्स और एयरपोर्ट्स पर चुनाव आयोग की तरफ से गठित उड़न दस्ते या पुलिस को पायलट के साथ मिलकर विमान में रखे सामान की जांच की जिम्मेदारी दी जाती है।

हालांकि, इस दौरान किसी महिला के हैंडबैग को छूट मिलती है। चुनाव आयोग के आदेश हैं कि पहले से तय आगमन से पहले उम्मीदवार या राजनीतिक दल को डीईओ को कम से कम २४ घंटे पहले सूचना देनी होगी। चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार, अगर ५० हजार रुपये से ज्यादा की कोई मुद्रा पाई जाती है, तो उसकी जांच हो सकती है और जब्त किया जा सकता है।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के दौरान चुनाव आयोग ने एयरपोर्ट्स और हेलीपैड्स की सुरक्षा करने वाली कई एजेंसियों के साथ बैठक की थी। उस दौरान नियमों के कड़ाई के साथ पालन के दिशानिर्देश जारी किए गए थे। अब चुनाव आयोग कमर्शियल एयरपोर्ट्स पर उड़ान या लैंडिंग से पहले अनुमति लेना अनिवार्य नहीं करता है। जबकि, एटीसी यानी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी को चार्टर्ड प्लेन और हेलीकॉप्टर की गतिविधियों के बारे में जल्द से जल्द बताना जरूरी है।

इसके अलावा एटीसी को सभी चार्टर्ड विमानों के रिकॉर्ड रखने के भी आदेश दिए गए हैं, जिसमें उड़ान या लैंडिंग और रूट प्लान जैसी कई बातें शामिल हैं। खास बात है कि चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों में ऐसे विमानों में सामान की जांच के आदेश शामिल हैं। ये जांच सीआईएसएफ या पुलिस करती है। अगर तलाशी के दौरान १० लाख से ज्यादा कैश या एक किलो से ज्यादा सोना पाया जाता है तो आयकर विभाग को सूचित किया जाता है।

अमेटी सीट पर कौन लड़ेगा चुनाव,ये खरगे जी को तय करना: राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस): कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यूपी की अमेठी सीट से केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ चुनाव लड़ने को लेकर रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि आलाकमान को फैसला करना हैं, मैं उनका फैसला मानूंगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने २०१९ का लोकसभा चुनाव वायनाड और अमेठी सीट से लड़ा था, लेकिन उन्हें स्मृति ईरानी ने हरा दिया था। राहुल गांधी ने सिर्फ वायनाड से सीट दर्ज की थी। इस बार भी कांग्रेस ने वायनाड से राहुल गांधी को मैदान में उतारा है, लेकिन अभी तक अमेठी को लेकर संस्पेस बरकार है।

दरअसल, अमेठी सीट २०१९ के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी की हार से पहले कांग्रेस का गढ़ मानी जाती थी। क्योंकि इस सीट से राहुल गांधी २००४, २००९ और २०१४ में जीते थे। विपक्षी गठबंधन इंडिया तहत कांग्रेस को यूपी के ८० सीटों में प्रदेश में १७ सीटें दी गई है।

ट्रेन में यात्री को सांप ने डसा पर पूंछ दिखी और विलुप्त हो गया

कोट्टयम(ईएमएस): ट्रेन में सफर कर रहे है एक यात्री के सांप ने डंस लिया जिसके कारण उसे तेज दर्द होने लगा। किसी ने बताया कि सांप ने काटा है क्योंकि उसकी पूंछ दिखाई दे रही थी। देखते ही देखते पूरे कोच में हड़कंप मच गया। यात्री को दूसरे स्टेशन पर ट्रेन से उतारकर अस्पताल में भर्ती कराया। कोच की तलाशी ली गई तो कहीं सांप दिखाई नहीं दिया। इस दौरान यात्री दावा करते रहे कि यहीं सांप था लेकिन विलुप्त हो गया। रेलवे के अनुसार घटना केरल के कोट्टयम की है। गुरूवायूर पैसेंजर ट्रेन (१६३२७/१६३२८) मदुरै से गुरूवायूर के बीच संचालन होता है।

दक्षिण रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी गगनेशन ने बताया कि पैसेंजर ट्रेन का संचालन मदुरै से गुरूवायूर के बीच हो रहा था, उसी दौरान इट्टूमनूर रेलवे स्टेशन के पास अनारक्षित कोच में बैठे एक व्यक्ति को अचानक पिन की तरह कूछ चुभन हुई। वो उठकर खड़ा हो गया। उसे दर्द होने लगा। साथ बैठे यात्री ने बताया कि सांप ने काटा है। इसके बाद कोच में हड़कंप मच गया। ट्रेन को इट्टूमनूर स्टेशन में रोका गया। गार्ड, टीटी और स्टेशन मास्टर को इसकी सूचना दी गयी।स्टेशन पर ही पूरे कोच को खाली करा लिया गया और बंद कर दिया गया। इसके बाद पूरे कोच की बारीकी से जांच की गयी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कहना है कि कोच की जांच में सांप नहीं मिला है। इसके साथ ही पीड़ित यात्री को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसका उपचार किया गया और अगले दिन अस्पताल से छुट्टी देकर घर भेज दिया गया। यात्री स्वस्थ्य है।

उनका कहना है कि यात्री में सांप काटने के सामान्य लक्षण बेहोशी आना नींद आना नहीं दिखे हैं। संभावना है कि किसी कीड़े या चूहे ने काटा होगा और पास बैठे मरीज को उसकी पूंछ दिखी हो, जिससे उसे सांप का भ्रम हो गया हो। इस वजह से ट्रेन इट्टूमनूर थोड़ी देर तक रुकी रही। यात्रियों को सीट पर बैठने से पहले नीचे और पीछे की ओर जांच कर लेना चाहिए।

चुनाव प्रचार के लिए आप ने लॉन्च की आपका रामराज्य वेबसाइट

नई दिल्ली,(ईएमएस):आम आदमी पार्टी (आप) ने लोकसभा चुनाव के लिए वेबसाइट आपका रामराज्य लॉन्च की है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के रामराज्य की अवधारणा में कोई भेदभाव नहीं है, कोई छोटा-बड़ा नहीं है और सभी के हित में काम करने का विचार है। इसी को ध्यान में रखते हुए रामनवमी के मौके पर आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनाव अभियान के लिए वेबसाइट आपका रामराज्य लॉन्च की है।

टुकड़े-टुकड़े गैंग के असली सरदार मोदी : खड़गे

नई दिल्ली (ईएमएस): कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक साक्षात्कार में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर तीखे वार किये। उन्होंने कहा भाजपा ने इलेक्ट्रोरल बांड से लेकर जांच एजेंसियों का उपयोग अपने फायदे के लिए किया है। उन्होंने कहा कि टुकड़े-टुकड़े गैंग के असली सरदार तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को जाति धर्म और पंथ के आधार पर बांट रहे हैं। आजादी की लड़ाई कांग्रेस ने लड़ी है। प्रधानमंत्री पद के लिए इंडिया गठबंधन का नेता कौन होगा। इस पर उन्होंने कहा कि हम चुनाव जीतने के बाद गठबंधन के दलों से चर्चा करने के बाद प्रधानमंत्री तय किया जाएगा। अमेठी और रायबरेली से अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं करने पर, उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी अंतिम समय पर अपने पत्ते खोलेगी।

गर्भवती महिला को खाना चाहिए सूखा नारियल

नई दिल्ली (ईएमएस): अगर आप मां बनने वाली हैं तो आपको सूखा नारियल अवश्य खाना चाहिए। नारियल में बहुत से आवश्यक फैटी एसिड पाए जाते हैं, जो शिशु के उचित विकास में मदद करते हैं। कहा जाता है कि अगर गर्भवती महिला रोजाना इसका सेवन करती है तो इससे नॉर्मल डिलीवरी होने में काफी मदद मिलती है।

चलिए हम आपको विस्तार से बताते हैं इससे मिलने वाले फायदों के बारे में-प्रेगनेंसी पीरियड में सूखा नारियल खाने से विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन बी, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम आदि तत्व मिलते हैं जो शिशु के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। सूखे नारियल का सेवन करने से प्रेगनेंसी पीरियड में इम्यून सिस्टम बूस्ट होता है। नारियल में लॉरिक एसिड होता है, जिसमें एंटी-माइक्रोबॉयल प्रॉपर्टीज होती है। ऐसे में जब आप इसका सेवन करते हैं तो इससे प्रेगनेंसी में होने वाले इंफेक्शन का रिस्क काफी कम होता है।

इसमें कई तरह के मिनरल्स जैसे मैंगनीज और तांबा आदि मौजूद होते हैं, जो हड्डियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे-जैसे बच्चे का स्केलेटन सिस्टम बनता है, मां का शरीर बदलने लगता है। प्रेगनेंसी पीरियड में एक महिला को अमूमन अधिक एनर्जी की जरूरत होती है।

ऐसे में अगर वह सूखा नारियल खाती है तो इससे उसे अपने शरीर को एनर्जेटिक बनाए रखने में मदद मिलती है।

नाराज कपल ने पुलिस अधिकारी की उतारी आरती, शाल ओढ़ाकर किया सम्मान

रीवा,(ईएमएस): पुलिस जो आमजन की रक्षा के लिए होती है लेकिन अगर वह अपने काम में लापरवाही या कोताही बरते तो फिर क्या कहेंगे। आजकल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरन हो रहा है जिसमें एक कपल पुलिस अधिकारी की आरती उतारते हुए नजर आ रहे हैं। मामला था कि कपल ने पुलिस थाने में चोरी की रिपोर्ट कराई लेकिन उस पर पुलिस ने कोई ध्यान ही नहीं दिया जिससे खफा कपल ने पुलिस का सम्मान करने की ठानी और थाने पहुंच गए।

जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश के रीवा पुलिस स्टेशन में एक पुलिस अधिकारी की 'आरती' करता हुआ एक वीडियो वायरल हो रहा है। यह घटना कथित तौर पर तब हुई जब कपल ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया। अनुराधा और कुलदीप सोनी नाम के इस कपल ने रीवा पुलिस स्टेशन में टाउन इंस्पेक्टर जेपी पटेल को माला पहनाकर उनका सम्मन किया। यह घटना ६ अप्रैल की बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रीवा और मऊगंज जिलों में जेवरों की दुकानों के मालिक ने २८ जनवरी को दो कर्मचारियों पर चोरी का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज की थी। पुलिस से शिकायत के बावजूद, आरोपी मप्र उच्च न्यायालय से जमानत पर छूट गए। इससे नाराज होकर कुलदीप सोनी ने पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाया। अनुराधा और कुलदीप सोनी ने ६ अप्रैल को रीवा पुलिस स्टेशन में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने टाउन इंस्पेक्टर जेपी पटेल को शर्मिंदा करने के लिए उन्हें माला पहनाई और शॉल ओढ़ा कर उनका सम्मान किया। हालांकि, इस विरोध के बाद उनके खिलाफ पुलिस ने शासकीय काम में बाधा डालने और पुलिस का अपमान करने का मामला दर्ज किया है। मप्र उच्च न्यायालय ने भी इस घटना की आलोचना की और इसे अनुचित करार दिया।

टाउन इंस्पेक्टर जेपी पटेल ने भी दंपति के कृत्य की आलोचना करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य उनका अपमान करना था। उन्होंने कहा कि पुलिस अभी भी चोरी के मामले की जांच कर रही है।

किसानों के लिए सरकार ने डब्ल्यूटीओ की सीमा को तोड़ा 2 प्रतिशत ज्यादा दे दी सब्सिडी

नईदिल्ली(ईएमएस): किसानों की अनदेखी के आरोप सरकार पर लगते रहे हैं लेकिन कई बार किसानों के लिए सरकार सीमाओं को लांघकर उन्हे लाभान्वित करने में कसर नीं छोड़ती है। इस बार चावल पर दी जाने वाली सब्सिडी दो प्रतिशत ज्यादा दी गई है।

भारत ने लगातार पांचवें साल विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का शांति खंड लागू कर दिया है। भारत ने विपणन वर्ष २०२२-२३ (अक्टूबर से सितंबर) में लगातार पांचवीं बार डब्ल्यूटीओ की ओर से तय सीमा से अधिक अपने किसानों को चावल पर सब्सिडी दी है। भारत ने विश्व व्यापार संगठन को बताया कि साल २०२२-२३ में भारत के चावल उत्पादन का मूल्य ५२.८ अरब डॉलर था। साल के दौरान किसानों को ६.३९ अरब डॉलर की सब्सिडी दी गई। इसका अर्थ हुआ कि किसानों को दी जाने वाली चावल सब्सिडी उत्पादन के मूल्य का १२ फीसदी थी और वैश्विक व्यापार नियमों के अनुसार १० फीसदी घरेलू समर्थन सीमा तय की गई है, जिसका उल्लंघन किया गया।

इस मामले में विश्व व्यापार संगठन को पत्र लिखकर भारत ने बचाव करते हुए कहा है कि कार्यक्रम के तहत भंडारण भारत की गरीब और पिछड़ी आबादी की घरेलू खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाता है। सेंटर फॉर डब्ल्यूटीओ स्टडीज के प्रोफेसर सचिन कुमार शर्मा ने कहा कि भारत साल २०१८-१९ से ही घरेलू सब्सिडी सीमा को पार कर रहा है, लेकिन यह चावल पर अपनी मूल्य-समर्थन आधारित सार्वजनिक भंडारण नीतियों को लागू करके किसी भी कानूनी चुनौती से बचाने में सक्षम है। सचिन ने कहा, 'भारत चावल पर अपनी घरेलू समर्थन सीमा का उल्लंघन क्यों कर रहा है। इसका मुख्य कारण डब्ल्यूटीओ का पुराना और त्रुटिपूर्ण फॉर्मूला है जो दिए जा रहे घरेलू समर्थन के स्तर की बढ़ी हुई तस्वीर दिखाता है।'

भारत खाद्य सब्सिडी सीमा की गणना के फॉर्मूले में संशोधन की मांग कर रहा है और सार्वजनिक स्टॉक होल्डिंग के मुद्दे के स्थायी समाधान के लिए लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए भी कड़ी मेहनत कर रहा है।

भारत की शिकायत है कि १० फीसदी सब्सिडी सीमा की गणना १९८६-८८ के संदर्भ मूल्य के आधार पर की जाती है जो काफी पुरानी हो चुकी है। मगर सब्सिडी सीमा का उल्लंघन करने पर तत्काल कोई प्रभाव देखने को नहीं मिलेगा क्योंकि भारत ने साल २०१३ में विश्व व्यापार संगठन की बाली में हुई मंत्रिस्तरीय बैठक में तय शांति खंड लागू कर दिया है। यह विकासशील देशों को स्थायी समाधान मिलने तक गेहूं के लिए १० फीसदी सब्सिडी सीमा का उल्लंघन करने की चुनौतियों से बचाता है।

रामनवमी की धूम के साथ गूंजा श्रीराम का नारा

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना सहित राज्य के कस्बों, गांवों तक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवाका श्रीराम का जन्मोत्सव रामनवमी पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है. बुधवार सुबह से ही मंदिरों में रामनवमी को लेकर श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है. श्रद्धालु लगातार 'जय श्री राम' और 'जय हनुमान' का उद्घोष कर रहे हैं.

रामनवमी को लेकर राजधानी पटना की सभी सड़कें महावीरी ध्वजा, बैनर, रामनाम पताका और तोरण द्वार से सजे नजर आ रहे हैं. पूरा इलाका रात से ही राममय हो गया है. राज्य के सभी मंदिरों को फूल-मालाओं से आकर्षक ढंग से सजाया गया है. पटना जंक्शन के पास स्थित प्रसिद्ध महावीर मंदिर में

रामनवमी को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है. महावीर मंदिर का पट अहले सुबह दो बजे खोल दिया गया. सुबह से ही मंदिर में भक्तों का तांता लगा हुआ है.

यहां पूजा करने के लिए पहुंचे लोग रात से ही पंक्तिबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं. मंदिर प्रशासन द्वारा देर रात तक मंदिर का पट खुला रखने का निर्णय लिया गया है. श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यहां पुजारियों की संख्या भी बढ़ाई गई है. रामनवमी के मौके पर यहां करीब चार लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है.

पटना में इस वर्ष रामनवमी के मौके पर शाम को शोभायात्रा निकाली जाएगी. सभी ५४ शोभायात्राएं विभिन्न इलाकों से डाकबंगला चौराहे पहुंचेंगी, जहां उनका स्वागत किया जाएगा. इस मौके पर राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी रहेंगे. आयोजन में आदर्श चुनाव आचार संहिता का भी खास ख्याल रखा गया है. रामनवमी को लेकर सुरक्षा के तगड़े प्रबंध किए गए हैं. राजधानी के सभी मुख्य मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे के जरिए निगरानी की जा रही है तथा जगह-जगह पर अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है.

पटना के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रामनवमी के मद्देनजर पुलिस गश्त बढ़ाई गई है. इधर, राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी रामनवमी को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखा जा रहा है. कस्बों से लेकर गांवों तक मंदिरों में श्रद्धालु जुटे हुए हैं.

बिहार का रिजल्ट चौकाने वाला होगा : तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी): लोकसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान से पहले तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से पीएम मोदी पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा है कि बिहार में इस बार परिणाम सभी को चौकाने वाले हैं. पीएम ने अभी तक २०१५ में हार से सबक नहीं लिया है.

पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बीजेपी को इस बात की जानकारी है कि बिहार का रिजल्ट चौंकाने वाला होने वाला है. प्रधानमंत्री ने अभी तक २०१५ में मिली हार से सबक नहीं सीखा है. २०२० में बिहार की इस जनता ने सबसे बड़ी पार्टी राजद को बनाया था, लेकिन उसके बावजूद वह लगातार हम लोगों पर आरोप लगा रहे हैं.

उन्होंने कहा कि हम लोगों पर आरोप लगाने के अलावा उनके पास कोई मुद्दा नहीं है. ना तो बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिला ना विशेष पैकेज मिला, उन्होंने क्या किया है यह भी बताने को उनके पास नहीं है. लालू यादव के छपरा जाने चुनाव प्रचार करने पर उन्होंने कहा कि वह छपरा गए हैं और रोहिणी आचार्य ने जिस तरीके से अपने पिता को जीवन दान दिया है तो हम लोगों को पूरा भरोसा है कि वहां की जनता की सेवा के लिए रोहिणी को आशीर्वाद मिलेगा.

प्रधानमंत्री के तूफानी बिहार दौरे पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भयभीत हैं. बीजेपी भयभीत है और उनको पता है कि रिजल्ट क्या होने वाला है. उन्होंने कहा कि संविधान खत्म करने की बातचीत हो रही है. लेकिन इस पर प्रधानमंत्री कुछ नहीं बोलते आखिर भारतीय जनता पार्टी के लोग क्यों संविधान बदलने की बात कर रहे हैं.

मांझी को जीताने के लिए भाजपा और जेडीयू को झोंकनी होगी ताकत : पीएम मोदी

पटना (ईएमएस): बिहार की गया (आरक्षित) सीट पर एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है. दोनों के दिग्गज नेता अपने प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए गया का दौरा कर चुके हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रत्याशी जीतन राम मांझी को जीताने के लिए बहुत कुछ कह गए हैं.

अहम सवाल है कि मांझी और कुमार सर्वजीत अपने जिले से लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी हैं. अपने जिले, इस लिहाज से कि यहीं से विधायक हैं. इसमें कुमार सर्वजीत का पलड़ा भारी है, क्योंकि वे बोधगया के राजद विधायक हैं. यह विधानसभा क्षेत्र गया लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है. दूसरी तरफ, मांझी इमामगंज से विधायक हैं. इमामगंजविधानसभा औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के अंदर है.

बिहार जातिगत जनगणना करा चुका है, हालांकि जनगणना के आंकड़े जिलावार नहीं जारी किए गए. इसलिए, सारी राजनीति जातियों की अनुमानित संख्या के आधार पर है. इस अनुमान के अनुसार सबसे बड़ी आबादी भुइयां (महादलित) की है. इससे मांझी आते हैं. मौजूदा जदयू सांसद विजय मांझी भी इसी जाति से हैं. वह विरोध में नहीं, इसका फायदा मांझी को मिल रहा है. संख्या के हिसाब से उसके बाद दुसाध, यानी पासवान हैं. इससे कुमार सर्वजीत हैं. मतलब, पीठ पर ही हैं. तीसरे नंबर पर राजपूतों की संख्या है.

फिर मुस्लिम और पांचवें नंबर पर वैश्य-बनिया को नंबर आता हैं. मतलब, अपनी जाति और भाजपा के पारंपरिक वोटरों की बड़ी आबादी के हिसाब से मांझी फायदे में दिखते हैं. कांग्रेस प्रत्याशी कुमार सर्वजीत की जाति वहीं है, जो चिराग पासवान की है. राजनैतिक पंडितों का कहना हैं चिराग और पशुपति कुमार पारस ने मिलकर मेहनत कर दी होती, तब गारंटी की संभावना बन सकती थी.

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को अपने समर्थकों से बार-बार अपील की कि वह हर बूथ पर उन्हें जिताएं। उन्हें यह क्यों कहना पड़ा? इस समझना बहुत मुश्किल नहीं है। इस सीट पर हम-से प्रत्याशी उतरे हैं और इस पार्टी के पास कार्यकर्ताओं का वैसा नेटवर्क नहीं है। एनडीए में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड के पास ही नेटवर्क है। भाजपा को चूंकि बिहार की ४० में से ४० सीटों पर जीत की गारंटी चाहिए, इसलिए उसे कैडर की ताकत झोंकनी होगी।

बेटी रोहिणी आचार्य को संसद में पहुंचाने मैदान में उतरे लालू

पटना (ईएमएस): राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष और पूर्व सीएम लालू प्रसाद सारण के चुनावी मैदान में दिखने वाले हैं। अपनी बेटी और सारण लोकसभा क्षेत्र की प्रत्याशी रोहिणी आचार्य को जीतने के लिए लालू अब सारण में कैंप करने वाले हैं। लालू अपनी पत्नी राबड़ी देवी के साथ छपरा के लिए रवाना हुए। राजद के नेताओं के मुताबिक, लालू प्रत्याशी रोहिणी आचार्य के समर्थन में रोड शो कर सकते हैं। इसके अलावा वे पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मिलकर स्थिति की जानकारी लेने वाले है।

राजद सूत्रों का कहना है कि रोहिणी की जीत संभव बनाने के लिए लालू खुद मैदान में उतर चुके हैं। तेजस्वी यादव ने कहा था कि लालू प्रसाद चुनाव प्रचार में उतरने वाले है। सारण में रोहिणी का मुकाबला भाजपा के प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी से है।

पीएम मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए के पक्ष में मतदान करें: सम्राट चौधरी

पटना (एजेंसी): पहले चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है. अब प्रत्याशी वोटर के घर घर जाकर वोट मांगेंगे. इस बीच बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने राज्य की जनता से बड़ी अपील की है. उन्होंने कहा कि पहले चरण में चार सीटों पर जहां चुनाव हो रहे है. वहां के मतदाताओं से आग्रह करता हूं, निवेदन करता हूं कि देश के प्रधानमंत्री मोदी को मजबूत करने के लिए भारत को श्रेष्ठ बनने के लिए भारत को विकसित भारत बनाने के लिए वोट करें.

सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की सभी लोकसभा सीटों पर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के पक्ष में मतदान करें और विकसित भारत का सपना प्रधानमंत्री ने देखा है. २०४७ से भारत कैसा होगा उसे भारत के कल्पना के लिए मतदान करने का काम करें. बीजेपी नेता ने आगे कहा कि गरीबों को ४ करोड़ से अधिक घर उपलब्ध करा चुके हैं. देश के अंदर गरीबों को पक्का मकान देने के लिए ३ करोड़ घर और अधिक बनाने के लिए भारत की सरकार काम कर रही है. बिहार के ५५ लाख लोगों का पक्का मकान मिला है. आयुष्मान भारत पिछले मार्च महीने में २ करोड़ से अधिक लोगों का बनाने का काम बिहार में किया है और यह गारंटी है किसी अस्पताल में मुक्त इलाज मिलेगा.

इस दौरान बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने राजद पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि १७ महीने में अपने जिस विभाग के मंत्री थे उसमें एक भी वैकेंसी नहीं निकली. शिक्षा विभाग में हम लोगों ने शिक्षकों की बहाली की उनकी सरकार में उसके ऊपर कोई काम नहीं हुआ, साल २०२१ में हमने जो वैकेंसी क्रिएट किया था. इस आधार पर बहाली हुई और उस पर वह दावा कर रहे हैं.

सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि आपके माता-पिता बिहार की सरकार में रहे. एक लाख भी लोगों को नौकरी नहीं दे पाए. नीतीश कुमार ७.५० लाख लोगों के लिए नौकरी दी. उन्होंने कहा कि नौजवानों को मुख्य धारा मिलना एनडीए सरकार की प्राथमिकता है. माफिया पर कार्रवाई करने के लिए काम शुरु कर दिया है. बालू माफिया जमीन माफिया पर कारवाई के लिए कानून बना है और उसे समय आ गया है उन पर कारवाई हो.

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि राजद का मतलब होता है गुंडों की पार्टी. इनके जितने भी उम्मीदवार हैं किसी ने खून किया है. किसी ने किडनैपिंग किया है. हम अपने धर्म को पहले पूजते हैं उसके बाद दूसरों का सम्मान करते हैं. राजद के गुंडो को ठंडा करने का काम करेंगे.

सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू यादव संविधान बचाने की बात करते हैं. सबसे ज्यादा कानून तोड़ने का काम लालू ने किया. सारे गुंडे और अपराधी उनके पार्टी में और लालू प्रसाद अपराधियों के प्रतीक हैं. उन्होंने कहा कि राजद के लिए आरक्षण का मतलब बेटा बेटी होता है, लेकिन हमारे लिए पूरा समाज है. भाजपा पूरे देश की चिंता करती है लालू जी अपने बच्चों की चिंता करते हैं.

फिर से चुनावीरण में उतरने को तैयार मौलाना तौकीर रजा

बरेली (ईएमएस): मौलाना तौकीर रजा दूसरी बार लोकसभा चुनाव के रण में उतरने को तैयार हैं। उनकी ओर से इसके संकेत दिए जा रहे हैं। उनके करीबियों की मानें वे १९ अप्रैल को नामांकन दाखिल कर सकते हैं। बरेली दंगों के मुख्य आरोपी और इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना चुनावी मैदान में भाग्य आजमा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट से निचली अदालतों के आदेशों पर रोक से मिली राहत के बाद मौलाना सियासी राह पर आगे बढ़ना चाहते हैं। गुपचुप तरीके से नामांकन की तैयारी के लिए उनकी ओर से नगर निगम में प्रार्थना पत्र के साथ शपथ पत्र देकर नो-ड्यूज सर्टिफिकेट मांगा गया है।

मौलाना तौकीर दूसरी बार चुनाव में उतरने की तैयारी में हैं। दरअसल, मौलाना और सियासत का नाता बेहद पुराना है। करीब दो दशक पहले बदायूं लोकसभा सीट से मौलाना सियासत में पटखनी खा चुके हैं। उनके पिता रेहान रजा खां ने मुस्लिम समुदाय के मामलों को उठाने के लिए आईएमसी का गठन किया था। वर्ष २००० में आईएमसी की कमान मौलाना को मिली। इसके बाद उन्होंने सपा को समर्थन दिया। वर्ष २००९ के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को आईएमसी का समर्थन मिला था और बरेली से प्रवीण सिंह ऐरन सांसद बने थे। वहीं पिछले विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस को आईएमसी ने दोबारा समर्थन दिया था।

भाजपा संविधान बदलने की बात करती है : मनोज झा

पटना (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सभा में संविधान बदलने के विषय के आरोप का कड़ा जवाब देते हुए कहा था कि खुद बाबा साहेब भी आ जाएं तो संविधान बदला नहीं जा सकता. इस पर अब राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधा है.

राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने एक बार फिर कहा कि भाजपा संविधान बदलने की बात करती है. पटना में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि संविधान केवल कागज का पन्ना नहीं, एक जिंदा दस्तावेज है.

उन्होंने कहा, संविधान आरक्षण, शिक्षा और सांस लेने की गारंटी है. आप उस संविधान को बदलने की बात कर रहे हैं. ये महज पन्ने नहीं बल्कि जिंदा दस्तावेज हैं. उन्होंने भाजपा के कथित तौर पर संविधान बदलने की बात को लेकर घेरते हुए कहा कि वे संविधान बदलने की बात करते हैं. झा ने कहा कि संविधान में संशोधन हो सकता है, आप इसे बदल नहीं सकते.

उन्होंने कहा कि मोहन भागवत ने ९ वर्ष पहले संविधान की समीक्षा की बात कही थी. ये लोग आरक्षण खत्म करने वाले हैं. उन्होंने कहा कि यह संविधान नहीं रहेगा तो देश नहीं रहेगा. उन्होंने जोर देकर कहा कि कुछ लोग जो चुनाव लड़ रहे हैं वे प्रतिदिन कहते हैं कि हम संविधान को बदल कर रख देंगे. आप कहते हैं कि आप संविधान बदलना चाहते हैं. संविधान है क्या? ये आरक्षण की गारंटी है, शिक्षा की गारंटी है, रोजगार की गारंटी है. यह संविधान आपके मौलिक अधिकारों का सम्मान करते हुए सबको प्रगति के पथ पर साथ लेकर चलने की गारंटी है.

नवादा सीट पर उपमुख्यमंत्री सम्राट सिंह की प्रतिष्ठा दांव पर

पटना (ईएमएस): लोक जनशक्ति पार्टी से लेकर भारतीय जनता पार्टी ने नवादा सीट पर अपना प्रत्याशी दिया, लेकिन मुद्दा जस का तस है। नवादा ने भाजपा से गिरिराज सिंह को कभी सांसद बनाया, फिर लोजपा के चंदन सिंह को बनाया। दोनों ही बाहरी थे। इस बार विवेक सिंह के साथ भी यही चर्चा है। नवादा में खेल बहुत रोचक हो गया है। महागठबंधन अपने संकटों में घिरा है और समाधान नहीं निकाल सका है। दूसरी ओर, भाजपा सामने खड़े राष्ट्रीय जनता दल प्रत्याशी की जाति के वोटरों को साथ लाने में विफल दिख रही है।

जैसे गिरिराज आए-गए, उसी तरह चंदन सिंह के बारे में विचार है। इसकारण लोगों की जुबान पर उनके रहने या नहीं रहने की कोई बात नहीं होती सुनाई देती है। हां, भाजपा प्रत्याशी को जगह-जगह यह जरूर बताना पड़ता है कि वह क्यों बाहरी नहीं हैं और पिछले सांसद की किन खामियों का समाधान वे निकलने को तैयार है।

राजद के विनोद यादव यहां दोनों प्रत्याशियों के मुकाबले कम चर्चा में नहीं हैं। यह चुनाव उनके जीने-मरने का सवाल बन गया है। उनके घुर विरोधी गुट के श्रवण कुमार कुशवाहा को राजद ने टिकट दे दिया। वह पांच-सात करोड़ में राजद का टिकट बिकने की बात भी कह चुके हैं। महागठबंधन भले कुछ दावा करे, लेकिन विनोद यादव ने राजद के वोट बैंक का ठीकठाक हिस्सा प्रभावित किया है।

यह भूमिहार बाहुल लोकसभा सीट है। इसलिए, एनडीए में अमूमन इसी जाति पर दांव खेला जाता है। इस बार विवेक ठाकुर भी इस समूह से आए हैं। भाजपा से भूमिहारों की नाराजगी का असर इस कारण से निष्प्रभावी दिखता ही है, एक और बात यह भी है कि राजद के प्रत्याशी श्रवण कुमार कुशवाहा को इस जाति के लोग पसंद नहीं करते हैं। मतलब, भाजपा के लिए यह सोने पर सुहागा वाली स्थिति है।

बरेली की किसी भी सीट पर नहीं लड़ रही कांग्रेस

बरेली (ईएमएस): बरेली मंडल की लोकसभा सीटों के चुनाव में इस बार ईवीएम पर हाथ का चिह्न नहीं होगा। आजादी के बाद यह पहला मौका है जब कांग्रेस प्रत्यक्ष तौर पर इन सीटों पर चुनाव नहीं लड़ रही है।

गठबंधन की सियासत में पहली बार बरेली मंडल की पांच सीटों सहित लखीमपुर खीरी व धौरहरा लोकसभा पर ईवीएम में हाथ का सिंबल नहीं होगा। बरेली मंडल की पांचों और खीरी की दो लोकसभा सीटों पर गठबंधन के तहत सपा के उम्मीदवार मैदान में हैं।

इसके बाद यहां सपा के साथ कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी ताकत से जुटे हैं। बरेली मंडल की सभी लोकसभा सीट पर आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस का कब्जा रहा था। वर्ष २००९ में अंतिम बार बरेली और धौरहरा सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। इसके बाद कांग्रेस का यहां वजूद खत्म होता चला गया है।

बदायूं सीट पर कांग्रेस ने पांच बार चुनाव जीतकर सबसे ज्यादा समय तक कब्जा जमाने का रिकॉर्ड भी बनाया। आजादी के बाद हुए चुनाव में पार्टी लगातार दो बार जीती। यहां वर्ष १९८४ में अंतिम बार कांग्रेस जीती थी। इसके बाद में सांसद सलीम इकबाल शेरवानी ने अगला चुनाव समाजवादी पार्टी के सिंबल पर लड़ा था।

बरेली लोकसभा सीट पर आजादी के बाद कांग्रेस ने आठ बार जीत दर्ज की। यहां कांग्रेस के सतीश चंद्र पहले सांसद बने और दो कार्यकाल पूरे किए। वर्ष १९७१ में कांग्रेस ने यहां वापसी की, मगर इमर्जेंसी के बाद बदले हालात में सीट जनता पार्टी के खाते में चली गई। वर्ष १९८१ और १९८४ में कांग्रेस की बेगम आबिदा अहमद दिल्ली पहुंची थीं। यहां अंतिम बार वर्ष २००९ में कांग्रेस के प्रवीण सिंह ऐरन ने जीत दर्ज की थी।

आंवला लोकसभा सीट पर कांग्रेस तीन बार जीत दर्ज करने में सफल रही। यहां पहली बार वर्ष १९६७ में सावित्री देवी जीती थीं और अगला चुनाव भी उन्होंने ही जीता था। वर्ष १९८४ में अंतिम बार यहां कल्याण सिंह सोलंकी ने कांग्रेस को जीत दिलाई थी। इसके बाद कांग्रेस इस सीट पर जीत दर्ज नहीं कर सकी।

वहीं पीलीभीत सीट पर कांग्रेस महज चार बार चुनाव जीतने में सफल रही है। यहां पहला चुनाव कांग्रेस के मुकुंद लाल अग्रवाल ने जीता था। इसके बाद वर्ष १९७१, १९८०, १९८४ में भी पार्टी जीत हासिल करने में सफल रही। हालांकि वर्ष १९८९ में मेनका गांधी ने यह सीट कांग्रेस से छीन ली थी। तब से अब तक सपा को इस सीट पर जीत नसीब नहीं हो सकी।

पीलीभीत से भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद के पिता जितेंद्र प्रसाद यहां से चार बार सांसद रहे और जितिन प्रसाद भी वर्ष २००४ में यहां से जीते थे। यहीं इस सीट पर कांग्रेस की अंतिम जीत थी।

लखीमपुर खीरी लोकसभा सीट पर सात बार कांग्रेस को सफलता मिली। पार्टी ने दो बार हैट्रिक लगाई है। वर्ष १९६२ में देश में हुए दूसरे आम चुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की और इसके बाद हैट्रिक लगाई। वर्ष १९८०, ८४ और ८९ में ऊषा वर्मा ने कांग्रेस की दूसरी बार हैट्रिक पूरी की। वर्ष २००९ में जफर अली नकवी के द्वारा कांग्रेस ने यहां अपनी अंतिम जीत दर्ज की थी।

मोदी सत्य नहीं सत्ता के उपासक : प्रियंका गांधी

सहारनपुर (ईएमएस): देश ने सत्ता को नहीं सत्य को पूजा है और मोदी सत्य नहीं सत्ता के उपासक हैं। इस आशय की बात कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार को सहारनपुर में आमजन को संबोधित करते हुए कही। दरअसल आज प्रियंका गांधी सहारनपुर की गोल कोठी से लेकर कुतुबशेर चौराहे तक रोड शो करने निकलीं थीं।

सहारनपुर में तकरीबन एक घंटा चले रोड शो में प्रियंका गांधी ने उपस्थित जनता को संबोधित भी किया। अपने संबोधन के दौरान प्रियंका ने पीएम मोदी पर निशाना साधा और कहा कि इस देश ने सत्ता को नहीं सत्य को पूजा है और मोदी सत्ता को पूजते हैं सत्य को नहीं। दरअसल यहां कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद के समर्थन में वोट की अपील करने प्रियंका पहुंची हुईं थीं। रोड शो के दौरान अपने संबोधन में प्रियंका गांधी ने रामनवमी पर मर्यादा पुरुषोत्तम राम को याद करते हुए कहा कि भगवान राम ने भी सत्य की लड़ाई लड़ी थी। जब उनके सामने रावण युद्ध करने के लिए आया तो सारी शक्ति रावण के पास थी, लेकिन भगवान राम ने नौ व्रत रखे और सारी शक्ति उनके पास आ गई थी। रावण से युद्ध किया और सत्य की जीत हुई।

इससे आगे प्रियंका गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने छोटे व्यापारी, गरीब, मजदूर के लिए कुछ नहीं किया। दूसरी तरफ उन्होंने अडानी-अंबानी का १६ लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने तो हमेशा से ही अमीरों की जेब भरने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रोल बॉन्ड स्कीम भी बीजेपी लेकर आई थी। वह तो इस स्कीम के नाम गोपनीय रखना चाहती थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने नाम उजागर करने का आदेश दे दिया जिससे भाजपा की पोल खुल गई।

अपने संबोधन में प्रियंका गांधी ने कहा कि जो कंपनी १८० करोड़ रुपए का मुनाफा कमा रही है, वह कंपनी ११०० करोड़ रुपए का चंदा बिजेपी को देती है। आखिर यह पैसा कैसे और कहां से आ रहा है? प्रियंका गांधी ने मोदी स्टाइल में ही सवाल किया और कहा कि मोदी ने काला धन लाने का था, क्या आया? उन्होंने कहा, कि जीएसटी जरुर आई, जिसने व्यापारियों की कमर तोड़ कर रख दी। सहारनपुर के व्यापारियों का, लकड़ी का कारोबार ठप हो गया। एक वह समय था जबकि यहां से बड़ी मात्रा में लकड़ी के बने उत्पाद एक्सपोर्ट हुआ करते थे। मोदी सरकार में तो वह भी बंद हो गए। प्रियंका ने कहा कि जनता से मेरी अपील है कि वह सपा-कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी भाई इमरान को भारी मतों से जिताएं। इसके लिए जरुरी है कि आने वाले १९ अप्रैल को अधिक से अधिक मतदान करें।

4 सीटों की अधिसूचना आज, सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू संसदीय क्षेत्र में आज से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया

रांची (ससे): भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव के सिलसिले में आज देश की ९६ सीटों के लिए अधिसूचना जारी की जाएगी। इसमें झारखंड के सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू संसदीय क्षेत्र भी शामिल हैं।

सिंहभूम, खूंटी और लोहरदगा सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है, जबकि पलामू अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व हे। इन चारों सीटों पर प्रत्याशी २५ अप्रैल तक नामजदगी का पर्चा दाखिल कर सकते हैं।

२६ को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी जबकि उम्मीदवार २९ अप्रैल तक नाम वापस ले सकेंगे।

१३ मई को वोटिंग होगी। देश के अन्य लोकसभा क्षेत्रों के साथ ही चार जून को मतों की गणना होगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे।

सिंहभूम सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा की गीता कोड़ा और झारखंड मुक्ति मोर्चा की जोबा मांझी के बीच होने के आसार हैं। यहां १४ लाख से अधिक मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य विधाता होंगे। खूंटी में अर्जुन मुंडा जहां भाजपा के उम्मीदवार हैं वहीं कालीचरण मुंडा कांग्रेस की ओर से भाग्य आजमा रहे हैं।

इस संसदीय क्षेत्र में १३ लाख से अधिक वोटर हैं जो आगामी १३ मई को अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। लोहरदगा में भाजपा के समीर उरांव और कांग्रेस के सुखदेव भगत के बीच सीधा मुकाबला हो सकता है। इस लोकसभा क्षेत्र में १४ लाख से अधिक मतदाता लोकतंत्र के महापर्व में शामिल हो सकेंगे।

उधर पलामू संसदीय क्षेत्र में भाजपा के बी डी राम और राजद की ममता भूईंया के बीच सीधी टक्कर होने की संभावना है।

इस संसदीय क्षेत्र में २२ लाख से अधिक मतदाता हैं जो आगामी १३ मई को बूथों पर पहुंचकर अपनी पसंद नापसंद को जाहिर कर सकेंगे।

पीएम मोदी ने कहा-रोम रोम में राम, ममता बोलीं शांति और समृद्धि के लिए शुभकामनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच सियासी तनातनी जग जाहिर है। तंज कसने में कोई किसी से पीछे नहीं है,केवल मौका चाहिए। राम नवमी पर भी कुछ इसी तरह के बयान सोशल मीडिया पर देखे गए। अयोध्या के राम मंदिर के लिए पीएम मोदी ने अपने अगले पोस्ट में कहा, 'यह पहली राम नवमी है, जब अयोध्या के भव्य और दिव्य राम मंदिर में हमारे राम लला विराजमान हो चुके हैं। राम नवमी के इस उत्सव में आज अयोध्या एक अप्रतिम आनंद में है। ५ शताब्दियों की प्रतीक्षा के बाद आज हमें ये रामनवमी अयोध्या में इस तरह मनाने का सौभाग्य मिला है। यह देशवासियों की इतने वर्षों की कठिन तपस्या, त्याग और बलिदान का सुफल है। उन्होंने आगे कहा, 'प्रभु श्रीराम भारतीय जनमानस के रोम-रोम में रचे-बसे हैं, अंतर्मन में समाहित हैं। भव्य राम मंदिर की प्रथम रामनवमी का यह अवसर उन असंख्य राम भक्तों और संत-महात्माओं को स्मरण और नमन करने का भी है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन राम मंदिर के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। वहीं दूसरी तरफ राम नवमी के शुभ अवसर पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी बधाई दी है। ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, राम नवमी के शुभ अवसर पर सभी को शुभकामनाएं। मैं सभी के लिए शांति, समृद्धि और विकास बनाए रखने की अपील करती हूं। वहीं, राहुल गांधी ने राम नवमी की बधाई देते हुए कहा कि आप सभी को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं। आशा करता हूं यह शुभ पर्व आपके जीवन में खुशियां, संतोष और समृद्धि ले कर आए।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, 'जय श्री राम! सभी को रामनवमी के पावन पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन न्याय, जनकल्याण व स्वाभिमान के लिए संघर्ष का प्रतीक है। प्रभु ने अपने जीवन से सत्य व धर्म के लिए त्याग का सर्वोच्च आदर्श स्थापित कर समूचे विश्व को युगों-युगों तक मार्गदर्शित करने का कार्य किया। इस वर्ष ५०० सालों बाद प्रभु का जन्मोत्सव अपने जन्मभूमि के मंदिर में मनाया जाना सारे रामभक्तों के लिए गौरव का विषय है।

कोल्हान और संथाल परगना प्रमंडल में 19 से हीट वेव चलने की चेतावनी

रांची (ससे): राज्य के कई हिस्सों में १९ अप्रैल से हीट वेव चलने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के वैज्ञानिकों ने बताया है कि १९ अप्रैल से २१ अप्रैल तक कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला खरसावां जिलों में कहीं कहीं हीट वेव की स्थिति देखी जा सकती है। इसी प्रकार संथाल परगना प्रमंडल के दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज में भी लू के हालात रह सकते हैं। इधर पिछले २४ घंटे के दौरान सरायकेला खरसावां में अधिकतम तापमान ४३ दशमलव ७ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो राज्य में सर्वाधिक रहा। राज्य के अधिकांश जिलों का तापमान ४० डिग्री सेल्सियस के ऊपर चल रहा है। तापमान में धीरे-धीरे और दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। १८ से २० अप्रैल के बीच आकाश मुख्यतः साफ रहेगा और मौसम के शुष्क बने रहने के आसार हैं। २१, २२ और २३ अप्रैल को आकाश में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं हालांकि मौसम के शुष्क बने रहने का पूर्वानुमान है।

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का मौका

रांची (ससे): रांची में लोकतन्त्र के महापर्व के मद्देनजर विविध कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है साथ ही अधिक से अधिक लोगों को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए प्रयास हो रहे हैं। रांची के ज़िला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि चुनाव के महापर्व में शामिल होने के लिए जिन्होंने आज तक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज नही किया है, वह २५ अप्रैल तक अपना नाम इसमें दर्ज करा सकते हैं। उन्होने एक फोटो साझा कर मतदान की पुष्टि करने के तरीकों की भी जानकारी साझा की।

भव्य शोभायात्रा निकाली गई

रांची (ससे): रामनवमी के पावन मौके पर बुधवार को रांची में विभिन्न अखाड़े की तरफ से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। रांची के अलग-अलग जगह से लगभग ६०० अखाड़े के महावीरी झंडा आकर्षण का केंद्र रहे। रांची के विभिन्न मार्गो से होते हुए विभिन्न अखाड़ा धारी रांची के अल्बर्ट एक्का चौक के समीप पहुंचे उसके बाद निर्धारित मार्ग से होते हुए ओवरब्रिज समीप तपोवन मंदिर पहुंचे।जुलूस के साथ प्रभु श्री राम माता जानकी भाई लक्ष्मण और संकट मोचन हनुमान की आकर्षक झांकी भी निकाली गई। झांकी में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

रामलला के जन्मोत्सव पर सूर्यदेव ने किया तिलक, 5 मिनट तक दमकता रहा ललाट

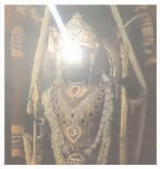

अयोध्या (ईएमएस): आज रामनवमी है मतलब भगवान श्रीराम का जन्मदिन। इस मौके पर जहां तमाम रामभक्तों ने प्रभूश्रीराम का जन्मोत्सव मनाया वहीं भगवान सूर्यदेव ने उनका तिलक किया और ५ मिनिट तक श्रीराम के दमकते ललाट के दर्शन किए। खास मौके पर अयोध्या के राम मंदिर में उस वक्त अद्भुत नजारा देखने को मिला, जब प्रभु श्री राम के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया। यह अलौकिक नजारा भक्ति से भावविभोर कर देने वाला था। जैसे ही प्रभु श्री राम का सूर्य तिलक हुआ।

पूरा मंदिर परिसर श्रीराम के नारे के उद्घोष से गूंज उठा. सोशल मीडिया पर यह सूर्य तिलक का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।अयोध्या में विशेष पूजा में शामिल होने के लिए भक्तों का जनसैलाब उमड़ा है। दोपहर ठीक १२ बजे रामलला का सूर्य तिलक हुआ। सूर्य तिलक होने के बाद भगवान श्री राम की विशेष पूजा की गईं और आरती उतारी गई।

दर्शन का समय बढ़ाकर १९ घंटे कर दिया गया है, जो मंगला आरती से प्रारंभ होकर रात्रि ११ बजे तक चलेगा. चार बार लगने वाले भोग के लिए केवल पांच-पांच मिनट के लिए ही पर्दा बंद होगा। श्री राम जन्मोत्सव का प्रसारण अयोध्या नगरी में लगभग सौ बड़ी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया जाएगा। न्यास के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी लाइव प्रसारण किया गया।प्रशासन ने सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया है। जगह-जगह बैरियर लगाकर श्रद्धालुओं को कतार में दर्शन कराए जाने की व्यवस्था की गई है।

शाह ने रामनवमी पर किए 400 साल पुराने मंदिर में राम के दर्शन

छिंदवाड़ा (ईएमएस): लोकसभा चुनाव का प्रचार करने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह छिंदवाड़ा पहुंचे वहां उन्होंने रोड शो किया था और बुधवार को अमित शाह ने रामनवमी के मौके पर यहां के ऐतिहासिक राम मंदिर में दर्शन किए। वहीं उन्होंने पार्टी के नेताओं को जीत का मंत्र भी दिया।

केंद्रीय मंत्री बुधवार को रामनवमी के अवसर पर छिंदवाड़ा में ऊंट खाना स्थित राम मंदिर पहुंचे और दर्शन किए। यह ऐतिहासिक और लगभग ४०० साल पुराना मंदिर है और इसका शंकराचार्य से करीबी नाता रहा है। बता दे कि केंद्रीय गृहमंत्री मंगलवार शाम छिंदवाड़ा पहुंचे थे। उनका यहां ऐतिहासिक रोड शो हुआ। शाह ने रात्रि विश्राम छिंदवाड़ा में भी किया था।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने अपने एक्स पर भी लिखा कि छिंदवाड़ा रोड शो का जोश और उत्साह भाजपा की प्रचंड जीत का संदेश है। इस अपार स्नेह और समर्थन के लिए छिंदवाड़ा की जनता का मैं हृदय से आभार मानता हूं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि रोड शो के बाद अमित शाह ने मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश के चुनाव प्रभारी महेंद्र सिंह, क्लस्टर प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय के साथ बंद कमरे में काफी देर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने छिंदवाड़ा की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने के साथ कुछ हिदायत दी और नई रणनीति पर काम

वाई प्लस सुरक्षा के बावजूद फायरिंग कर भागे आरोपी, सुरक्षा पर उठे सवाल

मुंबई पुलिस अधिकारियों पर बरसे बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान

मुंबई (ईएमएस): बॉलीवुड के सुपरस्टार और लोगों के भाईजान सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग को लेकर पुलिस प्रशासन, बॉलीवुड और फैन्स सभी चिंतित हैं। वहीं पुलिस भी इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाना चाहती है। पुलिस ने इस मामले में अभी तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस बीच फायरिंग मामले में बड़ी जानकारी हाथ लगी है।

सूत्रों का कहना है कि गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग की घटना के बाद सलमान खान बहुत नाराज हुए थे। सलमान की परिवार को लेकर चिंता बढ़ गई थी।

फायरिंग को लेकर वह मुंबई पुलिस अधिकारियों पर बरस पड़े और कहा कि इतनी सुरक्षा के बाद भी कोई घर से बाहर फायरिंग कर गया तो फिर इस सुरक्षा का क्या फायदा? बता दें कि इस मामले में मुंबई पुलिस ने अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सूत्रों ने बताया कि फायरिंग की घटना के बाद जब मुंबई पुलिस के अधिकारी बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर पहुंचे तो उस समय सलमान खान बहुत गुस्से में थे और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित भी थे।

सलमान ने मुंबई पुलिस द्वारा मुहैया कराई गई सुरक्षा को लेकर अधिकारियों के सामने ही सवाल उठा दिया था। सलमान ने कहा था कि इतनी सुरक्षा होने के बाद भी फायरिंग हुई, तो इस सुरक्षा का क्या मतलब है। सलमान ने कहा कि वाई प्लस की सुरक्षा के बाद भी फायरिंग करने वाले वारदात को अंजाम देकर भाग गए और उनकी सुरक्षा में तैनात जवानों ने कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की । फिर ऐसी सुरक्षा का क्या फायदा।

बता दें कि इस मामले में पुलिस ने जानकारी दी है कि सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग करने वाले गिरफ्तार दो लोगों ने बताया कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कहने पर यह काम किया था और अब तक की गई जांच से पता चला है कि उन्होंने १४ अप्रैल को घटना को अंजाम देने से पहले सलमान खान के घर के आसपास की तीन बार 'रेकी' की थी। गिरफ्तार विक्की गुप्ता और सागर पाल ने बताया कि पैसे के लिए उन्होंने सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि अब तक की जांच में पता चला है कि इन दो लोगों को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने गोलीबारी करने का काम दिया था।

दिल्ली पुलिस अफसरों के सात बच्चे यूपीएससी में पास, पुलिस कमिश्नर ने दी बधाई

नई दिल्ली(ईएमएस): यूपीएससी का रिजल्ट घोषित किया गया है। इसमें कई छात्रों ने अच्छी रैंक हासिल की है। वहीं दिल्ली पुलिस अधिकारियों के बच्चों ने भी संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल कर अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है। दिल्ली के पुलिस अधिकारियों के सात बच्चों को इस परीक्षा में कामयाबी मिली है उनकी इस कामयाबी पर दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने सराहना की है। उन्होंने कामयाबी हासिल करने वाले बच्चों को सोशल मीडिया एक्स पर बधाई दी। पुलिस कमिश्नर ने पोस्ट में लिखा-यूपीएससी२०२४ परीक्षा में कामयाबी हासिल करने के लिए दिल्ली पुलिस परिवार के बच्चों और दोस्तों को बहुत-बहुत बधाई। दिल्ली पुलिस अधिकारियों के जिन बच्चों ने सफलता हासिल की है उनमें सृष्टि डबास ने छठवीं रैंक हासिल की। वहीं रूपल राणा (रैंक २६), मनोज कुमार (रैंक १२०), रिदम आनंद (रैंक १४२), बुद्धि अखिल (रैंक ३२१), उदित कादियान (रैंक ३७५), और नमन जैन (रैंक ६७६) हासिल की है, जिसमें आदित्य श्रीवास्तव ने शीर्ष स्थान हासिल किया।यूपीएससी के अनुसार, कुल १८० उम्मीदवारों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), २०० उम्मीदवारों को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीसी) और ३७ उम्मीदवारों को भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के लिए चुना गया है।

अमिताभ और रहमान होंगे लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई (ईएमएस): सदी के महानायक और बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन और संगीत सम्राट ए.आर.रहमान को अगले सप्ताह मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार मंगेशकर परिवार द्वारा पोषित मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान, पुणे द्वारा दिया जाता है।

जानकारी के अनुसार बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन और संगीत सम्राट ए.आर.रहमान को २४ अप्रैल को एक समारोह में लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा! इससे पहले यह पुरस्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को २०२२ को दिया गया था जबकि इसकी शुरुआत हुई थी। उसके बाद मशहूर गायिका आशा भोसले को २०२३ में दिया गया।

अमिताभ बच्चन और ए आर रहमान के अलावा, अलग-अगलग श्रेणियों में अन्य प्रमुख पुरस्कार विजेता हैं। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मराठी नाटक के रूप में ग़ालिब, जलगांव के एनजीओ दीपस्तंभ फाउंडेशन मनोबल, साहित्यकार मंजिरी फडके, हास्य अभिनेता अशोक सराफ, अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे, गायक रूप कुमार राठौड़, पत्रकार एस.बी. तोरसेकर, अभिनेता अतुल परचुरे, निर्माता-अभिनेता रणदीप हुडा।

पुरस्कार विजेताओं की सूची की घोषणा हृदयनाथ मंगेशकर और उषा मंगेशकर ने की और सम्मान २४ अप्रैल को आशा भोंसले के हाथों प्रदान किया जाएगा। प्रतिष्ठित गायिका विभावरी आप्टे-जोशी और उनकी टीम इस समारोह में एक प्रस्तुति के जरिए लता मंगेशकर को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी, जिसका आयोजन प्रतिष्ठान और हृदयेश आर्ट्स द्वारा किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अमल, समलैंगिक समुदाय की समस्या को लेकर समिति गठित

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र ने समलैंगिक समुदाय के मुद्दों पर गौर करने के लिए कैबिनेट सचिव की अगुवाई में एक समिति गठित की है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष १७ अक्टूबर को केंद्र से समलैंगिक समुदाय के मुद्दों पर गौर करने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित करने को कहा था जिसके अनुपालन में यह समिति गठित की गई है।

अधिसूचना के अनुसार, समिति समुदाय से जुड़े मुद्दों को देखने तथा केन्द्र और राज्य सरकार को इसतरह कदमों के बारे में सुझाव देगी जिससे समलैंगिक समुदाय को वस्तुओं और सेवाओं तक बिना किसी भेदभाव तक पहुंच सुनिश्चित हो सके। यह समिति उठाए जाने वाले कदमों की भी जांच करेगी ताकि समलैंगिक समुदाय को हिंसा, उत्पीड़न आदि के खतरे का सामना न करना पड़े।

केंद्रीय गृह सचिव, विधायी सचिव, स्वास्थ्य सचिव, महिला एवं बाल विकास सचिव और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव इस समिति के सदस्य हैं।

अधिसूचना के अनुसार, समिति जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों तथा अन्य अधिकारियों की भी मदद ले सकती है।

भारत के युवाओं में 'विराट कोहली वाली मानसिकता

आरबीआई के पूर्व गवर्नर का दावा-युवा भारतीय अपना कारोबार विदेश में कर रहे शिफ्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का दावा किया कि भारत से बड़ी संख्या में युवा भारतीय अपना कारोबार विदेश में स्थापित कर रहे हैं। राजन का कहना है कि वे भारत में खुश नहीं हैं। राजन का मानना है कि भारत के युवाओं में 'विराट कोहली मानसिकता' है और वे उन स्थानों पर चले जाते हैं जहां उन्हें अंतिम बाजारों तक पहुंच आसान लगता है।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर से जब पूछा कि बहुत सारे भारतीय निवेशक सिंगापुर या सिलिकॉन वैली जा रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि वे विश्व स्तर पर और अधिक विस्तार करना चाहते हैं। राजन ने कहा कि मुझे लगता है कि यह युवा भारत है जिसकी मानसिकता विराट कोहली जैसी है। जिसमें मैं दुनिया में किसी से पीछे नहीं हूं।

उन्होंने कहा कि एक अर्थशास्त्री ने कहा कि मानव पूंजी में सुधार और उनके स्किल सेट को बढ़ाने पर ध्यान देने की जरूरत है। राजन ने कहा कि हमें यह पूछने की ज़रूरत है कि ऐसा क्या है जो उन्हें भारत के बजाय विदेश जाने के लिए मजबूर करता है? वास्तव में जो बात दिल को छू लेने वाली है वह इनमें से कुछ उद्यमियों की दुनिया को बदलने की इच्छा को देखना है और उनमें से कई भारत में रहकर खुश नहीं हैं। २०४७ तक भारत को एक उन्नत अर्थव्यवस्था बनाना इसमें क्या होगा विषय पर राजन ने कहा कि मुझे लगता है कि हम इसके लोकतांत्रिक लाभांश के बीच में हैं, लेकिन समस्या यह है कि हम लाभ नहीं उठा रहे हैं। पूर्व आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मैंने ६ प्रतिशत की वृद्धि की बात कही है अगर आप सोचते हैं कि अभी हम यही स्थिति में हैं, तो सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों में गड़बड़ी को दूर कर दें। वह ६ प्रतिशत जनसांख्यिकीय लाभांश के बीच में है।

मनमोहन सिंह और नरसिम्हा राव की मोदी सरकार ने खुलकर तारीफ की

नई दिल्ली (ईएमएस): पूर्व प्रधानमंत्री द्वय डॉ मनमोहन सिंह और नरसिम्हा राव के कामों की मोदी सरकार ने जमकर तारीफ की है। वो भी देश की सबसे बड़ी अदालत के सामने।

सुप्रीम कोर्ट में देश के पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव और उनके तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह की प्रशंसा की है। मोदी सरकार ने देश की सबसे बड़ी अदालत में १९९१ में लाइसेंस राज को खत्म करने और आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत करने के लिए दोनों ही दिग्गज कांग्रेसी नेताओं की प्रशंसा की है।

आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने हाल ही में नरसिम्हा राव को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्नसे भी नवाजा है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली नौ जजों की पीठ को बताया कि अधिनियम के अनुसार कई महत्वपूर्ण उद्योगों के विकास और विनियमन तथा पूरे देश पर प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को केंद्र के नियंत्रण में लाना आवश्यक है।,कोविड-१९ का उदाहरण देते हुए मेहता ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय हित में अपनी नियामक शक्ति का उपयोग कर सकती है, जैसा कि उसने सैनिटाइजर के निर्माण के लिए अधिसूचित मूल्य पर इथेनॉल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के आदेश जारी करके किया था। नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह द्वारा शुरू किए गए आर्थिक सुधारों के बाद कंपनी कानून और एमआरटीपी अधिनियम सहित कई कानूनों को उदार बनाया गया। इनके बाद अगले तीन दशकों में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेतृत्व वाली सरकारों ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, १९५१ में संशोधन करना आवश्यक नहीं समझा। वह पीठ के एक सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें जस्टिस हृषिकेश रॉय, एएस ओका, बीवी नागरत्ना, जेबी पारदीवाला, मनोज मिश्रा, उज्ज्वल भुइयां, सतीश सी शर्मा और ऑगस्टीन जी मसीह भी शामिल थे। पीठ ने आईडीआरए, १९५१ की तीखी आलोचना करते हुए इसे पुरातनपंथी बताया था। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ औद्योगिक अल्कोहल के उत्पादन, विनिर्माण, आपूर्ति और विनियमन के संबंध में केंद्र और राज्यों की शक्तियों के अधिव्याप्त होने के मुद्दे की पड़ताल कर रही है।

सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा राज्यों के खिलाफ फैसला सुनाए जाने के बाद पीठ के समक्ष कई याचिकाएं आई।वर्ष १९९७ में सात न्यायाधीशों की पीठ द्वारा यह निर्णय दिए जाने के बाद कि केंद्र के पास औद्योगिक अल्कोहल के उत्पादन पर नियामक शक्ति होगी, साल २०१० में यह मामला नौ न्यायाधीशों की पीठ के पास भेजा गया था।

संपादकीय

संकल्प पत्र को लेकर विपक्ष का आरोप- प्रत्यारोप शुरू

राजनीतिक दलों के चुनावी घोषणापत्र एक प्रकार से उस दल के विभिन्न मुद्दों पर दृष्टिकोण और वचनबद्धता का दस्तावेज होते हैं। उनके आधार पर लोगों को यह निर्णय करने में मदद मिलती है कि किस पार्टी की सरकार उनके हितों के लिए काम करेगी। लगभग सभी पार्टियां अपने घोषणापत्र जारी कर चुकी हैं। भाजपा ने भी अपना संकल्प पत्र जारी कर दिया।

इसका लोगों को काफी समय से इंतजार था। इसलिए कि सत्ताधारी दल की घोषणाओं पर सबसे अधिक नजर रहती है। भाजपा अपने घोषणापत्र को 'संकल्प पत्र' कहती है, इस बार उसमें 'मोदी की गारंटी' पद और जोड़ दिया गया है। प्रधानमंत्री कई महीनों से सार्वजनिक मंचों से कुछ कार्यों और योजनाओं की गारंटी का एलान करते आ रहे हैं।

वे बातें संकल्प पत्र में भी शामिल कर ली गई हैं। इसमें पिछले संकल्प पत्रों में किए गए वादों को पूरा करने का भी उल्लेख है, जिसमें अनुच्छेद तीन सौ सत्तर, राम मंदिर आदि शामिल हैं। मगर अगली सरकार में ज्यादातर पुरानी योजनाओं को ही आगे बढ़ाने और उनका दायरा विस्तृत करने पर जोर है। मसलन, आयुष्मान योजना, जन औषधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुद्रा योजना, लखपती दीदी, अगले पांच साल तक मुफ्त राशन आदि।

इस पर विपक्ष ने यह कहते हुए निशाना साधना शुरू कर दिया है कि संकल्प पत्र में उन चुनिंदा वादों को बड़ी चतुराई से छिपा दिया गया है, जो पिछले चुनावों में किए गए थे। इसके उदाहरण के रूप में वे गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की आय दोगुनी करने का मुद्दा उठा रहे हैं। दरअसल, पहले ही कार्यकाल में भाजपा ने हर वर्ष

दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था। वह वादा अभी तक पूरा नहीं हो सका है। बेरोजगारी का स्तर चिंताजनक बन चुका है। भाजपा ने अपने ताजा संकल्प पत्र में भी दोहराया है कि उसके कार्यकाल में पच्चीस करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले, मगर सच्चाई यह भी है कि करीब बयासी करोड़ लोग मुफ्त राशन पर गुजारा करने को अभिशप्त हैं। अगर रोजगार के अवसर उपलब्ध होते, तो लोग खुद मेहनत करके कमाते और खाते। महंगाई से पार पाने में भारतीय रिजर्व बैंक के पसीने छूट रहे हैं। किसानों की आय अगर सचमुच दोगुनी हो गई होती तो इस तरह आंदोलन न खड़े होते, जिन पर काबू पाने के लिए सड़कों पर दीवारें खड़ी करनी पड़ीं और आंसू गैस के गोले बरसाने पड़े। हालांकि विपक्ष के इन आरोपों के जवाब में भाजपा विकास का जो नक्शा पेश कर रही है, उसमें युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों के लिए गारंटीशुदा योजनाएं हैं। संकल्प पत्र में युवाओं के लिए आधारभूत ढांचे, विनिर्माण, स्टार्टअप, खेल, निवेश, उच्चस्तरीय सेवाओं और पर्यटन के जरिए रोजगार के अवसर पैदा करने का नक्शा है।

विपक्ष का कहना है कि सरकारी विभागों में खाली पदों पर भर्तियां करने का वादा भाजपा निजी उद्यम के जरिए रोजगार उपलब्ध कराने का भरोसा दिला रही है। इस तरह विकास की क्या सूरत बन सकती है? संकल्प पत्र में कही बातों के अलावा चुनावी मंचों से जो बातें कही जा रही हैं, वे अलग हैं। एक देश, एक चुनाव और समान नागरिक संहिता पर बल है।

भ्रष्टाचार मिटाने पर सबसे अधिक जोर दिया जा रहा है। मगर भ्रष्टाचार के प्रति प्रतिबद्धता को लेकर खुद सरकार के कामकाज पर गहरे सवाल उठ रहे हैं। देखना है, पक्ष और विपक्ष के इन विश्लेषणों से परे संकल्प पत्र आम मतदाता पर कितना प्रभाव छोड़ पाता है।

सोशल मीडिया से...

जो लोग संविधान बदलने का कह रहे हैं उन्होंने कई दशकों तक काम किया, लेकिन वो कभी बाबा साहेब का संविधान कश्मीर में लागू नहीं करवा पाए। ये मोदी है, आज जम्मू-कश्मीर में भी संविधान आन-बान और शान से लागू हो गया है। ये कहते थे 370 हटी तो कश्मीर में आग लग जाएगी। आज आर्टिकल-370 का एंड हो चुका है। भारत को बांटने वालों को जलन हो रही है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद दम तोड़ रहा है। काफी लंबे समय से पथराव और गोलीबारी की कोई घटना सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान जम्मू-कश्मीर की तस्वीर ही बदल गई है। विकास ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। जिस जगह बम धमाके, गोलीबारी की घटनाएं आम होती थीं आज वहां विकास हो रहा है।

अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

मोदी में देश चलाने की समझ नहीं है। जब लोग कोविड से मर रहे थे, तब पीएम कह रहे थे थाली बजाओ। इसपर मीडिया ने उन्हें जीनियस कहा। अगर देश के किसी अन्य नागरिक ने थाली बजाओ कहा होता तो उसे लाठी से पीटा जाता या जेल में डाल दिया जाता।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

पहले बेईमानों पर कार्रवाई नहीं होती थी। ईडी, सीबीआई कार्रवाई करती थी तो स्कूल के बेग में ही उनकी काली कमाई बन जाती थी, लेकिन अब बेईमानों की काली कमाई से हजारों करोड़ों आए हैं। अब चारों दिशाएं शुभ समाचार ला रही है, हर तरफ मोदी, मोदी, मोदी है।

डॉ. मोहन यादव, सीएम मप्र

आज का कार्टून

मोदी की गारंटी में किसानों के लिए कुछ भी नहीं

भाजपा का घोषणा पत्र सिर्फ यह दावा करता है कि हमने प्रमुख फसलों के लिए एम.एस.पी. में अभूतपूर्व वृद्धि की है। हम समयबद्ध तरीके से ही एम.एस.पी. में वृद्धि को जारी रखेंगे। दरअसल मोदी सरकार द्वारा एम.एस.पी. में अभूतपूर्व वृद्धि का दावा झूठा है। सच यह है कि 23 में से 22 फसलों में एम.एस.पी. की बढ़ौतरी की दर मोदी सरकार की तुलना में मनमोहन सिंह सरकार में कहीं ज्यादा थी। भाजपा के घोषणा पत्र की भाषा से स्पष्ट है कि वह न तो एम.एस.पी. के स्वामीनाथन कमीशन के फार्मूले को मानने को तैयार है और न ही एम.एस.पी. को किसान का कानूनी हक बनाने के लिए तैयार है। यह घोषणा पत्र देश को दालों और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने और दुनिया के लिए मोटे अनाज का उत्पादन करने की बात करता है, लेकिन यहां भी किसानों को कम से कम इन फसलों में एम.एस.पी. दिलाने के वादे से भी गुरेज करता है।

योगेन्द्र यादव

'भाजपा का संकल्प-मोदी की गारंटी 2024' नामक दस्तावेज किसानों के लिए खतरे की घंटी है। चुनाव के पहले चरण के मात्र चार दिन पहले जारी हुआ भाजपा का यह घोषणा पत्र किसानों के लिए खुली घोषणा है कि अगर भाजपा तीसरी बार सत्ता में आती है तो खेती और किसानों के लिए कोई उम्मीद नहीं है। आम तौर पर घोषणापत्र में पार्टियां अच्छी बातें कहती हैं, बढ़-चढ़ कर दावे और वादे करती हैं। इस बार भाजपा के घोषणा पत्र से पहले अन्य अधिकांश विपक्षी पार्टियां अपना घोषणा पत्र जारी कर चुकी थीं जिसमें उन्होंने किसानों के लिए अनेक ठोस वादे किए हैं। भाजपा चाहती तो इनमें से कुछ बिन्दुओं को अपना सकती थी या फिर उनसे दो कदम आगे जा सकती थी।

ऐसा करने की बजाय किसानों के तमाम मुद्दों और किसान आंदोलन की सभी मांगों पर भाजपा की चुप्पी से जाहिर है कि या तो किसान आंदोलन के हाथों हुआ अपमान मोदी जी को भूला नहीं है या फिर भाजपा को भरोसा है कि किसान का वोट लेने के लिए खेती और किसानी के बारे में कुछ भी कहने या करने की जरूरत नहीं है। भाजपा मुद्दों की जगह मोदी और जवान-किसान की जगह हिन्दू-मुसलमान से काम चलाना चाहती है। इस दस्तावेज की शुरूआत में ही भाजपा सरकार के 'सर्वस्पर्शी समावेशी' सुशासन और विकास के 10 वर्ष के बारे में कुछ दावे किए गए हैं और फिर अलग-अलग क्षेत्रों के बारे में कुछ वादे। यहां दावों के बारे में सबसे महत्वपूर्ण बात है भाजपा की चुप्पी। वर्ष 2016 से भाजपा ने लगातार देश के किसानों को उनकी आय दोगुना करने की डुगडुगी बजाई थी। पिछले चुनावी घोषणा पत्र में भी इस वादे को दोहराया गया था। लेकिन इस 6 वर्षीय योजना की मियाद 2022 में पूरी होने के बाद भाजपा ने इस बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है। न तो अपने वादे को दोहराया और न ही देश को हिसाब दिया कि आखिर यह वादा पूरा क्यों नहीं हो सका।

इसके बदले भाजपा ने 11 करोड़ किसान परिवारों को सालाना किसान सम्मान निधि के तहत 6000 रुपए देने का दावा दोहराया है। यहां भी सच में किफायत से काम लिया गया। यह नहीं बताया कि 14 करोड़ किसान परिवारों की घोषणा की जगह कभी 9 करोड़ कभी 10 तो कभी 11 करोड़ परिवारों को क्यों मिली। इस बड़े सच से भी मुंह चुराया गया कि इस योजना की घोषणा के बाद से ही महंगाई का सूचकांक 33 प्रतिशत बढ़ गया है। यानी 2019 में 6000 रुपए की राशि की जो कीमत थी उसे बनाए रखने के लिए आज 9000 रुपए की जरूरत है। मीडिया में खबर चल रही थी कि मोदी सरकार या तो अपने अंतिम बजट में या फिर घोषणा पत्र में किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाने की घोषणा करेगी, लेकिन घोषणा पत्र में इस सवाल पर भी पूरी तरह चुप्पी बनाए रखी है।

किसानों की आमदनी फसल के दाम से जुड़ी है। देश भर के किसान फसल के वाजिब दाम की गारंटी को लेकर आंदोलनरत हैं। इस सवाल पर विपक्षी

पार्टियां अपना रुख साफ कर चुकी हैं। कांग्रेस का घोषणा पत्र साफ शब्दों में सभी किसानों को स्वामीनाथन कमीशन फार्मूले के हिसाब से सम्पूर्ण लागत पर डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एम.एस.पी. की कानूनी गारंटी देने का वादा करता है। साथ में कृषि मूल्य आयोग को वैधानिक दर्जा देने का आश्वासन भी देता है ताकि एम.एस.पी. तय करते समय उस पर सरकार का दबाव न रहे। यही वादा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल जैसे विपक्षी दलों के घोषणा पत्र में दोहराया गया है। समाजवादी पार्टी का घोषणा पत्र तो एक कदम आगे बढ़कर दूध और अन्य तमाम कृषि उत्पादों को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में लाने का वादा करता है। इस बार पहली बार देश के प्रमुख राष्ट्रीय दलों के बीच किसान आंदोलन की इस महत्वपूर्ण मांग पर सर्वसम्मति बनती दिखाई देती है। लेकिन मोदी की गारंटी में ही इसके लिए कोई जगह नहीं है।

भाजपा का घोषणा पत्र सिर्फ यह दावा करता है कि हमने प्रमुख फसलों के लिए एम.एस.पी. में अभूतपूर्व वृद्धि की है। हम समयबद्ध तरीके से ही एम.एस.पी. में वृद्धि को जारी रखेंगे। दरअसल मोदी सरकार द्वारा एम.एस.पी. में अभूतपूर्व वृद्धि का दावा झूठा है। सच यह है कि 23 में से 22 फसलों में एम.एस.पी. की बढ़ौतरी की दर मोदी सरकार की तुलना में मनमोहन सिंह सरकार में कहीं ज्यादा थी। भाजपा के घोषणा पत्र की भाषा से स्पष्ट है कि वह न तो एम.एस.पी. के स्वामीनाथन कमीशन के फार्मूले को मानने को तैयार है और न ही एम.एस.पी. को किसान का कानूनी हक बनाने के लिए तैयार है। यह घोषणा पत्र देश को दालों और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने और दुनिया के लिए मोटे अनाज का उत्पादन करने की बात करता है, लेकिन यहां भी किसानों को कम से कम इन फसलों में एम.एस.पी. दिलाने के वादे से भी गुरेज करता है। इस सवाल पर 'इंडिया' गठबंधन किसान आंदोलन के साथ खड़ा है और भाजपा उसके खिलाफ।

इसी तरह भाजपा का घोषणा पत्र किसानों पर कर्ज के बोझ के सवाल पर भी पूरी तरह चुप्पी साध गया है जबकि सरकार के अपने दस्तावेज बताते हैं कि देश के बहुसंख्यक किसान कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। जहां समाजवादी पार्टी का घोषणा पत्र कर्ज मुक्ति की बात करता है तो कांग्रेस का घोषणा पत्र कर्ज को स्थायी समाधान करने के लिए एक आयोग स्थापित करने का वादा करता है जो समय-समय पर कर्ज के बोझ का मूल्यांकन कर इस बोझ को कम या खत्म करने का काम करेगा।

फसल के नुकसान की समस्या को लेकर भाजपा का घोषणा पत्र आश्वस्त दिखाई देता है कि फसल बीमा योजना से ही उसका समाधान कर दिया गया है, रहा-सहा काम बेहतर तकनीक से कर दिया जाएगा। जबकि हकीकत यह है कि इस नई योजना के आने के बाद फसल बीमा पर सरकारी खर्च और बीमा कम्पनियों का मुनाफा तो बढ़ा है लेकिन इसका लाभ उठाने वाले किसानों की संख्या पहले से भी कम हुई है। कांग्रेस का घोषणा पत्र इस तथ्य को स्वीकार करते हुए सभी किसानों को फसल बीमा के दायरे में लाने और नुकसान के 30 दिन के भीतर बीमे का भुगतान करने का वादा करता है।

देश के किसानों की इन प्रमुख मांगों पर कुछ ठोस वादा करने की बजाय इस घोषणा पत्र के चार पन्नों में मोदी सरकार ने उन सब जुमलों को दोहराया है जिनके जरिए उसने पिछले साल से किसानों का पेट भरने की कोशिश की है। श्री अन्न सुपरफूड, मैनो यूरिया, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टोरीज क्लस्टर फसलों का विविधीकरण और प्राकृतिक खेती का विस्तार, लेकिन यहां भी भाजपा ने ध्यान रखा है कि किसी भी बिन्दू पर कोई ठोस वादा न किया जाए। बस हर मुद्दे को गिना दिया है तथा दावा किया है कि भाजपा सरकार ने इस विषय में बहुत कुछ किया है और बस कह दिया है कि आगे और भी बहुत कुछ किया जाएगा।

जाहिर है मोदी जी ने अपनी पिछली गलतियों से सबक लिया है। पहले किसान को एम.एस.पी. देने का वादा और उनकी आमदनी डबल करने का वादा कर मोदी जी फंस गए थे। इसलिए इस बार तय किया गया है कि कोई भी ऐसा वादा न किया जाए जिसका बाद में हिसाब देना पड़े। अब सवाल यह है कि क्या पिछले 10 सालों से इस जुमलेबाजी का बोझ झेल रहा किसान भी कोई सबक सीखेगा या नहीं। शायद पिछले कुछ दिनों से ही हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा भाजपा से हिसाब मांगने और उसके नेताओं का प्रवेश रोकने की खबरें कुछ इशारा कर रही हैं।

मौन मतदाताओं ने बढ़ाई राजनीतिक दलों की परेशानी

जिन इलाकों में पहले दौर में मतदान होना है, निश्चित तौर पर वहां चुनाव प्रचार तेज है। जिन राजनीतिक दलों की साख और ताकत दांव पर लगी है, वे और उनके नेता इन इलाकों में चुनाव प्रचार के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि इतने प्रचार अभियान के बावजूद अधिकांश मतदाता मौन है। सोशल मीडिया के मंचों पर अपने राजनीतिक विचारों को उगलते रहने वाले लोगों, ट्रोलरों और राजनीति के उत्साही कार्यकर्ताओं को छोड़ दें तो मोटे तौर पर मतदाता ने चुप्पी साध रखी है। ऐसे में राजनीतिक दलों की धड़कनें बढ़ना स्वाभाविक है। मतदाता जब चुप होता है तो उसके मन की थाह लगाना आसान नहीं होता।

उमेश चतुर्वेदी

सोशल मीडिया के मंचों को छोड़ दें तो आज का मतदाता दशक-डेढ़ दशक के मतदाताओं की तुलना में कहीं ज्यादा सयाना हो चुका है। ज्यादातर मतदाताओं की राजनीतिक दलों को लेकर अपनी पसंद और नापसंद है। चूंकि उसके पास अब सूचनाओं और जानकारी के कई संसाधन मौजूद हैं, लिहाजा वह पहले के वोटरों की तुलना में जानकारियों से कहीं ज्यादा लैस है।

आज तकरीबन सबके हाथ में मोबाइल के रूप में जादुई बक्सा आ गया है, जिसके जरिए मनोरंजन और सूचनाओं की अबाध बारिश हो रही है, इसलिए आज का मतदाता पहले की तुलना में कहीं ज्यादा सूचनाओं से लैस है। हां, एक खतरा जरूर है कि सोशल मीडिया माध्यमों के जरिए फेक न्यूज और जानकारियां भी आ रही हैं, इसलिए कुछ मतदाताओं की सोच इसकी वजह से भी प्रभावित है। लेकिन मोटे तौर पर कह सकते हैं कि आज का मतदाता पहले की तुलना में कहीं ज्यादा जागरूक हो गया है, इसलिए वह कहीं ज्यादा सचेत भी है। वैसे जब भारत में साक्षरता कम थी, तब भी मतदाता बेहद जागरूक था। इसका उदाहरण है, 1967 का चुनाव। तब तक देश में विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव एक साथ होते थे। तब मतपत्र पेटियों में डाला जाता था। विधानसभा और लोकसभा चुनाव की मतपेटियां साथ-साथ रखी जाती थीं। बेशक विधानसभा और लोकसभा के लिए अलग-अलग मतपत्र होते थे। उस चुनाव में मतदाताओं ने उत्तर और पूर्वी भारत समेत आठ राज्यों की विधानसभा में कांग्रेस को हरा दिया था, जबकि लोकसभा के लिए कांग्रेस को ही समर्थन दिया था। तब से लेकर अब तक साक्षरता दर बढ़ चुकी है। आज अस्सी फीसद से ज्यादा लोग साक्षर हैं, सूचना और संचार के कई साधन हैं, लिहाजा वोटर भी ज्यादा सचेत है।

तो क्या यह मान लिया जाये कि वोटरों में उत्साह की कमी या उनकी चुप्पी की वजह मतदान और राजनीति को लेकर उपजा मोहभंग है या फिर कुछ और। भारतीय मतदाता के स्वभाव की ऐतिह्यासिक परख करें तो मोहभंग की स्थिति नहीं है। आमतौर पर मतदाताओं में ऐसी सोच तब आती है, जब उसे लगता है कि राजनीतिक यथास्थिति बदलने नहीं जा रही।

ऐसी सोच सरकार विरोधी और समर्थक दोनों तरह के मतदाताओं की हो जाती है। समर्थक मान चुका होता है कि उसकी पसंदीदा मौजूदा सरकार पर कोई खतरा नहीं है तो वह चुप्पी साधने और हालात पर पैनी निगाह बनाए रखने की कोशिश करता है। वहीं सरकार विरोधी मतदाता को लगने लगता है कि उसकी कोशिश से भी बदलाव नहीं होने जा रहा तो वह मुखर

होकर सरकार समर्थकों से वैर मोलने से परहेज करने लगता है।

कई बार मतदाताओं की चुप्पी के पीछे राजनीतिक दलों को सबक सिखाना भी होता है। तब समझदार मतदाता सोच रहा होता है कि वक्त पर सबक सिखाएंगे, तब तक चुप्पी साधे रखना है। सवाल यह है कि मौजूदा चुनाव अभियान के दौरान मतदाताओं की प्रतिक्रियाहीनता के पीछे पहली स्थिति जिम्मेदार है या फिर दूसरी स्थिति। मतदाताओं के मन को भांपने की कोशिश करने वाले जानकारों का मानना है कि चुप्पी के ज्यादातर मामलों में पहली ही स्थिति जिम्मेदार है।मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में ज्यादातर जगहों पर विपक्ष चुनाव लड़ने की बजाय रस्म निभाते दिख रहा है, इसलिए उसके समर्थक मतदाता ने चुप्पी साध ली है, वहीं सरकार समर्थक मतदाता मान कर ही चल रहा है कि मोदी के सामने कोई खड़ा नहीं है, इसलिए वह निश्चिंतता में चुप्पी साधे हुए है।

लेकिन इस प्रक्रिया में खतरा भी है। विशेषकर सत्ता पक्ष के लिए ऐसे खतरे ज्यादा होते हैं। ऐसी चुप्पी के दौरान मतदाता मान लेता है कि वह जाए या ना जाए, उसकी पसंदीदा सरकार को वोट मिल ही रहे हैं। 2004 में ऐसी ही मानसिकता थी। ज्यादातर मतदाता अटल बिहारी वाजपेयी सरकार का समर्थक था, लेकिन स्थानीय स्तर पर चुप था। हां, कुछ क्षेत्रों के मतदाता वाजपेयी की पार्टी और समर्थक वाले सांसदों से निराश जरूर थे, इसलिए उन्होंने वाजपेयी के बजाय स्थानीय सांसद को सबक सिखाने के अंदाज में मतदान किया। जिसका असर हुआ कि वाजपेयी की लोकप्रियता के बावजूद उनकी सरकार नहीं लौट पाई। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए को शायद 2004 का वाकया याद है, इसीलिए उसने जानफूंक रखी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो आखिरी दम तक अपनी कोशिश जारी रखते हैं। इसलिए 73 साल में भी वे जहां सरकारी कामकाज जितनी मुस्तैदी से निबटा रहे हैं, उतनी ही मेहनत चुनाव प्रचार पर कर रहे हैं। उनका साथ बीजेपी के वे तो सारे स्टार प्रचारक दे रहे हैं। लेकिन अमित शाह ने भी अपने तरकश को तमाम तरह के तीरों से सजा लिया है और लगातार चुनावी तीर से मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं विपक्षी नेताओं की तरफ से भी हो रही है। लेकिन उनका आक्रमण देखकर ऐसा नहीं लग रहा कि वे प्रधानमंत्री मोदी से सरकार छीनने की लड़ाई लड़ रहे हैं, बल्कि वे मोदी की ताकत को सीमित करना चाहते हैं। मतदाताओं की चुप्पी को मोदी और अमित शाह ने जहां अपने लिए मौके के रूप में लिया है, वहीं विपक्ष की ओर से ऐसा लगता है कि वह रस्म निभा रहा है। मतदाता भले ही मौन रहें, लेकिन वोटिंग केंद्र पर ईवीएम का बटन दबाते वक्त उनकी चुप्पी टूटनी ही चाहिए। चुनाव आयोग लोकतंत्र के हित में इस चुप्पी को तोड़ने के लिए लगातार अभियान चला रहा है, वहीं प्रधानमंत्री मोदी एक और कार्यकाल मांगने के लिए मतदाताओं के मन की गांठ खोलने में जुटे हैं। अमित शाह लगातार उनका साथ दे रहे हैं। जबकि विपक्षी मोर्चे की ओर से मोदी-शाह जैसी तेज कोशिश कम नजर आ रही है। किसकी कोशिश कितनी कामयाब रहेगी, इसका पता तो चार जून को नतीजों के साथ चलेगा। लेकिन इतना तय है कि मतदाता अगर चुप रह गया तो लोकतंत्र का सबसे ज्यादा नुकसान होगा।

शादी या किसी भी पारंपरिक त्योहारों की बात हो या जाना हो किसी पार्टी में, मेहँदी के बिना मेकअप पूरा नहीं होता। सोलह श्रृंगार में प्रतिष्ठित मेहँदी की रंगत भी समय के साथ काफी बदली है। अब तो मेहँदी लगाने से लेकर उसे तैयार करने के तरीके में खासा बदलाव आ गया है। बदलाव की इस दौड़ में ग्लिटर और टैटू भी मेहँदी की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

मेहँदी है रचने वाली

हाथों में गहरी लाली

मेहँदी परंपरा से अधिक अब फैशन बन गई है और जरूरत, रचाने के लिए मेहँदी उपलब्ध समय, समारोह के प्रकार के हिसाब से अलग- अलग रूपों में लगाई जाने लगी है। मेहँदी के क्षेत्र में हुए सारे परिवर्तन आज की महिलाओं ने न सिर्फ अपना लिए हैं बल्कि अब ये सब फैशन के अंग हो गए हैं।

ग्लिटर मेहँदी का ग्लो

फैशनेबल मेहँदी के रूप मे ग्लिटर मशहूर है। यूँ ग्लिटर मेहँदी मे मेहँदी का कोई उपयोग नहीं होता। यह शुद्धरूप से केमिकल से बनी होती है, पर तुरन्त लग जाने और ग्लो करने के साथ ही यह हर कलर में उपलब्ध होती है। इसलिए मैचिंग के दीवाने इसका खूब उपयोग करते हैं। जिस कलर की ड्रेस पहनी हो उसी कलर की मेहँदी भी लगानी हो तो ग्लिटर मेहँदी सबसे अधिक उपयुक्त होती है। अब इसके साथ स्टोन का भी चलन है। ग्लिटर के साथ ही मैचिंग स्टोन या कंट्रास्ट स्टोन लगाकर मेहँदी को आकर्षक बनाया जाता है।

टैटू मेहँदी, झटपट मेहँदी

यूँ टैटू मेहँदी से काफी अलग है पर इसने मेहँदी का स्थान ले लिया है। इसे झटपट मेहँदी भी कहते हैं। मेहँदी के रूप में प्रयुक्त टैटू मेहँदी वाली डिजाइन मे मिलने लगे हैं। बस पाँच मिनट मे तैयार इस मेहँदी का प्रयोग हाथों से अधिक पेट, कमर, गले और बाजू मे किया जाता है। टैटू पारंपरिक और अरेबियन दोनों प्रकार के डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। पेड से पत्ते तोडकर सिल पर पीसने और हाथों में रचाने का सिलसिला तो पुराना हो ही चुका है अब तो पैक मेहँदी पाउडर की जगह तैयार कोन भी मिलने लगी हैं। बस कोन खरीदें और लगाना शुरू करें।

पारंपरिक का जलवा

वैसे तो फैशन के हिसाब से मेहँदी की डिजाइनों में काफी बदलाव आया है। जब बात त्योहारों और शादियों की हो तो पारंपरिक डिजाइन ही पसंद किए जाते है। शादियों मे दुल्हन अभी भी पारंपरिक मेहँदी ही प्रयोग मे लाती है। पारंपरिक मेहँदी भरावट वाली होती है और इससे हाथ या पैर पूरे भरे-भरे दिखते है।

रचने के बाद भरावट वाला हिस्सा अधिक सुन्दर दिखता है। इस डिजाइन मे आजकल सजावट के लिए ऊपर से ग्लिटर या स्टोन का भी उपयोग होता है, पर बेस-मेहँदी डिजाइन में पारंपरिक डिजाइनें होती हैं।

राजस्थानी का राज

राजस्थानी शैली की मेहँदी एक प्रकार से पारंपरिक मेहँदी डिजाइनों का ही एक भाग है। इसके कुछ प्रतीक काफी लोकप्रिय है जो कि अन्य डिजाइनों के साथ भी मर्ज करके रचाए जाते है। इन प्रतीकों मे मोर सबसे अधिक प्रचलित है। इसके अलावा नगाड़े, ढोल, दुल्हन, दूल्हा, तुरही, कलश आदि प्रतीकों के कारण राजस्थानी मेहँदी लोगों की पसंद में शामिल है।

अरेबियन का आकर्षण

कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स के बीच लोकप्रिय इस डिजाइन ने फैशन को बदलने में सबसे बडी भूमिका निभाई है। एक ओर जहाँ पारंपरिक और राजस्थानी डिजाइनें शादी और पारंपरिक समारोहों के लिए आरक्षित सी हैं वहीं अरेबियन डिजाइन युवाओं की पहली पसंद मे शामिल है।
इस डिजाइन की खासियत यह है कि इसे भरे-भरे रूप में और पूरे हाथ में एक सा नहीं लगाया जाता। बल्कि डिजाइन को आकर्षक मोड़ देकर एक पतली लकीर के रूप में डिजाइन बनाई जाती है।

चलो घर सजाएं

- शकर के डिब्बे को चीटियों व मक्खियों से बचाने के लिए उसके पास एक पुड़िया में कपूर रख दें।
- हीटर ,केटली ,टोस्टर आदि विद्युत उपकरणों पर काम करते समय ध्यान रखें कि आपके हाथ सूखे हों और पैर में रबर की चप्पल पहने हों।लक ड़ी के तख्ते पर खड़े होकर काम करने से भी करंट से बचा जा सकता है।
- खाना बनाते समय दाल -चावल को धोकर कुछ देर पहले से ही भिगो दें ऐसा करने से वह जल्दी व अच्छी तरह पक जाएँगे इससे गैस की भी बचत होती है।
- कच्ची सब्जियाँ यदि मुरझाई व बासी लग रही हों तो इन्हें नींबू के रस मिले पानी में एक घंटे के लिए डाल दें वे फिर ताजी लगने लगेंगी।
- महँगी क्रॉकरी अगर एक जगह से दूसरे शहर ले जानी हो तो उसे भिगोकर बिना पोंछे ही अखबार में लपेट लें।इ ससे कागज क्रॉकरी पर चिपक जाएगा और ले जाते समय सुरक्षित रहेगी।
- कोई भी भरवां सब्जी बनाते समय मसाले में थोड़ा सा भुना मूंगफली का चूर्ण डाल देने से सब्जी का स्वाद बढ़ जाएगा।
- पिसे हुए मसालों को अधिक दिन तक सुरक्षित रखने के लिए उसमें साबुत नमक की डलियाँ डाल दीजिए।
- तकिए में रुई भरवाते समय उसमें दो-तीन टिकिया कपूर डाल दें गर्मियों में यह तकिया ठंडकर का अहसास कराएगा।

कोई भी युवती जब दुल्हन बनती है तो स्वयं को एक खूबसूरत से लहँगे में ही देखना चाहती है इसके लिए उसकी तलाश होती है सबसे सुंदर व अनूठे लहँगे की लेकिन वे काफी मँहगे भी होते हैं। इन्हें खरीदना हर किसी के वस की बात नही ऐसे में कई बार मन मसोस कर रह जाना पड़ता था लेकिन अब उनकी यह परेशानी हल कर दी है किराए पर मिलने वाले लँहगों ने।

किराए के लहँगों से

दुल्हन का श्रृंगार

इन दिनों मार्केट में एक से बढ़कर एक लहँगे और इनसे मैच करती ज्वेलरी किराए पर उपलब्ध है जिन्हें पहनकर दुल्हनें किसी अप्सरा से कम नहीं लगती और उन्हें ज्यादा राशि भी खर्च नहीं करनी पड़ती।आम तौर पर मध्यमवर्गीय परिवारों में शादी के अन्य खर्चे ही इतने अधिक होते हैं और इतनी भारी ड्रेस व ज्वेलरी बार -बार पहनने में नहीं आती है इसलिए किराए पर लहँगा मिल जाने से एक बड़ी रकम इसमें खर्च होने से बच जाती है।

बढ़ा है किराए पर लेने का चलन

महँगे कपड़े व ज्वेलरी किराए पर लेने का चलन इन दिनों बहुत बढ गया है क्योंकि टी.वी.सीरियलों में दिखाए जाने वाले दुल्हनों के महँगे ड्रेस पहनना तो हर कोई चाहता है लेकिन खरीदना हर एक के बजट में नहीं हैं ऐसे में किराए पर इन्हें लेकर आसानी से यह इच्छा पूरी की जा सकती है। यही नहीं दुल्हन की बहनें ,भाभियाँ व अन्य रिश्तेदार भी किराए पर ड्रेस लेकर शादी के समारोह में आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं।

हर वर्ग व बजट का ध्यान

मार्केट मे हर वर्ग की पसंद व बजट के अनुसार किराए पर लहँगे व ज्वेलरी उपलब्ध है। लाइट व हैवी वर्क वाले 5हजार से लेकर 30हजार कीमत तक के लहँगे हैं जिन्हें 500से लेकर 4हजार रुपए तक में एक दिन के लिए किराए पर दिया जाता है। वहीं ज्वेलरी 200से 500रूपए में दी जाती हैं। इनमें कुंदन ,रानी हार ,पोलकी व स्टोन वाली ज्वेलरी अधिक पसंद की जा रही है। इन दिनों ए लाइन व फिश कट मे ग्रीन, महरून,मल्टी कलर व रानी कलर के लहँगों की डिमांड ज्यादा है इन्हें 2से 4 हजार रुपए मे किराए पर लिया जा सकता है। कुंदन,जरी,दबका,स्टोन व एटीक वर्क से सजे दस से 40हजार तक की कीमत वाले ये लहँगे कलकत्ता व फरूखाबाद से मँगवाए जाते हैं। वही इन दिनों पोलकी,जोधा अकबर व स्टोन वाली ज्वेलरी की माँग ज्यादा है। शादी तय होते ही युवतियाँ इनकी बुकिंग करा देती हैं। गौरतलब है कि करीब दो दशक पहले पार्लर मे महगी ड्रेस किराए से देने का चलन तेजी से बढ़ा था। अब तो मेट्रो सिटी में दुल्हन की मांग और पसंद के अनुसार डिजाइनर लहगे और आभूषण भी तैयार करवाए जाने लगे हैं। इतना जरूर है कि इस विशेष इंतजाम के लिए कुछ ज्यादा खर्च करना पडता है।

इन टिप्स को अपनाएं, नहीं भटकेगा पढ़ाई से मन

इसमें कोई दो राय नहीं कि पढ़ाई से मन आसानी से भटक जाता है और एकाग्रता की कमी बडी समस्या बन जाती है। एकाग्रता यानी आप अपने मन और दिमाग को बाकी चीजों से दूर कर एक समय में एक ही जगह लगाए। लेकिन यह बहुत मुश्किल काम है। आप अपने आसपास की चीजों से प्रभावित होते ही है। वहीं छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान लगाना और ज्यादा कठिन हो जाता है। इससे तनाव भी बढ़ जाता है। एकाग्रता बढ़ाना बहुत आसान तो नहीं लेकिन अगर आप निश्चय कर लें तो यह संभव है। यहां हम ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे आप एकाग्रता को बढ़ा सकते हैं और किसी भी तरह के तनाव से दूर रहे सकते हैं

- आप मन-मस्तिष्क के लिए आसपास का माहौल बहुत महत्वपूर्ण होता है। एकाग्रता बढ़ाने के लिए माहौल अच्छा होना जरूरी है जिससे आपका मन भटकने से बचता है। इसलिए यही कोशिश करें कि आप पढ़ाई के लिए आरामदायक और शांतिपूर्ण माहौल चुने।
- पहली बार तो यह है कि अगर आप पढ़ाई करने बैठे हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि आप क्या पढ़ाना चाह रहे हैं। इसके लिए पहले से ही अपनी पढ़ाई का खाका तय कर लें। इससे आपके मन में और कोई विचार नहीं आएगा और आपका मन पढ़ाई में लगेगा।
- एकाग्रता में सबसे ज्यादा दखल विचारों की होती है। मन के भटकने का एक कारण विचारों की अधिकता भी है। इसलिए जब पढ़ाई करने समय आपको लगे कि आपके दिमाग में दूसरी चीजें आ रही हैं तो इस बात को लेकर सजग हो जाएं कि आपको अपना ध्यान नहीं भटकाना है। एक बार आप इस बात को लेकर कांशस हो जाएंगे तो एकाग्र होने में मदद मिलेगी।
- अगर आप पढ़ाई के लिए एकाग्र मन चाहते हैं तो जरूरी है कि आपकी स्टडी प्लॉन्ड हो। अगर आप योजना के साथ पढ़ाई करने बैठेंगे तो आसानी होगी। इससे आपकी पढ़ाई और समय के बीच एक अच्छा संतुलन बन जाता है और आप अपनी पढ़ाई पर ज्यादा गंभीरता से ध्यान दे पाते हैं।
- मन तब ज्यादा भटकता है जब आप एक जगह नहीं बैठते। इसलिए एकाग्र मन के लिए आपको बैठने की एक जगह सुनिश्चित कर लेनी चाहिए। यह दृढ हो जाए कि आप अपनी पढ़ाई पूरी किए बिना सीट से नहीं उठेंगे।
- बहुत जरूरी है कि आप जहां भी बैठे हो वहां साफ-सफाई होनी चाहिए। अगर वहां बिखराव होगा तो आपका मन भी भटकेगा और ध्यान नही लगा पाएंगे।
- एक बहुत जरूरी टिप यही है कि आपको पहले तो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। अच्छा व्यायाम और पौष्टिक आहार न केवल आपकी एकाग्रता को बढ़ाता है बल्कि आपके शरीर को भी स्वस्थ रखता है। इससे शरीर से आलस और थकान दूर होती है।

अंडरराइटर कैसे बनें

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है।

वित्तीय उद्योग विभिन्न पेशेवरों से भरा हुआ है जो कई अलग-अलग क्षमताओं में सेवा करते हैं। बैंक टेलर, बीमा एजेंट, वित्तीय सलाहकार, पोर्टफोलियो मैनेजर कुछ ऐसे पद हैं जो इस उद्योग को बनाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कौन से पेशेवर क्रेडिट और उधार देने के फैसले के पीछे जोखिम का आकलन करते हैं? इन व्यक्तियों को हामीदार या अंडरराइटर कहा जाता है। अंडरराइटर्स मूल्यांकन करते हैं और मूल्यांकन करते हैं कि वित्तीय जोखिम लेने लायक है या नहीं। आप वित्तीय उद्योग के विभिन्न हिस्सों में अंडरराइटर्स पा सकते हैं, जिसमें उधार, बीमा, इक्विटी बाजार और यहां तक कि सुरक्षा व्यापार भी शामिल है। जब भी आप व्यक्तिगत ऋण, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी, या बंधक के लिए आवेदन करते हैं तो कुछ कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश लॉन्च करती हैं, जबकि अन्य आपके आवेदन की समीक्षा करती हैं। यदि आपको यह एक रोमांचक करियर पथ की तरह लगता है, तो आप शैक्षिक आवश्यकताओं और पेशेवर योग्यताओं के बारे में सोच सकते हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी।

अंडरराइटर बनने के लिए आवश्यकताएँ

यदि आप एक हामीदार बनना चाहते हैं तो कुछ चीजें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना होगा। आवश्यकताएं अक्सर उप-क्षेत्र और उस क्षेत्राधिकार के आधार पर भिन्न होती हैं जिसमें आप काम करते हैं। अंडरराइटर बनने के लिए आपको स्नातक की डिग्री की आवश्यकता हो सकती है जिसमें अर्थशास्त्र, व्यवसाय, लेखा, वित्त, या गणित में शोध शामिल होता है। अंडरराइटिंग के लिए विश्लेषणात्मक, कंप्यूटर, संचार और गणित कौशल सहित विशेष कौशल की एक श्रृंखला की आवश्यकता होती है। नए कर्मचारियों को वरिष्ठ हामीदारों से ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण मिलता है और उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रमुख प्रमाणन कार्यक्रमों को पूरा करना होगा। आप एंट्री-लेवल की नौकरी से लेकर वरिष्ठ पद तक, उच्च वेतन के साथ पाँच से 10 वर्षों के भीतर अपना काम कर सकते हैं।

शिक्षा

एक हामीदार बनने के लिए आपको आमतौर पर स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। गणित, बिज़नेस, अर्थशास्त्र और वित्त के पाठ्यक्रम इस क्षेत्र में फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे निश्चित रूप से आपके द्वारा किए जा रहे किसी भी काम में उपयोगी हो सकते हैं। एक अच्छा हामीदार भी विस्तार-उन्मुख होता है और उसके पास गणित, संचार, समस्या-समाधान और निर्णय लेने में उत्कृष्ट कौशल होता है। एक बार काम पर रखने के बाद आप आमतौर पर वरिष्ठ हामीदारों की देखरेख में काम पर प्रशिक्षण लेते हैं। एक प्रशिक्षु के रूप में आप सामान्य जोखिम कारकों और हामीदारी में उपयोग किए जाने वाले बुनियादी अनुप्रयोगों के बारे में सीखते हैं। जैसे-जैसे आप अधिक अनुभवी होते जाते हैं आप स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू कर सकते हैं और अधिक जिम्मेदारी ले सकते हैं।

कौशल

शिक्षा ही एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जो आपको इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। विशेष कौशल का एक सेट भी है जो आपको अपना करियर बनाने में और आगे बढ़ने में आपकी मदद कर सकता है। यहां कुछ प्रमुख कौशल दिए गए हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी -

- विश्लेषणात्मक कौशल
- संचार कौशल
- कंप्यूटर कौशल
- गणित कौशल

अंडरराइटिंग में कॅरियर शुरू करने का सबसे आसान तरीका अच्छी शिक्षा प्राप्त करना है। गणित, लेखा, अर्थशास्त्र और किसी भी अन्य संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री मदद करती है। सुनिश्चित करें कि आपके पास विश्लेषणात्मक और संचार कौशल सहित सही कौशल हैं और प्रमाणित हों। एक बार जब आपके पास वह सब कुछ हो जाए तो प्रवेश स्तर की नौकरियों की तलाश करें जो आपको वह प्रशिक्षण प्रदान कर सकें जो आपको अपने कॅरियर में आगे बढ़ने के लिए चाहिए।

अंडरराइटर की भूमिका क्या होती है?

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है। एक अंडरराइटर के काम में उम्र, वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सा और पारिवारिक इतिहास सहित आवेदक के विवरण की जांच करना शामिल होता है। इस जानकारी का उपयोग करते हुए और अन्य औपचारिकताओं के बाद वह अंडरराइटिंग सॉफ्टवेयर में जानकारी दर्ज करता है। सॉफ्टवेयर प्रीमियम की राशि और बीमा प्रदाता कंपनी को पॉलिसी पर लागू होने वाली शर्तों का निर्धारण करता है। एक स्वास्थ्य बीमा कंपनी का हामीदार चिकित्सा जानकारी की समीक्षा करता है, जबकि एक ऋण हामीदार ग्राहक के क्रेडिट इतिहास जैसे कारकों का आकलन करता है। अंडरराइटर का काम जटिल होता है। बीमा हामीदार व्यक्तियों को जोखिम के स्वीकार्य स्तर को निर्धारित करने में सक्षम होना चाहिए । जटिल परिस्थितियों की जांच करते समय एक हामीदार को शोध करने और बहुत सारी जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता हो सकती है। एक हामीदार ऋण और इक्विटी बाजार, गिरवी और बीमा जैसे क्षेत्रों में किसी अन्य पार्टी के जोखिम का आकलन करता है।

इस कारण युवाओं की पसंद हैं एसएससी जॉब्स

अगर आप सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जॉब्स के बारे में जानते ही होंगे। इन जॉब्स की कुछ खासियतें इन्हें बेहद आकर्षक बनाती हैं। जानते हैं इन्हीं खासियतों के बारे में।

केंद्र सरकार की नौकरी

परंपरागत रूप से भारत में सरकारी नौकरी को प्रतिष्ठा के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। एसएससी जॉब्स सरकारी नौकरियों में काफी ऊंचा दर्जा रखती हैं, सो इनके साथ भी यह प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। अधिकांश एसएससी जॉब्स उच्च पे-बैंड के तहत आती हैं और इनमें अच्छी-खासी सैलरी मिलती है। इसके अलावा, टैक्स ऑडिटर्स, इंस्पेक्टर्स, असिस्टेंट्स आदि को कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं, जैसे मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, दिल्ली व अन्य प्रमुख नगरों में आवास, अनेक प्रकार के भत्ते आदि।

जॉब सिक्योरिटी

किसी भी फील्ड में लोगों को आकर्षित करने का एक बड़ा कारक होता है जॉब सिक्योरिटी। यूं तो सभी सरकारी नौकरियों में जॉब सिक्योरिटी होती है मगर उच्च श्रेणी का अफसर होने के नाते यह सुरक्षा और भी बढ़ जाती है। प्राइवेट सेक्टर में उच्च पदों पर कार्यरत अफसरों को भी विपरीत परिस्थितियों में पिंक स्लिप थमाए जाने का खतरा रहता है मगर सरकारी क्षेत्र में ऐसा कभी नहीं होता। यह सुरक्षा युवाओं को प्रतिष्ठापूर्ण एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है।

प्रमोशन पॉलिसी

एसएससी जॉब्स में प्रमोशन के बेहतरीन अवसर होते हैं और ये भी इन जॉब्स का आकर्षण बढ़ा देते हैं। अधिकांश पदों पर नियुक्ति के बाद पहले या दूसरे ही प्रमोशन के पश्चात आप राजपत्रित अधिकारी (गजेटेड ऑफिसर) बन सकते हैं। हमारे समाज में राजपत्रित अधिकारी के पद के साथ कितना सम्मान और प्रतिष्ठा जुड़ी है, यह तो सब जानते ही हैं।

कई तरह के पद

अनेक युवा यह सोचकर एसएससी जॉब्स से दूर भागते हैं कि यहां तो निम्न श्रेणी के ही पद उपलब्ध होते हैं। उनकी यह सोच गलत है। एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, एन्फोर्समेंट ऑफिसर, मिनिस्टीरियल असिस्टेंट आदि जैसे उच्च श्रेणी के पदों पर भी नियुक्तियां की जाती हैं। कुल मिलाकर यहां कई तरह के पदों पर काम किया जा सकता है, जिनमें अच्छे-खासे प्रशासनिक अधिकार भी होते हैं और समाज में सम्मान भी।

यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जाम एक ऐसी परीक्षा है, जिसके माध्यम से आईएएस और आईपीएस अधिकारी चुने जाते हैं। लगभग हर विद्यार्थी के मन में यह विचार जरूर आता है कि वह आईएएस अफसर बने। बहुत-से लोग इसकी तैयारी भी करते हैं, लेकिन चुने जाते हैं कुछ ही।

सिविल सर्विसेस एग्जाम देने से पहले इन बातों को जान लें

क्या आईएएस आपका पैशन है?

दुनिया के किसी भी काम को करने के लिए परिश्रम की जरूरत होती है, लेकिन इससे भी पहले एक और चीज की जरूरत पड़ती है और वह है आपका पैशन, आपका जुनून। इसीलिए एक बात का बहुत खयाल रखना होगा कि यदि आपमें वह जज्बा नहीं है, यदि आप किसी के कहने मात्र से इस परीक्षा की तैयारी करने जा रहे हैं, तो आप इस परीक्षा के लायक नहीं हैं। कारण यह कि आईएएस परीक्षा की तैयारी बिना पैशन के हो ही नहीं सकती। बेहतर होगा कि आप कोई और फील्ड चुन लें क्योंकि समय बहुत कीमती है और इसे किसी ऐसी जगह नहीं लगाना चाहिए, जहां आपका पैशन न हो।

क्या आप फोकस्ड हैं?

कोई भी कार्य एकाग्रता की मांग करता है। यदि आपमें फोकस्ड होने की क्षमता नही है या आपका मन भटकता है, तो आपके लिए इस परीक्षा का चुनाव गलत साबित हो सकता है। अक्सर लोग ऑप्शन लेकर चलते हैं कि अगर आईएएस नहीं तो कोई और एग्जाम सही। इस प्रकार दो नावों पर पैर रखने से अक्सर लोग गिर जाते हैं। इसलिए अच्छा यही होगा कि आप या तो पूरी तरह फोकस्ड होकर यह परीक्षा दें या फिर अपना टारगेट बदल दें।

क्या परिस्थितियां पढ़ाई के अनुकूल हैं?

कहते हैं, पढ़ने वाला कहीं भी पढ लेता है, फिर चाहे कितना भी शोर हो या कोई समस्या हो। यह बात सच है। लेकिन अगर टारगेट आईएएस हो, तो आपको समस्या हो सकती है। कारण यह कि इसकी तैयारी के लिए आपको शांत माहौल मिलना चाहिए, जिससे आपका मन न भटके। साथ ही, आपकी परिस्थितियां ऐसी होनी चाहिए जो आपको तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराए।

क्या आप न्यूनतम योग्यता रखते हैं?

आईएएस की परीक्षा के लिए आपके पास न्यूनतम योग्यता होनी ही चाहिए। यानी आपको ग्रेजुएट तो होना ही चाहिए, साथ ही आपमें आईएएस के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। यहां न्यूनतम योग्यता से मतलब केवल ग्रेजुएट होना ही नहीं है, बल्कि इसके अलावा भविष्य के एक आईएएस अफसर से जो उम्मीद की जाती है, वह योग्यता भी आपमें होनी चाहिए।

क्या आपको डीप स्टडी में रुचि है?

अगर आप बहुत ज्यादा गहराई से पढ़ाई नहीं कर सकते, तो मान लें कि यह परीक्षा आपके लिए नहीं है। सिविल सर्विसेज एग्जाम में आप कुछ चुनिंदा विषयों और ऊपरी स्तर पर पढ़कर पास हो ही नहीं सकते। आपमें ज्ञान की भूख होनी चाहिए। आप हर विषय को उसकी गहराई में जाकर समझें। ऐसा करने की आपमें इच्छा होनी चाहिए।

क्या आप त्वरित व सही निर्णय लेते हैं?

एक आईएएस ऑफिसर को जिन परिस्थितियों में काम करना होता है, उनमें कई बार त्वरित मगर सही निर्णय लेने होते हैं। यह एक जरूरी गुण है, जो हर आईएएस अधिकारी में होना ही चाहिए। इसलिए पेपर हल करते समय भी सही निर्णय का टेस्ट लिया जाता है। कई सवाल ऐसे होते हैं, जो आपकी इसी क्षमता को परखते हैं। इसीलिए डिसीजन मेकर बनें और जीवन के हर पहलू पर चर्चा करें। लोगों की समस्याएं सुनें और फिर अपनी राय देने की आदत डालें।

क्या आपकी पब्लिक सर्विस में रुचि है?

अगर आप सिर्फ पावर, पैसे या पोस्ट के लिए यह परीक्षा देने जा रहें हैं, तो आपको इस बारे में एक बार फिर सोचना चाहिए। आपमें जनता की सेवा का जज्बा होना चाहिए। एक आईएएस अधिकारी से जनता मदद की उम्मीद करती है और उसकी नियुक्ति भी इसलिए की जाती है, ताकि वह जनता की मदद कर सके। उसे जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा सके और जरूरत पड़ने पर उसकी बात भी सुने, उसकी परेशानी को समझे।

क्या आपमें धैर्य है?

धैर्य न होना छोटी-सी बात लगती है लेकिन यह बहुत बड़ी बात है। हमारी निजी जिंदगी में तो अक्सर हम धैर्य टूट जाने पर एक-दूसरे को लड़ते-झगड़ते देखते हैं। जहां परीक्षा की तैयारी के लिए धैर्य की जरूरत होती है, वहीं भविष्य के आईएएस अधिकारी से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोए और धैर्य के साथ ही काम करे और निर्णय ले, ताकि उसके सही होने की संभावना भी ज्यादा हो।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में डीपफेक कंटेंट बनाने पर करना पड़ेगा मुकदमे का सामना, दोषियों को हो सकती है जेल की सजा

लंदन , एजेंसी। ब्रिटिश सरकार ने मंगलवार को कहा कि अश्लील डीपफेक कंटेंट बनाने वाले लोगों को नए कानून के तहत मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। ब्रिटेन सरकार इस संबंध में जल्द ही कानून बनाने जा रही है। यह विधेयक इस समय संसद के समक्ष विचाराधीन है। नए कानून के तहत बिना सहमति के डीपफेक कंटेंट बनाने वाले लोगों को मुकदमा और भारी जुर्माने का सामना करना पड़ेगा। विधेयक में प्रस्तावित प्रविधान के अनुसार अगर डीपफेक का प्रसार हो जाता है तो दोषियों को जेल की सजा हो सकती है। प्रधानमंत्री ऋषि सनक ने एक्स पर पोस्ट किया, सरकार अश्लील डीपफेक कंटेंट बनाने वाले लोगों पर नकेल कस रही है। हम इस पर प्रतिबंध लगाने के लिए नया कानून बनाने जा रहे हैं। ब्रिटेन की मंत्री लीरा फेरिस ने कहा, डीपफेक से बनाई गई अश्लील तस्वीरें निंदनीय और पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं।डीपफेक से आशय ऐसी तस्वीरों और वीडियो से है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अथवा अन्य तकनीकों से तैयार की जाती हैं और जिसमें आमतौर पर पीड़ित की सहमति नहीं होती।

जेल की जगह हाउस अरेस्ट में रखी गई म्यांमार की नेता आंग सान सू, सेना ने लिया फैसला?

बैंकॉक , एजेंसी। म्यांमार की मानवाधिकारों की पैरोकार माने जाने वाली महिला आंग सान सू की जेल में कई सालों की सजा काट रही हैं। इस बीच देश में भीषण गर्मी और हीटवेव के कारण उन्हें जेल से बाहर लाया गया था। वहीं अब आंग सान सू की को नजरबंद किया गया है। सैन्य सरकार ने कहा कि म्यांमार की जेल में बंद पूर्व नेता आंग सान सू की को गर्मी के कारण स्वास्थ्य उपाय के तौर पर जेल से घर में नजरबंद कर दिया गया है। सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल जॉ ने बताया कि 78 वर्षीय सू की और उनकी अपदस्थ सरकार के 72 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति विन म्यिंट उन बुजुर्ग कैदियों में से थे जिन्हें भीषण गर्मी के कारण जेल से बाहर लाया गया था। जॉ ने मंगलवार देर रात विदेशी मीडिया प्रतिनिधियों को इसकी जानकारी दी। इस कदम की अभी तक म्यांमार में सार्वजनिक रूप से घोषणा नहीं की गई है।

कब्जे वाले क्रीमिया में सैन्य हवाई क्षेत्र में विस्फोट, सामने आई आग लगने की घटना

क्रीमिया, एजेंसी। क्रीमिया में 17 अप्रैल की सुबह एक सैन्य हवाई क्षेत्र के पास कब्जे वाले दज़ानकोई शहर में विस्फोटों की सूचना मिली थी। विस्फोट के बाद, हवाई क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आग लग गई। एक ऑनलाइन विमानन डेटाबेस के अनुसार, रूसी नौसेना का दज़ानकोई एयरबेस शहर से बाहर है और 27वें मिश्रित विमानन डिवीजन को 39वीं हेलीकॉप्टर रेजिमेंट वहां तैनात है। इस रेजिमेंट से कई अलग-अलग लड़ाकू हेलीकॉप्टर उड़ाती हैं। एयरफोर्स टेक्नोलॉजी वेबसाइट के अनुसार, केए-52 एलीगेटर रूस के केए-50 अटैक हेलीकॉप्टर का एक अपडेटेड ट्विन सीट एडिशन है। इस एडिशन को खासतौर पर दुश्मन के बख्तरबंद और निहत्थे जमीनी लक्ष्यों, टैंकों, कम गति वाले हवाई लक्ष्यों और कर्मियों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आइएइए ने यूक्रेन में रूसी नियंत्रण वाले क्षेत्र में परमाणु संयंत्र पर हमले को लेकर दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी। रूस और यूक्रेन ने यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए हमलों के लिए सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समक्ष एक दूसरे पर दोषारोपण किया। इसको लेकर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख ने कहा कि इसने दुनिया को खतरनाक रूप से परमाणु हादसे के करीब पहुंचा दिया है। आईएईए महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने कहा कि उनकी एजेंसी ने 7 अप्रैल से जापोरीजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के खिलाफ तीन हमलों की पुष्टि की है। उन्होंने सुरक्षा परिषद से कहा, ये लापरवाह हमले तुरंत बंद होने चाहिए। हालांकि, सौभाग्य से, इस बार उनके कारण कोई रेडियोलॉजिकल हादसा नहीं हुआ है, लेकिन इससे जोखिम काफी बढ़ जाते हैं... जहां परमाणु सुरक्षा से पहले ही समझौता किया जा चुका है। ग्रॉसी ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि संयंत्र पर हमला करने वाले ड्रोन की रिमोट-नियंत्रित प्रकृति का मतलब है कि यह निश्चित रूप से पता लगाना असंभव है कि उन्हें किसने संचालित किया। उन्होंने कहा, ऐसा कुछ कहने के लिए हमारे पास सबूत होना चाहिए। ये हमले कई ड्रोनों से किए गए हैं। जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र दक्षिण पूर्वी यूक्रेन में रूस नियंत्रित क्षेत्र में स्थित है और इसके छह परमाणु रिएक्टर हैं। यूक्रेन और उसके सहयोगियों ने सोमवार को स्थल पर खतरों के लिए फिर से रूस को दोषी ठहराया। अमेरिका के उप राजदूत रॉबर्ट वुड ने अमेरिका और स्लोवेनिया की पहल पर हुई सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, रूस को इन जोखिमों की परवाह नहीं है।

यूएन पर एकछत्र राज चाहता है चीन, सामने आई काली करतूत; संयुक्त राष्ट्र महासभा में दो बार रिश्वत भी दी

बीजिंग, एजेंसी। अड़ियल और दूसरों की जमीन-संपदा पर बुरी नजर रखने वाले चीन का नया षड़यंत्र सामने आया है। ऐसी रिपोर्ट सामने आई है कि चीन संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय और स्वतंत्र संस्था पर एकछत्र राज चाहता है। वह नियम आधारित इस अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को अपने हिसाब से चलाना चाहता है। संयुक्त राष्ट्र व्हिसिलब्लोअर ने सबूत पेश करते हुए दावा किया कि चीन ने कई बार यूएन में संवेदनशील विषयों पर चर्चा को रोकने के लिए वोटों को प्रभावित किया है और दो बार महासभा के अध्यक्षों को रिश्वत भी दी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा पर अवैध कब्जा करने को लेकर चीन की नई चाल का पर्दाफाश हुआ है। चीन के इस षड़यंत्र का खुलासा किया है संयुक्त राष्ट्र व्हिसिलब्लोअर की सदस्य और मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) की पूर्व कर्मचारी एस्मा रोली ने। उन्होंने लिखित साक्ष्यों के साथ आरोप लगाया कि ऐसा करके जिनपिंग सरकार संयुक्त राष्ट्र महासभा में कानून के शासन, लोकतंत्र और मानवाधिकारों को हटा देना चाहता है, वह इन्हें तवज्जो नहीं देना चाहता। मंगलवार को प्रकाशित अपने लिखित सबूतों में रोली ने खुलासा किया कि कैसे बीजिंग कुछ मुद्दों को न उठाने के लिए ओएचसीएचआर को प्रभावित कर रहा है और अपनी करतूतों पर पर्दा डालने के लिए संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों पर दबाव डालता है ताकि वे रिपोर्ट में हेरा-फेरी कर सकें।

कोरोना से लेकर उइगर मुसलमानों पर रिपोर्ट में छेड़छाड़

उन्होंने दावा किया कि चीन ने ऐसा एक बार नहीं कई बार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने कोरोना की उत्पत्ति को लेकर डब्ल्यूएचओ और यूएनईपी (संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम) दोनों की रिपोर्ट के साथ भी छेड़छाड़ किया। इसके अलावा अपने यहां उइगर मुसलमानों के साथ दुर्व्यवहार को लेकर जारी ओएचसीएचआर की रिपोर्ट के साथ भी जिनपिंग सरकार द्वारा हस्तक्षेप किया गया। ऐसा दावा किया गया है कि संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी गुप्त रूप से चीन को उन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के नाम की टिप दे रहे थे, जिन्होंने चीन के खिलाफ इस तरह की रिपोर्ट बनाई। इससे चीन को उन अधिकारियों के बारे में पता लगा ताकि, वे उनसे संपर्क कर सकें और रिश्वत ऑफर कर सकें।

व्हिसलब्लोअर क्या होता है?

व्हिसलब्लोअर वह व्यक्ति है जो किसी निजी या सार्वजनिक संगठन के भीतर किसी भी प्रकार की जानकारी या गतिविधि को उजागर करता है जिसे अवैध, अनैतिक या सही नहीं माना जाता।

बांग्लादेश में दर्दनाक हादसा, बस और ट्रक में जोरदार टक्कर, 14 लोगों की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के ढाका-खुलना राजमार्ग पर मंगलवार को एक बस और एक ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में एक परिवार के पांच सदस्यों समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। 'ढाका ट्रिब्यून अखबार ने पुलिस के हवाले से कहा कि यह हादसा फरीदपुर में हुआ जब खुलना मंडल में मगुरा शहर जा रही बस की ढाका की तरफ जा रहे ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे में 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि दो लोगों ने अस्पताल ले जाते समय और एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में ट्रक के यात्री, चालक व सहायक भी शामिल हैं। ट्रक पर चालक समेत 15 लोग सवार थे।

'डेली स्टार समाचार पोर्टल ने अपनी खबर में मृतकों की संख्या 13 बताई और कहा कि मृतकों में सात महिलाएं, तीन पुरुष और तीन बच्चे शामिल हैं। समाचार पोर्टल 'बीडीन्यूज24 की खबर के मुताबिक, मरने वालों में एक ही परिवार के पांच सदस्य भी शामिल हैं। इससे पहले उपायुक्त मोहम्मद कामरुल अहसान तालुकदार और पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुर्शिद आलम ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया था। खबर में तालुकदार के हवाले से कहा गया है कि सरकार ने मृतकों को दफन करने के लिए 20 हजार टका की तत्काल राशि जारी की और इतनी ही रकम घायलों को उपचार के लिए दी गई है। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख टका तथा घायलों के परिवारों को तीन-तीन लाख टका की सहायता राशि दी जाएगी।

रेगिस्तानी मुल्क में बाढ़ जैसे हालात, एक दिन की बारिश में ही पानी-पानी हुआ दुबई; एयरपोर्ट-स्टेशन सब बंद

दुबई , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और उसके आसपास के देशों में मंगलवार को जमकर बारिश हुई। बारिश इतनी तेज हुई की कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। भारी बारिश के चलते यूएई में प्रमुख राजमार्गों के कुछ हिस्सों में लबालब पानी भर गया और पूरे दुबई में सड़कों पर खड़े वाहन पानी में डूबे नजर आए।

इसके अलावा, भारी बारिश के कारण यूएई के प्रशासन ने मंगलवार को लोगों से घरों में ही रहने का अनुरोध किया। स्कूलों ने कक्षाएं आनलाइन आयोजित की। सरकारी कर्मचारियों से भी घरों से कार्य करने को कहा गया। आइए आपको फोटो के माध्यम से दिखाते हैं कि किस तरह भारी बारिश के बाद दुबई जैसे थम सी गई। दुनिया के व्यस्त हवाई अड्डों में से एक दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (डीएक्सबी) पर करीब 25 मिनट संचालन बंद रहा। इस कारण कई उड़ानें रद करनी पड़ीं और कई विलंबित हो गईं।

सड़कों पर डूबती दिखीं कई गाड़ियां

कई राजमार्गों और सड़कों से पानी निकालने के लिए प्रशासन को बड़े-बड़े पंप लगाने पड़े। पानी इतना भर चुका था कि कई गाड़ियां डूब गईं। मंगलवार को यूएई के आसमान में जमकर बिजली चमकी और फिर उसके बाद भारी बारिश का दौर जारी रहा। काले आसमान और तेज हवाओं की वजह से पूरी दुबई जैसे बादलों के घेरे में गिरफ्त दिखी। दुबई अपने बड़ी-बड़ी बिल्डिंग को लेकर जाना जाता है।

बिना दया के हमास से लड़ रहा इजरायल, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नई सेना भर्तियों को दिया अहम संदेश

यरुशलम, एजेंसी। ईरान के साथ चल रहे तनाव के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को बड़ा बयान दिया। नई सेना में भर्ती होने वाले सैनिकों से उन्होंने कहा कि इजरायल बिना दया के हमास से लड़ रहा है।

गौरतलब है कि हमास के 7 अक्टूबर के हमले के बाद से इजरायल ने गाजा में अपना बमबारी अभियान जारी रखा है और युद्ध और घेराबंदी के कारण तटीय क्षेत्र बड़े पैमाने पर तबाह हो गया है। इस जंग में 24 लाख लोग मारे गए हैं। बड़ी संख्या में नागरिकों की मृत्यु और गंभीर मानवीय संकट पर वैश्विक चिंता बढ़ गई है।

नेतन्याहू ने कहा, आप एक बरबर दुश्मन को पीछे हटाने के लिए आईडीएफ (सेना), शानदार युद्धक स्थिति में शामिल हो रहे हैं। हम उन पर बिना किसी दया के हमला कर रहे हैं और हम उन्हें हरा देंगे। उनकी यह टिप्पणी पिछले हफ्ते ईरान द्वारा इजरायल पर अपना पहला सीधा हमला शुरू करने के बाद आई है, जिससे मध्य पूर्व में तनाव तेजी से बढ़ गया है। नेतन्याहू ने सैनिकों से कहा कि हमास से लड़ना एक बड़े अभियान का हिस्सा था। ईरान हमास के पीछे, हिज्बुल्लाह और अन्य के पीछे खड़ा है, लेकिन हम वहां जीतने और सभी क्षेत्रों में अपनी रक्षा करने के लिए दृढ़ हैं।

इजरायली आधिकारिक आंकड़ों की एएफपी तालिका के अनुसार, युद्ध की शुरुआत करने वाले हमास के हमले के परिणामस्वरूप इजरायल में 1,170 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे। हमास द्वारा संचालित क्षेत्र में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल के जवाबी हमले में गाजा में कम से कम 33,843 लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। इजरायल ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा में उनके 260 सैनिक मारे गए हैं।

ब्रोंक्स में स्कूटर सवार हमलावरों ने चार लोगों को मारी गोली, एक की मौत

न्यूयॉर्क , एजेंसी। ब्रोंक्स में एक स्कूटर पर सवार शूटरों ने चार लोगों को गोली मार दी, जिसमें से एक की मौत हो गई। इस घटना की जानकारी पुलिस ने मंगलवार शाम को दी।

सहायक पुलिस प्रमुख वेंजामिन गुरली ने कहा, शाम 6 बजे के बाद दो स्कूटरों को चौराहे पर रोकने के बाद लगभग 10 गोलियाँ चलाई गईं और प्रत्येक के पीछे बैठे यात्रियों ने बंदूकें निकाल लीं।

सड़क के किनारे खड़े तीन पीड़ितों, जिनकी उम्र 23 से 37 वर्ष के बीच थी, के पैरों में गोली लगने से चोट हो गए। गुरली ने कहा, चौथे, 29 वर्षीय व्यक्ति को पैरों और छाती में चोट लगी और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। गुरली ने कहा, अपराधियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मुखौटे और हुडी पहनी थी और फिर वे स्कूटर पर उतर की ओर भाग गए। मंगलवार रात पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। लेकिन गुरली ने कहा कि पुलिस अनिश्चित है कि वह व्यक्ति गोलीबारी में शामिल था या नहीं। उन्होंने कहा कि पुलिस अभी भी जांच कर रही है कि क्या पीड़ितों को निशानेबाजों ने निशाना बनाया था या गोलीबारी के पीछे किसी गिरोह का हाथ था।

जीवित बचे तीन पीड़ितों की स्थिति के बारे में तुरंत जानकारी नहीं दी गई। डिप्टी पुलिस कमिश्नर काज़ डौटी ने कहा कि पुलिस विभाग की सामुदायिक प्रतिक्रिया टीम 1 अप्रैल से ब्रोंक्स में काम कर रही है और स्कूटर पर अपराधियों को आक्रामक तरीके से निशाना बना रही है। डौटी ने कहा कि विभाग ने 1 जनवरी से 9,500 स्कूटर, डर्ट बाइक और एटीवी को सड़कों से हटा दिया है, जिसमें ब्रोंक्स में 2,500 वाहन भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, यह इस बात का प्रमुख उदाहरण है कि हम ऐसा क्यों कर रहे हैं।

चीन की जीडीपी का रिपोर्ट कार्ड आया सामने, पहली तिमाही में इकॉनमी 5.3 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ी

बीजिंग , एजेंसी। कोरोना काल के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी चीन की इकॉनमी पटरी पर लौटने के लिए संघर्ष कर रही है। इस बीच चीन की पहली तिमाही का रिपोर्ट कार्ड सामने आ गया है । जनवरी-मार्च तिमाही में चीन की इकॉनमी 5.3त की रफ्तार से बड़ी जो अनुमानों से बेहतर है। रॉयटर्स द्वारा एनालिस्ट्स के बीच कराए गए एक पोल के मुताबिक चीन की इकॉनमी के पहली तिमाही में 4.6त की स्पीड से बढ़ने की उम्मीद जताई गई थी। पिछली तिमाही में चीन की इकॉनमी की ग्रोथ 5.2 फीसदी थी। चीन सरकार का लक्ष्य 2024 में इकनॉमिक ग्रोथ पांच फीसदी के आसपास रखने का लक्ष्य रखा है। कई एनालिस्ट्स का कहना है कि यह टारगेट महत्वाकांक्षी है और इसके लिए ज्यादा स्टीमुलस की जरूरत होगी। चीन की इकॉनमी इस समय कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। ऐसे में पहली तिमाही में इकॉनमी का उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन पॉलिसीमेकर्स के लिए अच्छी खबर है।

चीनका रियल एस्टेट सैक्टर में संकट लगातार गहराता जा रहा है, लोकल गवर्नमेंट का कर्ज बढ़ रहा है और प्राइवेट सेक्टर खर्च नहीं कर रहा है।

हमास, हिजबुल्लाह, हूती; लंबी है ईरान की आतंकी फौज, इजरायल और अमेरिका दोनों को देंगे टेंशन

तेहरान, एजेंसी। दुनिया के दो ताकतवर मुल्कों इजरायल और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। दूसरी ओर अमेरिका भी अपने दोस्त इजरायल के लिए ईरान पर सख्त ऐक्शन मोड में है। इजरायल के आग्रह पर अमेरिका ईरान पर पाबंदियों की झड़ी लगाने जा रहा है। अमेरिका का कहना कि ईरान पर जल्द ही पाबंदी लगाई जाएगी। अमेरिका के इस कदम से ईरान बौखलाया हुआ है। ईरान पहले ही अमेरिका को चेतावनी दे चुका है कि अगर उसने हस्तक्षेप किया तो वह चुप नहीं बैठेगा। ईरान के पास दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में एक इस्लामिक गार्ड कॉर्प्स के अलावा आतंकियों की कई फौज है, जो उसे बाहरी खतरे से बचाते हैं। इस्लामिक गार्ड कॉर्प्स ने ही इजरायल पर बीते दिनों ड्रोन और मिसाइलों की बारिश की थी। ईरान के पास इसके अलावा फिलीस्तीन में हमास, लेबनान में हिजबुल्लाह और यमन में हूती विद्रोहियों का भी पूरा समर्थन है। ये वे आतंकी संगठन हैं जो इजरायल ही नहीं अमेरिका को भी टेंशन दे सकते हैं।

ईरान अपने लिए सबसे बड़ा खतरा अमेरिका को मानता है। मध्य पूर्व में ईरान खुद को अमेरिका का प्रॉक्सी भी बताता है। उसके लिए दूसरा बड़ा दुश्मन इजरायल है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के मामले में जानकारी रखने वाले अली वाएज़ का कहना है कि ईरान ने मध्य पूर्व में आतंकियों का ऐसा नेटवर्क बनाया है जिसके दम पर वह बिना लड़े अपनी ताकत की नुमाइश करता रहे। ईरान को कोई युद्ध लड़े 30 बरस हो गए हैं और अक्सर उसके हथियारों से आतंकी हमलों को अंजाम देते रहे हैं। इनसे ईरान अपने मंसूबे भी पूरे कर लेता है। इजरायल लंबे समय से फिलिस्तीन में हमास का आतंक झेल रहा है। अब इजरायल गाजा में हमास के पूर्ण खात्मे के लिए ऑपरेशन भी चला रहा है।

आतंकियों को घर में घुसकर मारेंगे, पीएम मोदी के बयान पर अमेरिका ने दी प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन , एजेंसी। आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की नो टॉलरेंस पॉलिसी से पाकिस्तान पूरी तरह बौखला उठा है। दरअसल, भारत अब न सिर्फ अपने देश में आतंकियों का सफाया कर रहा है बल्कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बैठे आतंकियों का भी सफाया करने में जुटा है।

कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारने से नहीं हिचकिचाएंगे। वहीं, पिछले कुछ दिनों के भीतर पाकिस्तान में कई आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया गया।

हालांकि,इन आतंकियों की हत्या किसने की है, इसबात की जानकारी पाकिस्तान सरकार के पास नहीं है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि भारत के खुफिया एजेंसी यानी रॉ के एजेंट्स पाकिस्तान की धरती पर आतंकियों को निशाना बना रहे हैं।

पाकिस्तान के जरिए लगाए जा रहे इस आरोप पर अमेरिका ने भी प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, अमेरिका ने जो कहा है वो पड़ोसी मुल्क को पसंद नहीं आई होगी। घर में घुसकर मारेंगे वाले बयान पर अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, जैसा कि मैंने पहले कहा है, अमेरिका पाकिस्तान और भारत के बीच में नहीं आने वाला है। दोनों देश बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाएं।

जब मिलर से पूछा गया कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की कथित हत्या की साजिश को लेकर अमेरिका ने भारत पर कोई प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया है, तो मिलर ने कहा, मैं कभी भी किसी भी प्रतिबंध की कार्रवाई का पूर्वावलोकन नहीं करने जा रहा हूं। अमेरिका प्रतिबंधों के बारे खुलकर चर्चा नहीं करता।

पाकिस्तान ने क्या लगाए आरोप?: पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के नागरिकों को मनमाने ढंग से आतंकवादी करार देना और सजा देने का दावा करना साबित करता है कि वो दोषी हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह जरूरी है कि वह भारत को उसकी गैरकानूनी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार ठहराए। गौरतलब है कि भारत सरकार ने द गार्जियन में छपी रिपोर्ट और पाकिस्तान के आरोपों को बेबुनियाद करार दिया है।

बटलर के शतक से खिलाड़ियों के एलीट एथलीट होने की जरूरत का पता चलता है: मूडी

कोलकाता, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी ने राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज जोस बटलर के कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इस आईपीएल का अपना दूसरा शतक जड़ने के बाद कहा कि उनका मैच विजयी शतक पेशेवर क्रिकेटरों के लिए भी विशिष्ट एथलीट बनने की जरूरत को उजागर करता है। बटलर (60 गेंदों पर नाबाद 107 रन) धीमी शुरुआत और तेजी से बढ़ती रन गति के दबाव के बावजूद अंत तक क्रीज पर डटे रहे और सुनील नारायण (109) के शतक को बौना साबित करते हुए अंतिम गेंद पर रॉयल्स को जीत दिलाई।

मूडी ने कहा, 'वह आगे बढ़ता रहा क्योंकि वह एक एलीट एथलीट है और वह दिखाता है कि आज टी20 क्रिकेट या क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में आपको एक एलीट एथलीट होने की आवश्यकता है। आप केवल एक कुशल खिलाड़ी बनकर बच नहीं सकते और वह समय बीत चुका है। चोट के कारण पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान के पिछले मैच से बाहर रहे बटलर दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरने के बावजूद डटे रहे। मूडी ने कहा, 'वह एक एलीट एथलीट है इसीलिए वह अब भी आखिरी गेंद पर विजयी रन बनाने के लिए खड़ा है। यह बेहद सरल है, वह बीमारी से वापस आ रहा है, वह बहुत तेजी से वापसी करने में कामयाब रहा क्योंकि वह मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में ओपनिंग कर सकते हैं कोहली

बीसीसीआई मीटिंग में हुई चर्चा, जून में खेला जाएगा टी-20 वर्ल्ड कप

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टार बैटर विराट कोहली टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग कर सकते हैं। इस साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी-20 वर्ल्ड कप खेला जाना है। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पिछले हफ्ते मुंबई में एक मीटिंग की है। इस मीटिंग में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, हेड कोच राहुल द्रविड़ और चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर मौजूद रहे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मीटिंग में रोहित के साथ विराट कोहली को ओपनिंग करने का मौका देने पर चर्चा हुई है। कुछ समय पहले कोहली ने टीम मैनेजमेंट से उनके टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने पर स्पष्टता मांगी थी। रिपोर्ट के अनुसार टीम मैनेजमेंट ने उन्हें इस पर स्पष्टता दे भी दी है।

कोहली का कुछ महीने पहले तक टी-20 वर्ल्ड कप में खेलना तय नहीं था

दरअसल, कुछ समय पहले तक टी-20 वर्ल्ड कप टीम में कोहली की जगह को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप के बाद जब रोहित, द्रविड़ और सेलेक्टर्स की मीटिंग हुई तो टी-20 टीम में कोहली की जगह पक्की नहीं थी, लेकिन पिछले कुछ महीनों में बहुत कुछ बदल गया है।

लगभग दो साल बाद टी-20 इंटरनेशनल में लौटे

रोहित और कोहली ने 2022 टी-20 विश्व कप के बाद से 2023 वनडे वर्ल्ड कप तक कोई भी टी-20 मैच नहीं खेला था। कोहली ने इस साल जनवरी में अफगानिस्तान की घरेलू सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध बताया। वे और रोहित इस सीरीज से लगभग दो साल में पहली बार टी-20 इंटरनेशनल में लौटे। उन्होंने दो मैचों में अपने फेवरेट पोजीशन नंबर-3 पर बैटिंग की। इस सीरीज में यशस्वी जयसवाल ने रोहित के साथ इनिंग की शुरुआत की। हालांकि, जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप ओपनिंग प्लेयर्स बदल सकते हैं।

मौजूदा सीजन में ओपनिंग करते हुए ऑरेंज कैप होल्डर

कोहली पिछले कुछ सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए ओपनिंग करते रहे हैं। वे इसी सीजन भी ओपनिंग करते हुए सात मैचों में 147 की स्ट्राइक रेट से 361 रन के साथ ऑरेंज कैप होल्डर हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक भी लगाया है।

इंटरनेशनल क्रिकेट में भी ओपनिंग कर चुके हैं कोहली

कोहली ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत 2008 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे में बतौर ओपनर बैटर की थी। कुछ समय बाद वे नंबर 3 स्लॉट पर चले गए। कोहली का टी-20 इंटरनेशनल में बतौर ओपनर बैटर रिकॉर्ड काफी अच्छा है। पूर्व कप्तान ने 9 मैचों में 400 रन बनाए हैं। 1

शशांक सिंह ने कहा

क्रिकेट छोड़ने के कगार से लेकर आईपीएल तक पहुंचने का सफर चुनौतीपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। शशांक सिंह 2017 से आईपीएल का हिस्सा हैं। पहले दिल्ली डेयरडेविल्स (अब डीसी) के साथ, फिर राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और अब पंजाब किंग्स के साथ वे खिलाड़ी जुड़ा है। लेकिन उन्हें इस दौरान कई मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला। हालांकि, इस सीजन में जब उन्हें मौका मिला, तो 32 वर्षीय ऑलराउंडर ने सबका दिल जीत लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि कुछ साल पहले जब चीजें सही नहीं चल रही थी और उन्हें अपने करियर में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ रहा था, तब वह क्रिकेट छोड़ने के बारे में सोच रहे थे। लेकिन उस समय उनका परिवार उनके सपोर्ट में रहा और उनके संघर्षों में उनका साथ दिया। उनके परिवार और करीबी लोगों ने उन्हें खेलना जारी रखने के लिए प्रेरित किया। बातचीत में शशांक ने अपनी इस संघर्षपूर्ण यात्रा और अपने पिता की भूमिका के बारे में बात की, जो उन्हें भारतीय जर्सी में देखना चाहते थे। शशांक ने कहा कि मेरे पिता आईपीएस हैं, मेरी बहन एक मैकेनिकल इंजीनियर है और मेरी मां ने इतिहास में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। क्रिकेट खेलना और भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे पिता का सपना था। शुरुआत में क्रिकेट खेलना मेरा सपना भी नहीं था, ये मेरे पिता का सपना था। वह मुझे गेंदबाजी करते थे और मेरे अभ्यास के लिए मैदान किराए पर लेते थे। एक या दो साल पहले, मैंने क्रिकेट छोड़ने के बारे में सोचा और मैंने कोई बिजनेस करने के बारे में सोचा। लेकिन मेरे परिवार ने मेरा बहुत समर्थन किया और मुझसे खेलते रहने का आग्रह किया। मेरी यात्रा में उतार-चढ़ाव हैं, जो हर पेशेवर क्रिकेटर के जीवन में होते हैं। पहले 2 से 3 फ्रेंचाइजी में मुझे मौका नहीं मिला, फिर जब मुझे एसआरएच में मौका मिला तो वहां बल्लेबाजी अच्छी नहीं थी। लेकिन आईपीएल में मौका मिलना अपने आप में किसी भी घरेलू खिलाड़ी के लिए बड़ा मौका होता है। जब मैं पंजाब किंग्स में आया, तो प्रबंधन ने बहुत स्वागत किया। हमारे अभ्यास मैच अच्छे थे और मैंने अच्छा प्रदर्शन किया, इसलिए मुझे यहां मौका मिला। जब आप अच्छे क्षेत्र में रहते हैं तो आप उसी आत्मविश्वास के साथ मैच में उतरते हैं।

ऑलराउंडर ने आगे कहा कि घरेलू सीजन भी बहुत अच्छा गया था और मैं वही आत्मविश्वास यहां लेकर आया। अगर आप गुजरात टाइटंस के मैच के बारे में बात करते हैं, तो मैं कहूंगा कि मुझे नंबर 6 पर बल्लेबाजी करने का मौका मिला जब 8-9 ओवर बचे थे। इसलिए, मैंने इसे एक अवसर के रूप में देखा और सोचा कि इसे दोनों हाथों से कैसे भुनाया जाए। उस समय मैच जीतना मेरे दिमाग में नहीं था, मेरे दिमाग में केवल एक ही बात चल रही थी कि मैच को गहराई तक कैसे ले जाएं। फिलहाल, मेरी यात्रा उतार-चढ़ाव से भरी रही है लेकिन मुझे हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। 4 अप्रैल को शशांक ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 29 गेंदों में नाबाद 61 रन बनाए और अपनी टीम पंजाब किंग्स की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले साल, वह 2023-24 विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान मणिपुर के खिलाफ 150 रन बनाने और पांच विकेट लेने वाले पहले भारतीय लिस्ट ए-क्रिकेटर बने। दिसंबर 2023 में उन्हें 2024 आईपीएल के लिए पंजाब किंग्स टीम ने 20 लाख रुपये में खरीदा था।

टी20 विश्वकप तक मुश्ताक अहमद होंगे बंगलादेश के स्पिन कोच

ढाका, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर मुश्ताक अहमद को टी20 विश्वकप तक बंगलादेश का स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया गया है। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि मुश्ताक अगले महीने जिम्बाब्वे के साथ होने वाली टी-20 सीरीज से पहले ढाका में लगने वाले शिविर में पहुंचेंगे।

मुश्ताक ने कहा, 'बंगलादेश क्रिकेट टीम का स्पिन गेंदबाजी कोच चुना जाना सम्मान की बात है। मैं इस भूमिका की प्रतीक्षा कर रहा हूं और खिलाड़ियों को अपना सारा अनुभव देना चाहता हूं क्योंकि वह सीखने लायक हैं और मुझे हमेशा लगता है कि यह टीम बहुत खतरनाक टीम है। वे किसी को भी हरा सकते हैं क्योंकि उनमें क्षमता और कौशल है। मैं उनमें विश्वास बढ़ाने का प्रयास करूंगा। मैं उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। मुश्ताक, रंगना हेराथ की जगह लेंगे। हेराथ जून 2021 से दो साल तक इस पद पर रहे। मुश्ताक प्रमुख कोच चंद्रिका हथुरुसिंघे, सहायक कोच निक पोथास, बल्लेबाजी कोच डेविड हेंप और तेज गेंदबाजी कोच आंद्रे एडम्स के साथ जुड़ेंगे। मुश्ताक का स्पिन गेंदबाजी कोच के तौर पर लंबा करियर रहा है। वह 2008 से 2014 के बीच इंग्लैंड की पुरुष टीम के साथ रहे। वह 2014 से 2016 और 2020 से 2022 तक पाकिस्तान के स्पिन गेंदबाजी कोच के पद पर रहे। वह 1992 विश्वकप जीतने वाली पाकिस्तान टीम का हिस्सा थे। उन्होंने अपने करियर में 144 एकदिवसीय और 52 टेस्ट खेले। वह काउंटी में भी सक्रिय रहे और 1993 में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। मुश्ताक थोड़े ही समय के लिए टीम से जुड़े हैं लेकिन रिशाद हुसैन जैसे खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार इस दिग्गज स्पिनर के साथ काम करने को लेकर उत्साहित है।

पैरा तीरंदाज शीतल का शानदार प्रदर्शन

खेलो इंडिया राष्ट्रीय मीट में सक्षम खिलाड़ियों के बीच जीता रजत

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई पैरा खेलों की स्वर्ण विजेता शीतल देवी ने खेलो इंडिया एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता। वह हरियाणा की एकता रानी के बाद दूसरे स्थान पर रहीं जो जूनियर विश्व चैंपियन हैं। डीडीए यमुना खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में 17 वर्षीय शीतल ने सक्षम जूनियर तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा की और व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में एकता से 138-140 से हार गईं। इस साल की शुरुआत में हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित शीतल का जन्म फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ बीमारी के साथ हुआ था। वह पहली और एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पैरा तीरंदाज हैं जिनकी बांह नहीं है। 'खिया प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन से उन्हें आगे की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की प्रेस विज्ञप्ति में शीतल के हवाले से कहा गया, ''इस नतीजे से मुझे अंतरराष्ट्रीय मंचों और ओलंपिक में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।'' एकता को स्वर्ण पदक जीतने के लिए 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि मिली जबकि शीतल को 40 हजार रुपये मिले। टूर्नामेंट तीन श्रेणियों - सीनियर, जूनियर और सब जूनियर रिकर्व तथा कंपाउंड वर्ग में आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता में 87 तीरंदाजों ने भाग लिया।

पेरिस ओलंपिक : बिना तैयारियों के ओलंपिक क्वालिफायर खेलेंगे पहलवान

टूर्नामेंट के लिए नहीं लगा तैयारी शिविर

नई दिल्ली, एजेंसी। सूत्रों की मानें तो खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे निलंबन के चलते ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पहलवानों का तैयारी शिविर नहीं लग सका। कुश्ती पर विवादों के साये ने ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पहलवानों की तैयारियों को छीन लिया। भारतीय टीम के पहलवान बिना तैयारियों के देश को पेरिस ओलंपिक का कोटा दिलाने बिश्केक (किर्गिस्तान) रवाना हो गए। ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पुरुष और महिला पहलवानों का कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया गया। पहलवान अपने स्तर पर अखाड़ों में तैयारी कर क्वालिफायर में उतरने जा रहे हैं। अभी तक भारत को कुश्ती में सिर्फ एक ओलंपिक कोटा मिला है, जो अंतिम पंघाल ने दिलाया है।

महासंघ ने विनेश का भी डाला था नाम - सूत्रों की मानें तो खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे निलंबन के चलते ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पहलवानों का तैयारी शिविर नहीं लग सका। कुश्ती महासंघ ने 27 मार्च से पुरुषों का शिविर सोनीपत और महिला पहलवानों का शिविर गांधीनगर या पटियाला, बंगलूरू में लगाने की सिफारिश साई से की थी। शिविर में ग्रीकोरोमन, फ्रीस्टाइल और महिला वर्ग के 120 से अधिक पहलवानों का नाम दिया गया था, जिसमें विनेश फोगाट समेत ओलंपिक क्वालिफायर की टीम में शामिल पहलवान भी शामिल थे। महासंघ के प्रस्ताव पर साई ने कोई फैसला नहीं लिया।

महासंघ ने भी लगाया शिविर - साई की ओर से शिविर को मंजूरी नहीं दिए जाने के बाद कुश्ती महासंघ ने भी अपने स्तर पर टूर्नामेंट के लिए कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया। जिसके चलते पहलवान अपने स्तर पर ही तैयारियां करने को मजबूर रहे। क्वालिफायर की फीस्टाइल टीम में अमन (57), सुजीत (65), जयदीप (74), दीपक पूनिया (86), दीपक (97), सुमित (125) और महिला टीम में विनेश (50), अंशु (57), मानसी (62), निशा (68), रीतिका (76 भार वर्ग) शामिल हैं। विनेश को छोड़ 16 पहलवान मंगलवार को सुबह बिश्केक रवाना हुए हैं।

कैंडिडेट्स शतरंज:

नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेलकर गुकेश की बढ़त कायम, प्रगनानंदा और गुजराती ने भी ड्रॉ खेला

टोरंटो (कनाडा) एजेंसी। दूसरी ओर शीर्ष वरीय अमेरिका के फैबियानो कारुआना और उनके साथी हिकारु नाकामुरा ने जीत हासिल कर प्रगनानंदा के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया। डी गुकेश ने 10वें दौर के बाद अकेली बढ़त पर आने का मौका खो दिया। गुकेश ने अपने साथ बढ़त साझा कर रहे रूस के इयन नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेला। अगर इस बाजी में वह जीतते तो अकेली बढ़त पर आ सकते थे। अब दोनों खिलाड़ियों के छह-छह अंक हैं और दोनों अभी भी संयुक्त बढ़त पर हैं। वहीं आर प्रगनानंदा (5.5) और विदित गुजराती (5) के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरी ओर शीर्ष वरीय अमेरिका के फैबियानो कारुआना और उनके साथी हिकारु नाकामुरा ने जीत हासिल कर प्रगनानंदा के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया। कारुआना (5.5) ने फ्रांस के

चीन की झोंगयी तान और ली टिंगजी 6.5 अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

गुजराती ने प्रगनानंदा को आसानी से ड्रॉ पर रोका - गुकेश के खिलाफ नेपोमनियाच्ची सफेद मोहरों से खेल रहे थे। शुरुआत में गुकेश समय के दबाव में भी फंसे। बावजूद इसके वह उन्होंने नियंत्रण बनाकर रखा। हालांकि नेपोमनियाच्ची काफी संभलकर खेल रहे थे और जोखिम लेने के मूड में कतई नहीं दिखे। वह 10 दौर के बाद टूर्नामेंट में अकेले खिलाड़ी हैं, जो अब तक हारे नहीं हैं। प्रगनानंदा को भी अभी तक टूर्नामेंट में एक हार गुकेश के खिलाफ मिली है। वह गुजराती के खिलाफ सफेद मोहरों से खेल रहे थे। गुजराती ने उनके खिलाफ बर्लिन डिफेंस का सहारा लिया और आसानी से बाजी ड्रॉ करा ली। 11वें दौर में प्रगनानंदा नाकामुरा से, गुकेश कारुआना से और गुजराती नेपोमनियाच्ची से भिड़ेंगे।

हंपी और झोंगयी के बीच हुआ संघर्ष - महिला वर्ग में ली टिंगजी ने रूस की अलेक्जेंद्रा गोर्याचकिना (5.5) के अपराजेय क्रम को तोड़ दिया। टिंगजी की पिछले पांच दौर में यह चौथी जीत रही। वहीं उनके साथ संयुक्त बढ़त पर चल रहीं झोंगयी तान ने कोनेरू हंपी (4.5) के साथ ड्रॉ खेला। हंपी पांचवें स्थान पर हैं। उन्हें खिताब की दौड़ में आने के लिए जीत हासिल करनी थी। दोनों ने 72 चाल में ड्रॉ खेला। वैशाली ने 88 चाल में छह घंटे के संघर्ष में सालिमोवा को हराया।

टी20 विश्व कप में खेल सकते हैं सुनील नारायण ? शतक के बाद दिए संकेत

कोलकाता, एजेंसी । क्या घर पर होने वाले टी20 विश्व कप में खेलने के लिए सुनील नारायण संन्यास से वापसी करेंगे? कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक लगाने के बाद नारायण ने कम से कम यही संकेत दिए हैं। मैच के बाद नारायण ने कहा, अभी तो फिलहाल मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया हुआ है, लेकिन देखते हैं कि भविष्य में क्या होगा। नारायण ने पिछले साल नवंबर में संन्यास लिया था और कहा था कि वह घर पर बैठकर ही टी20 विश्व कप का आनंद लेंगे। मैच के बाद वेस्टइंडीज के टी20 कप्तान और इस मैच में नारायण के विपक्षी खिलाड़ी रोवमन पॉवेल ने भी स्वीकार किया कि वह लगातार नारायण के फैसले को बदलवाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पिछले 12 महीनों से मैं लगातार नारायण के कानों में फुसफुसा रहा हूं कि वह संन्यास से वापसी कर लें। हालांकि वह किसी की नहीं सुनते। मैंने इस बारे में कीरोन पोलार्ड, ड्वेन ब्रावो और निकोलस पूरन से भी बात की है। उम्मीद है कि जब तक टीम का चयन होगा, तब तक नारायण और सब लोग मिलकर इस बारे में कोई फ़ैसला ले लेंगे।जीत के बाद पॉवेल ने कहा, टीम का मनोबल बहुत ऊंचा है। जब मैं खेल भी नहीं रहा होता हूं, तब भी टीम प्रबंधन के लोग मुझसे एक स्पष्ट बातालाप रखते हैं। मैंने उनसे कहा है कि मैं वेस्टइंडीज़ के लिए चार या पांच नंबर पर बल्लेबाज़ी करता हूं, इसलिए मुझे ऊपर भी भेजा जा सकता है।